राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com | लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित | जन जन की आवाज

लखनऊ | वर्ष : 05 | अंक : 153 | बुधवार, 15 जुलाई 2026 | आषाढ़ माह, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा, विक्रम संवत 2083 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 05 रूपया

संक्षिप्त समाचार

भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष की सुनवाई

नई दिल्ली। भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका पर आज मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होगी। इस मामले में हिंदू पक्षकार जीतेंद्र सिंह विसेन ने उच्चतम न्यायालय में केविएट दाखिल की है। विसेन ने कहा है कि उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ कोई याचिका दायर होने की स्थिति में बिना उनका पक्ष सुने कोई भी आदेश जारी नहीं किया जाए।

आज से 15 अगस्त तक बंद रहेगा लालकिला

नई दिल्ली। दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला 15 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक आम पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने स्वतंत्रता दिवस समारोह और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए यह फैसला लिया है। इस दौरान आम लोगों का प्रवेश नहीं होगा। 15 अगस्त के बाद सुरक्षा व्यवस्था सामान्य होने पर लाल किला दोबारा पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

चांदीपुरा वायरस से एक माह में 12 बच्चों की मौत

गोधरा। गुजरात में चांदीपुरा वायरस का संक्रमण तेजी से अपने पैर पसार रहा है। पिछले एक महीने में 12 बच्चों की मौत की खबर ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। यह वायरस मक्खियों के काटने से फैलता है और वर्तमान में इसके लिए कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। वायरस का संक्रमण मुख्य रूप से गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली और पंचमहल जिलों में देखा गया है।

आर. वैरामुथु ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित तमिल गीतकार और वरिष्ठ लेखक आर. वैरामुथु को सोमवार को यहां 60 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा गया। वैरामुथु को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता करण सिंह ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में 2025 के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। वह यह पुरस्कार पाने वाले तीसरे तमिल लेखक और पहले तमिल कवि बन गए हैं। संयोग से आज उनका 73वाँ जन्मदिन है।

रेलवे बोर्ड ने कैग रिपोर्ट पर सभी जोन से जवाब मांगा

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की उस रिपोर्ट पर सभी जोन से विस्तृत जवाब मांगा है, जिसमें ट्रेन में साफ-सफाई संबंधी कई कमियों का जिक्र किया गया है। अगस्त 2025 में संसद में पेश 'भारतीय रेलवे में लंबी दूरी की ट्रेन में स्वच्छता' शीर्षक वाली रिपोर्ट में न सिर्फ ट्रेन में साफ-सफाई की खराब स्थिति को उजागर किया गया है, बल्कि कई मुद्दों पर रेलवे की ओर से दिए गए जवाब पर असंतोष भी जताया गया है।

मुरैना और पुणे में सड़क हादसों में छह तीर्थयात्रियों की मौत

मुरैना/पुणे। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में सोमवार को एक पत्थर लोड ट्रैक्टर-ट्रॉली ने श्रद्धालुओं से भरे ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला और ऑटो चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो साल की मासूम सहित पांच लोग घायल हो गए। वहीं पुणे जिले में सासवड-जेजुरी रोड स्थित बेलसर टोल बूथ के पास सोमवार को सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने 7 तीर्थयात्रियों को कुचल दिया। इस घटना में 3 महिला वारकरियों की मौत हो गई जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पाक में आतंकी हमले, 3 पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अलग-अलग आतंकी हमलों में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, टैंक-कजीरिस्तान मुख्य मार्ग पर मशाह जान बंगले के पास पुलिस के एक बख्तरबंद गए वाहन को लक्ष्य कर किए 'आईईडी' विस्फोट में एक एएसआई समेत दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है।

एनआईए अधिनियम की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से चार हफ्ते में मांगा जवाब

मामला अत्यंत महत्वपूर्ण, छह सप्ताह बाद होगी अगली सुनवाईः शीर्ष अदालत

» अनुच्छेद-14 के उल्लंघन और विधायी अधिकार क्षेत्र पर उठे सवाल

केंद्र को चार सप्ताह का समय

नई दिल्ली

राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) अधिनियम, 2008 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिका में उठाए गए मुद्दे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनका संबंध न केवल संविधान की मूल भावना से है, बल्कि संघीय ढांचे, केंद्र और राज्यों के अधिकारों तथा आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच व्यवस्था से भी है। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद एक बार फिर एनआईए अधिनियम को लेकर कानूनी और संवैधानिक बहस तेज हो गई है। अदालत अब केंद्र सरकार के जवाब के बाद मामले की विस्तृत सुनवाई करेगी, जिससे भविष्य में इस कानून की संवैधानिक स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सामने आ सकता है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि याचिका में उठाए गए प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अदालत का मानना है कि इस मामले में केवल एक कानून की वैधता का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह संविधान की व्याख्या, संघीय व्यवस्था और नागरिकों के समान अधिकारों से भी जुड़ा हुआ विषय है।

मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि सरकार को अपना विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय चाहिए। इस पर अदालत ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह का समय देते हुए काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि केंद्र का जवाब मिलने के बाद याचिकाकर्ता यदि चाहें तो दो सप्ताह के भीतर अपना प्रत्युत्तर दाखिल कर सकते हैं। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले को छह सप्ताह बाद अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

यदि अदालत इस मामले में विस्तृत सुनवाई करती है, तो उसका प्रभाव भविष्य में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों के बंटवारे तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच प्रक्रिया पर भी पड़ सकता है। हालांकि इस दावे पर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट की विस्तृत सुनवाई के बाद ही होगा। याचिका का एक महत्वपूर्ण पक्ष संविधान की सातवीं अनुसूची से जुड़ा है। इसमें कहा गया है कि पुलिस राज्य सूची का विषय है और सामान्य परिस्थितियों में कानून-व्यवस्था तथा अपराधों की जांच का अधिकार राज्यों के पास होता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि एनआईए अधिनियम के माध्यम से केंद्र सरकार को ऐसे अधिकार दिए गए हैं, जिनसे वह राज्यों की सहमति के बिना भी कुछ मामलों की जांच राष्ट्रीय एजेंसी को सौंप सकती है। इस प्रावधान के अनुसार यदि केंद्र सरकार को यह प्रतीत होता है कि कोई अनुसूचित अपराध हुआ है और उसकी जांच एनआईए द्वारा की जानी चाहिए, तो वह एजेंसी को सीधे जांच का निर्देश दे सकती है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यही प्रावधान राज्यों के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप का आधार बनता है। उनका तर्क है कि इससे संघीय ढांचे का संतुलन प्रभावित होता है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार का पक्ष यह रहा है कि आतंकवाद जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अपराध राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं होते, इसलिए ऐसे मामलों में केंद्रीय एजेंसी को अधिकार देना आवश्यक है। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी अधिनियम, 2008 संसद द्वारा 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के बाद पारित किया गया था। उस समय देश ने महसूस किया कि आतंकवाद जैसे संगठित और अंतरराज्यीय अपराधों से निपटने के लिए एक विशेष केंद्रीय जांच एजेंसी की आवश्यकता है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) अधिनियम, 2008 की संवैधानिक वैधता से जुड़ा है। याचिका में दावा किया गया है कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करता है और केंद्र सरकार को ऐसे अधिकार देता है जो संविधान के संघीय ढांचे की भावना के अनुरूप नहीं हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया है कि एनआईए अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किया जाए। उनका कहना है कि कानून के कुछ प्रावधान केंद्र सरकार को राज्यों के अधिकार क्षेत्र में सीधे हस्तक्षेप करने की अनुमति देते हैं, जबकि संविधान के अनुसार पुलिस और कानून-व्यवस्था राज्य सूची के विषय हैं।

याचिका में अनुच्छेद-14 का हवाला

याचिका में कहा गया है कि एनआईए अधिनियम संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद-14 प्रत्येक नागरिक को कानून के समक्ष समानता और समान संरक्षण का अधिकार देता है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि अधिनियम के कुछ प्रावधान मनमाने ढंग से केंद्र सरकार को विशेष अधिकार प्रदान करते हैं, जिससे समानता के संवैधानिक सिद्धांत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

पहले भी जारी हुआ था नोटिस

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने अदालत को बताया कि इस मामले में 21 अप्रैल को ही नोटिस जारी किया जा चुका था। उस समय सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) तथा अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा था। हालांकि केंद्र सरकार ने उस समय विस्तृत जवाब दाखिल नहीं किया था। अब अदालत ने स्पष्ट समय-सीमा तय करते हुए सरकार को चार सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है।

सुरक्षित और समान दुनिया हमारा लक्ष्य: जयशंकर

नई दिल्ली

भारत ने वर्ष 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अस्थायी सदस्यता के लिए औपचारिक रूप से अपनी दावेदारी पेश कर दी है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत एक सुरक्षित, समान और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है और ऐसे समय में सहयोग, शांति और बहुपक्षवाद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने भारत की 'शांति' (एसअठ्ठक) पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह पहल वैश्विक स्तर पर सहयोग, स्थिरता और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की भारत की सोच को दर्शाती है। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसे प्रयासों की आवश्यकता है, जो संघर्ष के बजाय विश्वास और साझेदारी को मजबूत करें। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा ऐसी वैश्विक व्यवस्था का समर्थन करता रहा है, जहां सभी देशों को समान अवसर और सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की जरूरत है, ताकि वे वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकें। भारत इससे पहले भी कई बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य रह चुका है और

जयशंकर ने रखा भारत का दृष्टिकोण

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया विरोधाभासों के दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के जरिए मानव कल्याण की अपार संभावनाएं हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत इन चुनौतियों का समाधान संवाद, सहयोग और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के माध्यम से तलाशने का पक्षधर है।

वैश्विक शांति, आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई, जलवायु परिवर्तन, समुद्री सुरक्षा तथा विकासशील देशों के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार और स्थायी सदस्यता के विस्तार की भी वकालत करता रहा है। भारत की 2028-29 की उम्मीदवारी को लेकर आने वाले समय में विभिन्न देशों से समर्थन जुटाने के प्रयास तेज होंगे।

पीओके में हिंसा पर भारत का पाकिस्तान को कड़ा संदेश, बोला-

शोषण और दमन का नतीजा हैं जनआंदोलन

रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग में छह की मौत, नई दिल्ली ने मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए इस्लामाबाद को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में लगातार जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर भारत ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पीओके में उभर रहा जनआक्रोश किसी बाहरी कारण का परिणाम नहीं, बल्कि पाकिस्तान के दशकों पुराने अवैध कब्जे, राजनीतिक शोषण, प्रशासनिक दमन और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लगातार उल्लंघन का नतीजा है। भारत ने कहा कि स्थानीय लोगों की जायज मांगों को सुनने के बजाय पाकिस्तान दमन और हिंसा का सहारा ले रहा है, जिसके लिए वही पूरी तरह जिम्मेदार है।

भारत की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब पीओके के रावलकोट क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कथित फायरिंग में छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और बढ़ गया है तथा कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन तेज होने की खबरें सामने आई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में चल रहे विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान की वर्षों पुरानी नीतियों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि वहां के नागरिक लगातार राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक शोषण और प्रशासनिक दमन का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की वास्तविक शिकायतों का समाधान करने के बजाय पाकिस्तानी प्रशासन ने बल प्रयोग का रास्ता चुना है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ कठोर कार्रवाई, इंटरनेट सेवाओं को बंद करना, भोजन और दवाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं पर रोक लगाना तथा निहत्थे नागरिकों के खिलाफ घातक बल का इस्तेमाल मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। भारत ने कहा कि इन घटनाओं के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। भारत ने कहा कि पीओके में नागरिक स्वतंत्रताओं पर लगातार अंकुश लगाया जा रहा है, इंटरनेट सेवाओं पर रोक, आवाजाही पर प्रतिबंध और विरोध प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि वहां लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान नहीं किया जा रहा।

रावलकोट में हिंसा के बाद बढ़ा तनाव

मंगलवार को रावलकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल के निकट बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारी क्षेत्र से सेना की मौजूदगी कम करने, इंटरनेट सेवाएं बहाल करने और नागरिक अधिकारों की बहाली जैसी मांगें उठा रहे थे। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने बल प्रयोग किया। हालात बिगड़ने पर गोलीबारी हुई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल बताए गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ और अधिक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। कई इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

मानसून सत्र में बदलेगा लोकसभा का सियासी नक्शा, सांसदों की बैठने की व्यवस्था होगी नई

नई दिल्ली

संसद के आगामी मानसून सत्र में लोकसभा का राजनीतिक परिदृश्य पहले की तुलना में काफी बदला हुआ नजर आएगा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (यूबीटी) में हुई टूट तथा द्रमुक के विपक्षी गठबंधन से अलग होने के बाद सदन में सांसदों की बैठने की व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। इन राजनीतिक घटनाक्रमों का असर सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की सीटों पर दिखाई देगा। सूत्रों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए 20 सांसदों के समूह को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के रूप में मान्यता दिए जाने की संभावना है। मान्यता मिलने के बाद यह समूह सत्ता पक्ष के साथ बैठेगा। इससे लोकसभा में सत्ता पक्ष की संख्या और प्रभाव दोनों बढ़ते नजर आएंगे। सिर्फ टीएमसी ही नहीं, शिवसेना (यूबीटी) से अलग हुए छह सांसदों की बैठने की व्यवस्था में भी बदलाव होगा। इन सांसदों को भी सत्ता पक्ष की ओर स्थान दिया जाएगा।

मंदिर विवादः शीर्ष न्यायालय का प्रस्ताव दोनों पक्षों ने ठुकराया

नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय की ओर से बातचीत के जरिये देश में मंदिरों के तीन बड़े विवाद सुलझाने की पहल विफल हो गई है। हिन्दू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने इस पहल को अस्वीकार कर दिया है। दोनों पक्षों ने उच्चतम न्यायालय की इस पहल को अस्वीकार करते हुए कहा है कि ये विवाद का समाधान केवल न्यायिक प्रक्रिया और कानूनी फैसले के जरिये ही चाहते हैं।

दरअसल, उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने समाधान समारोह 2026 के तहत सहमति आधारित विवाद निपटारे की पहल की है। इसी पहल के तहत उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी के ज्ञानवापी, मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद के विवादों को सुलझाने की पहल करते हुए दोनों पक्षों को बातचीत में शामिल होने का आग्रह किया था, लेकिन दोनों पक्षों का कहना है कि इन विवादों में महत्वपूर्ण कानूनी और संवैधानिक प्रश्न जुड़े हैं। ऐसे में इनका समाधान केवल कोर्ट के फैसले से ही संभव है। ज्ञानवापी मामले में हिन्दू पक्ष का दावा है कि मस्जिद का निर्माण प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर के अवशेषों पर हुआ था।

आतंकियों के महिमामंडन में तीन प्रकाशक गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेताओं का महिमामंडन करने वाली पुस्तकों के प्रकाशन और प्रसार के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट ने प्रकाशन कंपनियों से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

मदरसा कर्मचारियों की वेतन याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मान्यता प्राप्त मदरसों के लगभग 350 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने राज्य की अनुदान सहायता योजना के तहत वेतन देने की मांग की थी। इसी बीच पश्चिम बंगाल में सत्ता संभालने के कुछ दिनों बाद शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सोमवार को धार्मिक आधार पर दी जा रही सहायता योजनाओं को समाप्त करने का फैसला किया है।

बैंकॉक में हादसा : पब में लगी आग 27 लोगों की मौत, 63 हुए घायल

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के चटुचक स्थित एक पब में रविवार देर रात आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हो गए। अधिकांश लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। जानकारी के अनुसार थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्टेज के पास लगे सर्किट ब्रेकर से पहले धुआं निकला, इसके बाद बिजली गुल हो गई और फिर जोरदार धमाका हुआ।

नगालैंड में आईईडी धमाका, असम राइफल्स का जवान बलिदान

कोहिमा। नगालैंड में शोखुवी-चुमौकेदिमा रोड पर संदिग्ध आईईडी धमाके में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया और चार अन्य घायल हो गए। कोहिमा में डिफेंस पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर ने बताया कि धमाका सोमवार को नगालैंड के चुमौकेदिमा जिले में सुखोवी के पास हुआ। यहां असम राइफल्स का एक बड़ा ट्रेनिंग सेंटर है। पहले से लगाए गए आईईडी ने असम राइफल्स की गाड़ियों के काफिले को निशाना बनाया, जब सुरक्षाकर्मी रुटीन मूवमेंट के तहत उस इलाके से गुजर रहे थे।

भारत-अमेरिका ने सामरिक व सांस्कृतिक साझेदारी को मजबूत किया

सुदर्शनी पोत ने 'ग्रैंड परेड ऑफ सेल्स' में दिखाई ताकत

■ प्रशिक्षण पोत कैसल द्वीप सहित प्रमुख स्थलों से गुजरने के बाद बोस्टन फिश पियर पर आकर रुकी

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी अमेरिका की आजादी के 250वें जश्न में हिस्सा लेने के बाद बोस्टन पहुंच गया है।

पोत ने सेल बोस्टन के शुभारंभ पर भारतीय तिरंगे को शान से लहराते हुए 'ग्रैंड परेड ऑफ सेल्स' में भाग लिया। प्रशिक्षण पोत कैसल द्वीप और सीपोर्ट डिस्ट्रिक्ट सहित प्रमुख स्थलों से गुजरने के बाद अंत में बोस्टन फिश पियर पर आ कर रुकी। बोस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत रघुराम शास्त्री ने ग्रैंड परेड ऑफ सेल्स में भाग लिया तथा बोस्टन में पोत के औपचारिक प्रवेश के लिए आईएनएस सुदर्शनी पर सवार हुए। आईएनएस सुदर्शनी ने 20 से अधिक देशों के 60 से अधिक विशाल जहाजों के अंतरराष्ट्रीय बेड़े में शामिल होकर समुद्री अभियान के दौरान सद्भावना के समुद्री राजदूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। समुद्री कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय सद्भावना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए यह पोत 15 जुलाई तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा।

भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित किया

अमेरिका के नॉरफॉक, बाल्टीमोर और न्यूयॉर्क में सफल पोर्ट कॉल के बाद आईएनएस सुदर्शनी की सेल बोस्टन-2026 में भागीदारी भारत-अमेरिका की बढ़ती समुद्री साझेदारी को और मजबूत कर रही है। भारतीय पोत सुदर्शनी ने वैश्विक मंच पर भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित किया है। अमेरिका की आजादी का जश्न मनाने के लिए 250वीं सालगिरह के मौके पर अंतर्राष्ट्रीय नौसेना समीक्षा में इंडियन नेवल सेल ट्रेनिंग शिप (एसटीएस) आईएनएस सुदर्शनी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस एसटीएस ने महासागरीय पार अभियान के तहत न्यूयॉर्क का पोर्ट कॉल पूरा करके भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को दिखाया है। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच सामरिक एवं सांस्कृतिक साझेदारी को और मजबूत किया है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष की चपेट में भारतीय, मार्च से 13 की मौत

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष का असर भारतीय नागरिकों पर भी लगातार बढ़ता जा रहा है। मार्च 2026 से अब तक खाड़ी क्षेत्र में हिंसा और सैन्य घटनाओं के दौरान 13 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन अन्य अब भी लापता हैं। हालिया हमले में होर्मुज स्टेट के पास दो वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया गया, जिसमें एक भारतीय नाविक की जान चली गई और 10 अन्य भारतीय घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई गई है। ईरान के उप-राजदूत को किया तलब घटना के बाद भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित ईरान के उप-राजदूत (डीसीएम) को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों और समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए ईरान से ऐसे हमलों को रोकने और भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

पिछले 48 घंटे में तीन भारतीयों की मौत

सरकारी सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ती हिंसा के बीच पिछले 48 घंटों में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हुई है। मार्च 2026 से अब तक कुल 13 भारतीय अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि तीन लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इसके अलावा दर्जनों भारतीय विभिन्न घटनाओं में घायल हुए हैं।

युवक ने लगाया जानलेवा हमले का आरोप, एसएसपी से सुरक्षा और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। आंवला तहसील क्षेत्र के ग्राम राजूपुर निवासी एक युवक ने कुछ लोगों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने चाकू और तमंचे के बल पर उसकी हत्या का प्रयास किया। किसी तरह मौके से भागकर उसने अपनी जान बचाई। युवक ने खुद को जान का खतरा बताते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है। पीड़ित प्रेम शंकर, निवासी ग्राम एवं पोस्ट राजूपुर, तहसील आंवला ने बताया कि 13 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे वह चांदपुर की ओर से लौट रहे थे। रास्ते में गांव की एक समोसे की दुकान पर रुक गए। उनके साथी दुकान के अंदर चले गए, जबकि वह बाहर खड़े थे। इसी दौरान आरोप है कि अजय प्रताप उर्फ भोलू और उसके पिता विराज सिंह मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे। पीड़ित का आरोप है कि शिवम प्रजापति ने फोन कर उन्हें बुलाया था। प्रेम शंकर का आरोप है कि दोनों ने आते ही चाकू से उन पर हमला कर दिया और गर्दन पर वार कर हत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने बचाव में हाथ आगे कर दिया, जिससे हाथ में गंभीर चोट लग गई। इसके बाद दोबारा किए गए वार से उनकी नाक और सीने में भी चोट आई। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपियों के पास तमंचा भी था और वह गोली मारने की तैयारी में थे, लेकिन वह किसी तरह मौके से भागने में सफल रहे।

एसएसपी कार्यालय के बाहर महिला ने की आत्मदाह की कोशिश, मचा हड़कंप

बहेड़ी की महिला ने खुद पर डीजल उड़ेला, पुलिस की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

जागरण मोर्चा कार्यालय

केस से किसी के नाम हटाए नहीं गए हैं कार्यवाही चल रही है महिला ने ऐसा कियूं किया है कह नहीं सकता। मैं देखता हूँ।
–दिनेश कुमार, थाना अध्यक्ष बहेड़ी

बरेली। एसएसपी कार्यालय परिसर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी में बदल गया, जब बहेड़ी थाना क्षेत्र की एक महिला ने न्याय न मिलने से क्षुब्ध होकर आत्मदाह का प्रयास कर दिया। महिला अपने साथ डीजल से भरा डिब्बा लेकर पहुंची और अचानक खुद पर डीजल उड़ेल लिया। इससे पहले कि वह आग लगा पाती, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने फुर्ती दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पुलिस की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद पुलिस कार्यालय में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया और अधिकारियों ने तत्काल महिला को अपने संरक्षण में ले लिया। महिला की पहचान मीना देवी पत्नी गनपत सिंह, निवासी ग्राम उल्हैतापुर, थाना बहेड़ी के रूप में हुई है। उसे पहले एसपी साउथ अंशिका वर्मा के कार्यालय ले जाया गया, जहां अधिकारियों ने उसकी पूरी शिकायत सुनी। इसके बाद महिला को महिला थाना पुलिस के सुपुर्द कर एहतियातन जिला अस्पताल भेज दिया गया। मीना देवी ने बताया कि 4 मार्च 2026 की रात गांव में डीजे के पास हुए विवाद के दौरान उनके बेटे अभिजीत के साथ मारपीट की गई। जब वह बीच-बचाव के लिए पहुंचीं तो आरोप है कि अजय पाल, संजय, सचिन और अन्य लोगों ने उन्हें पकड़कर बेल्ट से पीटा तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। शोर सुनकर ग्रामीण पहुंचे तो किसी तरह उन्हें आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया गया। महिला का आरोप है कि घटना के दौरान उनके बेटे के साथ भी मारपीट हुई और आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि उसने कई बार बहेड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई के बजाय विवेचना के दौरान तीन आरोपियों के नाम ही हटा दिए गए। महिला ने संबंधित विवेचक पर आरोप लगाया कि वह शिकायत सुनने के बजाय डांटकर भगा देते हैं और आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। लगातार मिल रही धमकियों और कार्रवाई न होने से परेशान होकर उसने पुलिस कार्यालय पहुंचकर आत्मदाह जैसा कदम उठाने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। संबंधित प्रकरण की समीक्षा कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिसकर्मियों की तत्परता से समय रहते महिला को बचा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

कार सवार चार युवकों ने ऑटो चालक पर किया धारधार हथियार से हमला

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र में मामूली वाहन टकराने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सुभाषनगर पुलिया के पास कार और ऑटो के बीच टक्कर होने के बाद कार सवार चार युवकों ने कथित रूप से ऑटो चालक की पिटाई कर दी। आरोप है कि इनमें से एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर चालक को घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, सराय निवासी मोहम्मद फ़ईम पुत्र अब्दुल रशीद ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मंगलवार सुबह वह सवारी छोड़कर सुभाषनगर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिया के पास उनकी ऑटो एक कार से टच हो गई। आरोप है कि कार में सवार चार युवक गाड़ी से उतर आए और गाली-गलौज के बाद फ़ईम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद घायल फ़ईम ने थाना सुभाषनगर पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराकर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी

कांवड़ यात्रा व आषाढ़ अमावस्या स्नान को लेकर कछला घाट का निरीक्षण

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। आगामी आषाढ़ अमावस्या गंगा स्नान पर्व और श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए रविवार को बरेली परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी एवं मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी ने कछला गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा में डीजे की ऊंचाई 12 फीट, चौड़ाई 10 फीट और ध्वनि सीमा 75 डेसीबल से अधिक नहीं होगी। केवल धार्मिक और देशभक्ति गीत ही बजाए जाएंगे। 27 जुलाई से मुख्य कांवड़ मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा तथा ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पूरे कांवड़ मार्ग पर सीसीटीवी, आईपी कैमरे और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। घाटों पर पीएसी, एसडीआरएफ, गोताखोर, नाव और लाइफ जैकेट की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। कांवड़ शिविरों में अग्निशमन यंत्र, महिला श्रद्धालुओं के लिए अलग शौचालय और विश्राम कक्ष उपलब्ध कराए जाएंगे। अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग पर मांस व अंडे की दुकानें बंद रखने, शराब की दुकानों को ढकने तथा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

यामिनी आर्ट गैलरी में कला प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

बरेली। ज्योति ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश द्वारा युगवीणा लाइब्रेरी स्थित यामिनी आर्ट गैलरी में आयोजित कला प्रतिभा सम्मान प्रदर्शनी का समापन मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रवक्ता मयंक शुक्ला (मोंटी) के द्वारा किया गया मुख्य अतिथि के द्वारा विभा वैद्य के द्वारा बनाई गई "पिघलती पहचान" को सराहा गया। इस पेंटिंग में मनुष्य बाहरी स्वरूप को छोड़ के वास्तविक पहचान को दर्शाया है आज अंतिम दिन दर्शकों की काफी भीड़ रही इस अवसर पर रोशनी गौड़, रुचि दिवाकर, हरिप्रिया नरसिम्हन, आलोक पवार, श्रेय भारद्वाज, पलक सूरी, गरिमा सिंह, अनमोल शंखधार, चरितार्थ शर्मा मनीषा भारती, श्रेया गट्टानी, नव्या आनंद, पलक सिंह एवम् ज्योति ललित कला अकादमी बरेली के पदाधिकारी संस्थापक उमेश चंद्र, अध्यक्ष परमानन्द, उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण,आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव के खिलाफ कथित फर्जी पोस्ट का मामला गरमाया

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित किए जाने का मामला अब पुलिस तक पहुंच गया है। समाजवादी अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता श्यामवीर सिंह यादव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर सक्रिय संबंधित अकाउंट संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव के संबंध में फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो और आधारहीन पोस्ट प्रसारित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य समाजवादी पार्टी की छवि धूमिल करना, जनता को भ्रमित करना और राजनीतिक वैमनस्य का माहौल तैयार करना है। समाजवादी अधिवक्ता सभा ने अपने प्रार्थना पत्र में कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स का उल्लेख करते हुए कहा है कि कई फर्जी प्रोफाइल अपनी पहचान छिपाकर लगातार आपत्तिजनक सामग्री साझा कर रहे हैं। संगठन ने पुलिस से इन अकाउंट्स की तकनीकी जांच कर वास्तविक संचालकों की पहचान करने और उनके खिलाफ आईटी एक्ट व अन्य प्रासंगिक धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष श्यामवीर सिंह यादव ने कहा कि इस प्रकार की भ्रामक सामग्री से पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर ली है और छह दिन के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने के दौरान जहागीर बेग, उमाशंकर यादव, रामसेवक, यशवीर सिंह यादव, अनिल कुमार कटियार, श्वेता शर्मा, मोहम्मद हनीफ, मोहम्मद कासिम इदरीसी, प्रतीक यादव, सुभाष चंद्र गुर्जर, राजेंद्र यादव, इंतजार अली, आरिफ इदरीसी, अवधेश गुर्जर, शादाब अल्वी समेत समाजवादी अधिवक्ता सभा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीआरएम ने इज्जतनगर-रामनगर रेलखंड का किया निरीक्षण

बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा ने मंगलवार को शाखा अधिकारियों के साथ इज्जतनगर–रामनगर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग के माध्यम से संरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं और विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम पंतनगर रेलवे स्टेशन पहुंचीं, जहां उन्होंने स्टेशन परिसर, स्वच्छता व्यवस्था और यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन के बेहतर रखरखाव और सुविधाओं के निरंतर उन्नयन पर जोर दिया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

बरेली सिटी से 'जागरण मोर्चा' को चाहिए ऊजार्वान पत्रकार!

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक 'जागरण मोर्चा' बरेली शहर, तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार संकलन के लिए निष्पक्ष, साहसी और ऊजार्वान संवाददाताओं (पत्रकारों) की आवश्यकता है।

संपर्क सूत्र: 7579849555, 9627739857

मिलने का समय: दोपहर 12 से शाम 06 बजे तक

कार्यालय का पता: सी-86, चन्द्रपुरी, प्रेम नगर (बी-बाजार के सामने), बरेली, उत्तर प्रदेश।

साइबर ठगी में बैंक खाताधारक पर शिकंजा, 50 हजार के संदिग्ध ट्रांजैक्शन पर मुकदमा दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

- भोजीपुरा पुलिस की कार्रवाई, महाराष्ट्र से दर्ज शिकायत के बाद खुली परतें

बरेली। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भोजीपुरा पुलिस ने एक बैंक खाताधारक के खिलाफ साइबर ठगी में इस्तेमाल होने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। जांच में खाते में 50 हजार रुपये के संदिग्ध लेनदेन का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई को साइबर टीम को सूचना मिली थी कि कुछ बैंक खातों का उपयोग ऑनलाइन ठगी में किया जा रहा है। जांच के दौरान अभयपुर केशोपुर निवासी छोटे खान पुत्र अली जान खान का बैंक खाता संदेह के घेरे में आया। बैंक खाते की जांच में करीब 50 हजार रुपये का संदिग्ध लेनदेन मिला। साथ ही नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर महाराष्ट्र के अमरावती से इस खाते के संबंध में शिकायत भी दर्ज पाई गई। इसके बाद पुलिस ने खाते के लेनदेन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी। उपनिरीक्षक तनवेश कुमार की तहरीर पर थाना भोजीपुरा में बीएनएस की धारा 318(4) तथा आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अब बैंकिंग रिकॉर्ड और डिजिटल ट्रेल खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस खाते के माध्यम से कितने लोगों के साथ साइबर ठगी की गई है और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या मोबाइल नंबर इस्तेमाल करने के लिए न दें। ऐसा करने पर खाताधारक भी साइबर अपराध में बराबर का आरोपी माना जाएगा और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार बनी काल: हाईवे पर डीसीएम से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। शाहजहांपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर चौकी के पास तेज गति से जा रही बाइक आगे चल रहे डीसीएम वाहन से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान अमित सक्सेना और बबलू, निवासी गांव रजऊ परसपुर के रूप में हुई है। घायल सीमा, अमित की पत्नी हैं। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर बरेली के एक निजी अस्पताल जा रहे थे, जहां अमित की बुआ हृदयाघात के बाद भर्ती थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रांसपोर्ट नगर चौकी के निकट अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह आगे चल रहे डीसीएम के पिछले हिस्से से जा टकराई। जोरदार टक्कर के कारण दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। परिजनों ने बताया कि अमित और बबलू हिमाचल प्रदेश में मजदूरी का कार्य करते थे और कुछ दिन पहले ही गांव लौटे थे। परिवार में बीमार रिश्तेदार का हाल जानने निकले दोनों युवकों की रास्ते में ही मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। बिथरी चैनपुर पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और डीसीएम को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद डीसीएम चाल पैके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही भिक जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रॉन्ग साइड से आई कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, पांचवीं की छात्रा गंभीर घायल

जागरण मोर्चा कार्यालय

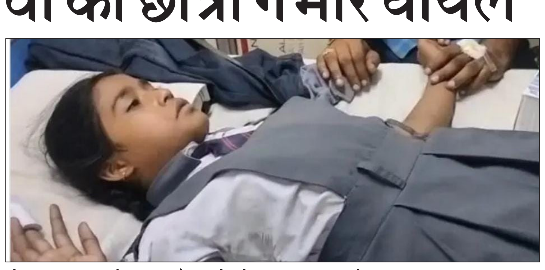

बरेली। शहर में रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार कार चलाने की लापरवाही एक मासूम छात्रा पर भारी पड़ गई। मंगलवार दोपहर स्कूल से घर लौट रहे स्कूटी सवार पिता-पुत्री को एक कार ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके पिता भी चोटिल हुए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और घायल बच्ची को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, खुशी सीबीगंज स्थित एक निजी स्कूल में कक्षा पांच की छात्रा है। मंगलवार को उसके पिता उसे स्कूल से लेकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे इनकम टैक्स ऑफिस भवन के पास पहुंचे, तभी रामपुर बाग की ओर से रॉन्ग साइड आ रही तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में छात्रा खुशी के एक पैर और कंधे (शोल्डर) में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। उसे तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। बताया गया है कि छात्रा की मां सावित्री देवी विद्युत विभाग में कर्मचारी हैं। परिवार सिविल लाइंस क्षेत्र की हाइडिल कॉलोनी में रहता है। घटना की सूचना परिजनों ने कोतवाली पुलिस को दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना करने वाली कार तथा उसके चालक की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की तैयारी में जुटी है।

केंद्रीय मंत्री के दरबार से क्विक रेस्पॉन्स, विद्युत व्यवस्था में सुधार के त्वरित आदेश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बहेड़ी। जर्जर लाइन पर झूल रहे तारों के चलते बिजली आपूर्ति में आए दिन पैदा हो रहे संकट से निजात पाने को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष द्वारा स्थानीय सांसद तथा केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद से की गई लिखित शिकायत रंग लाई। केंद्रीय मंत्री के दरबार में संज्ञान लिए जाने के, सप्ताहांत में ही समस्या निस्तारण के लिए बिजली विभाग के संबंधित जिम्मेदार को आदेश जारी कर दिया गया।

मालूम हो कि, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष रितेंद्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री को पत्र भेज कर गांव अकबराबाद से सीकरी तक जर्जर लाइन तथा दूरस्थ भुड़िया फीडर के बजाय सीकरी विद्युत लाइन को बहेड़ी फीडर से जोड़े जाने की मांग बीती दो जुलाई को की थी। मांग पत्र पर फौरी तौर पर संज्ञान लिया गया और केंद्रीय मंत्री के अपर निजी सचिव कुणाल प्रताप सिंह की ओर से गुजरी नौ जुलाई को मध्यांचल विद्युत बितरण निगम के अधीक्षण अभियंता को सूचना देकर व्यवस्था में सुधार किए जाने का आदेश जारी कर दिया। साथ ही इसकी सूचना मांग कर्ता को भी दे दी गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के तेजी से बढ़ते अखबार जागरण मोर्चा को मुरादाबाद मंडल और जिला रामपुर में रिपोर्टरों और एजेंसी के लिए लोगों की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त विज्ञापन एंव अखबार के लिए संपर्क करें।

मोबाइल नंबर- 7906815587, 9758444242

टीम से अभद्रता, सरकारी कार्य में बाधा डालने पर अनुबंध निलंबित

उचित दर विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी, मची खलबली

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर जनपद में माह जुलाई के सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की सतत निगरानी एवं निरीक्षण अभियान के दौरान नगर क्षेत्र की एक उचित दर दुकान पर गंभीर अनियमित्ताएं एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आने पर जिला पूर्ति अधिकारी पूरन सिंह चौहान के निर्देशन में विभाग द्वारा कठोर कार्रवाई की गई है।

जिला पूर्ति अधिकारी पूरन सिंह चौहान ने बताया कि क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षक की संयुक्त जांच टीम ने 12, 13 जुलाई को मोहल्ला बजरिया मुल्ला जरीफ, नगर पालिका परिषद स्थित उचित दर विक्रेता सैयद आफताब अली की दुकान का निरीक्षण किया। प्रथम निरीक्षण के दौरान दुकान बंद मिली। सूचना दिए जाने के बावजूद विक्रेता जांच के लिए उपस्थित नहीं हुए। अगले दिन दोबारा निरीक्षण के दौरान विक्रेता ने जांच टीम के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया। अपनी

कथित ऊंची पहुंच का हवाला देकर जांच रोकने का प्रयास किया। अधिकारियों को परिणाम भुगतने की धमकी दी। इस दौरान उनके परिवार के सदस्यों द्वारा भी जांच कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सहायता प्राप्त कर निरीक्षण की कार्रवाई पूर्ण कराई गई। निरीक्षण के दौरान दुकान पर स्टॉक एवं रेट बोर्ड, टोल फ्री नंबर, अंत्योदय कार्डधारकों की सूची सहित अन्य अनिवार्य सूचनाएं प्रदर्शित नहीं थीं। स्टॉक रजिस्टर का सक्षम अधिकारी से सत्यापन नहीं कराया गया था। वितरण प्रमाण-पत्र, निरीक्षण पुस्तिका एवं अन्य आवश्यक अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

आफताब की दुकान मदरसा कोहना से संबंद्ध

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इन सभी तथ्यों एवं गंभीर अनियमित्ताओं के आधार पर उचित दर विक्रेता सैयद आफताब अली का अनुबंध तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है तथा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर अनुबंध निरस्त करते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 एवं भारतीय न्याय संहिता-2023 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पात्र कार्ड धारकों को खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए संबंधित उचित दर दुकान को अस्थायी रूप से शबाना खानम, उचित दर विक्रेता, मोहल्ला मदरसा कोहना की दुकान से संबद्ध कर दिया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है। पात्र लाभार्थियों के अधिकारों से खिलवाड़ करने, जांच में सहयोग न करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने अथवा अधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले किसी भी उचित दर विक्रेता के विरुद्ध कठोर विधिक एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दुकान की स्वीकृत चौहद्दी से संबंधित अभिलेख भी नहीं किए प्रस्तुत

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि भौतिक स्टॉक एवं ऑनलाइन एमआईएस रिकॉर्ड के मिलान में 0.86 कुंतल गेहूं अधिक, 1.309 कुंतल चावल कम पाया गया। जिससे खाद्यान्न वितरण में गंभीर अनियमितता की पुष्टि हुई। इसके अतिरिक्त दुकान पर निर्धारित एक के स्थान पर दो ई-वेटिंग मशीनें पाई गईं। जिससे घटतौली की आशंका भी प्रबल हुई। विक्रेता द्वारा जांच के दौरान बयान पर हस्ताक्षर करने से भी इंकार किया गया तथा जांच दल को लगातार धमकाते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई गई। जो आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता-2023 के अंतर्गत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और धमकी देने का आरोप

- मुख्यमंत्री से की शिकायत

जागरण मोर्चा कार्यालय

स्वार। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और सत्ता/रसूख के दम पर अधिकारियों को धमकाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद के करीबी और खुद को उनका भतीजा बताने वाले एक युवक पर ग्राम समाज की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कराने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगा है।

इस संबंध में पीड़ित पूर्व ग्राम प्रधान व प्रशासक पति ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय और निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है।

मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायत पत्र के अनुसार मामला स्वार तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बमना का है। गांव के निवासी और पूर्व ग्राम प्रधान/प्रशासक पति मोहम्मद तौफीक पुत्र सफदर अली ने बताया कि उनके गांव में खसरा संख्या 250/359 बंजर भूमि के रूप में दर्ज है।शासन द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत जब ग्राम प्रशासक पति और हल्का लेखपाल मौके पर पेड़ लगवा रहे थे, तभी खुद को रामपुर के सपा सांसद का भतीजा बताने वाले सुहेल ने दखल दिया।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि सुहेल ने पहले हल्का लेखपाल के मोबाइल नंबर पर फोन करके उन्हें डराया-धमकाया। इसके बाद उसने प्रशासक पति मोहम्मद तौफीक के मोबाइल पर भी फोन कर अंजाम भुगतने की धमकी दी।पीड़ित मोहम्मद तौफीक ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की किसी निष्पक्ष उच्च अधिकारी से जांच कराई जाए। उन्होंने सरकारी भूमि को सुरक्षित करने और खुद को सपा सांसद का भतीजा बताकर धमकाने वाले आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

एक नजर

पेट्रोल पंप कर्मी को मारपीट कर धमकाया

भोट। शहजादनगर थाना क्षेत्र के चमरौआ गांव निवासी मोहम्मद जावेद का भोट थाना क्षेत्र के तराना गांव में किसान सेवा केन्द्र के नाम से पेट्रेल पंप है।लालूनगला गांव निवासी सचिन उनके पंप में काम करता है। पेट्रोल पंप स्वामी ने बताया कि सोमवार शाम छह बजे चमरौआ गांव निवासी वसीम, कैफ, बाबू व एक अज्ञात व्यक्ति मौके पर आ गए। सेल्समैन से पचास हजार रूपये आनलाइन पेमेंट कर कैश की मांग करने लगे।आरोप है कि पंप कर्मी द्वारा द्वारा मालिक से बात करने को कहने पर आरोपी भड़क गए और गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह त्यागी ने बताया कि पेट्रोल पंप स्वामी की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हत्या के मामले में महिला गिरफ्तार

रामपुर। महिला की गला घोटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने हत्यारोपी को पुलिस गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से महिला जेल चली गई। टांडा थाने में महिला की गला दबाकर हत्या करने के मामले में मुनव्वर, अख्तारूल, फैजान, भूरिया, साबरी निवासी ग्राम मिलक सीकमपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने फरार चल रही महिला अख्तारूल पत्नी मुनव्वर निवासी ग्राम मिलक सीकमपुर को उसके मकान से गिरफ्तार करके विधिक कार्रवाई कर दी है। जबकि अन्य आरोपी पहले ही जेल जा चुके हैं।

जमीन कब्जाने के मामले में सुनवाई टली

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। थाना अजीमनगर क्षेत्र के जमीन कब्जाने के अलग-अलग तीनों मुकदमों को एक क्लब करने के लिए मंगलवार को भी सुनवाई टल गई। इस मामले में अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। जबकि बुधवार को दो साल की सजा के खिलाफ चल रही अपील पर सेशन कोर्ट, दो पैन कार्ड मामले में सजा के खिलाफ अपील पर हाइकोर्ट में सुनवाई होगी।

स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए सेशन में मंगलवार को थाना अजीमनगर क्षेत्र की जमीन कब्जाने में नामजद आजम खां पर मुकदमों को क्लब करने के लिए सुनवाई होनी थी।

निचली अदालत का रिकार्ड न आने पर सुनवाई 24 जुलाई तक के लिए टाल दी गई है। बुधवार को दो साल की सजा के खिलाफ दायर की गई अपील पर सुनवाई होगी। जिसमें सरकारी वकील जिरह करेंगे। बचाव पक्ष की बहस पूरी हो चुकी हैं।

हाईकोर्ट में विचाराधीन मामला दिखाकर राजस्व टीम को बैरंग लौटाया

- स्थाई कब्जा हटाने गई टीम को देखते ही मकान की छत पर चढ़ा कब्जाधारक

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। तहसील के सामने तालाब की आराजी पर बने अस्थाई निर्माण को हटाने गई राजस्व टीम को कब्जा धारक ने हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन दिखाते हुए बेरंग लौटा दिया।

मंगलवार को तहसीलदार अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में राजस्व टीम पुलिसबल के साथ तहसील के सामने से अस्थाई कब्जा हटवाने गई थी, इस बीच कब्जा धारक ने हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन बताते हुए राजस्व टीम को बैरंग लौटा दिया। उससे पहले टीम को पहुंचा देख कब्जाधारक मकान की छत पर चढ़ गया। इसको लेकर काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा होता रहा।

तहसीलदार अमित कुमार सिंह ने बताया कि एडवोकेट निधि गोपाल यादव ने प्रार्थना पत्र दिया था कि तहसील के सामने तालाब की भूमि से पूर्व में जो कब्जा हटवाया गया था, उस पर फिर से कब्जा कर लिया गया है।

लेखपाल कानून गौ ने जो रिपोर्ट दी है, उसमें पक्के निर्माण पर 67 की कार्रवाई हो रही है। आगे रास्ते बना हुआ है। शिकायत पर रास्ते से कब्जा हटवाने पहुंचे तो जिस पर अतिक्रमण करने का आरोप है उसने हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन होने की बात बताई है।

कब्जा हटाने गई राजस्व टीम को देखकर छत पर चढ़ा मकान स्वामी, नीचे खड़े तहसीलदार।

रसूखदारों को छोड़, छोटों पर कार्रवाई कर लूटी वाहवाही

- नरपतनगर में हुए अवैध अतिक्रमण की होगी गोपनीय जांच

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। स्वार तहसील के नरपतनगर गांव में अतिक्रमण को लेकर लोक निर्माण विभाग द्वारा अभियान के दौरान रसूखदारों को छोड़, बल्कि छोटे पर कार्रवाई की गई है। यह जानकारी और साथ ही मौके पर हुए अतिक्रमण के फोटो, वीडियो भी एक्सईएन को मिले हैं। इसको लेकर एक्सईएन का कहना है कि इस प्रकरण में गोपनीय तरीके से जांच होगी। जांच में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी।

पिछले दिनों में लोक निर्माण विभाग द्वारा तहसील स्वार के नरपतनगर में अतिक्रमण को लेकर लाल निशान लगाए गए थे। निशान लगने के बाद अभियान चलने से पहले लोगों ने खुद ही स्वयं सामान समेटना शुरू कर दिया था। साथ ही लोगों ने पक्के मकानों, छज्जों पर खुद तोड़कर छिन्न बिन्न कर लिया था। लेकिन एक्सईएन की जानकारी में आया है कि नरपतनगर में अभी भी कुछ ऐसे मकान है जोकि अतिक्रमण की जद में आ रहे हैं। आरोप है विभाग में तैनात कुछ अवर अभियंताओं ने सांठगांठ कर रसूखदारों को क्लीन चिट दे दी हैं। इसको लेकर एक्सईएन ने फोटो, वीडियो आ गए हैं। इसको लेकर एक्सईएन केवी सिंह ने बताया कि इस प्रकरण की गोपनीय जांच होगी।

प्रांतीय खंड कार्यालय, लोनिवि। -जागरण मोर्चा

कानून का पाठ पढ़ाया

रामपुर। मिशन शक्ति फेस - 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंगलवार को जनपद स्तरीय महिला सुरक्षा दल एवं जनपद के सभी थानों से महिला सुरक्षा दल द्वारा व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े आवश्यक उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं हेल्पलाइन सेवाओं 1090 महिला शक्ति हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता तथा घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न तथा इनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया के बारे में बताया। मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं-बालिकाओं को पंपलेट, कॉमिक्स एवं जागरूकता सामग्री वितरित की।

आम के बाग में रातों रात हुआ अवैध कटान

- 100 से अधिक पेड़ों की शाखाएं काटकर ठूंठ बना दिए, समस्त बाग को काटने की थी योजना,

जागरण मोर्चा कार्यालय

टांडा। नगर के रामपुर मार्ग पर स्थित एक आम के बाग में बाग स्वामी द्वारा बिना किसी अनुमति के बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई का प्रयास किया गया। बाग में कुल लगभग 250 आम के पेड़ हैं, जिनमें से 150 से अधिक पेड़ों की मोटी शाखाओं को रातोंरात काट दिया गया। पेड़ों के ऊपरी हिस्से पूरी तरह काटकर सिर्फ मोटे तने और ठूंठ शेष बचा दिए गए।

नगर के मोहल्ला नज्जूपुर निवासी शाहनवाज खां का रामपुर मार्ग पर प्रथम बैंक के पास आम का बाग है। सोमवार की रात बिना अनुमति के हरे फलदार करीब 150 पेड़ों की शाखाओं को काट दिया गया।सूत्रों के अनुसार, पेड़ों के बचे हुए तनों को भी काटने वाले थे, लेकिन सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस की मौजूदगी देखते ही कटाई में लगे लोग फरार हो गए। सूचना मिलते ही डीएफओ ने वन रेंजर राम सिंह को निर्देश दिए। रेंजर राम सिंह ने वन रक्षक अमित कुमार को मौके पर भेजा। टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए कटे पेड़ों की संख्या गिनती की, फोटोग्राफ्स और वीडियो बनाए, कटे पेड़ों की गोलाई नापी।

बाग में काटे गए आम के पेड़।

पेड़ों के ऊपरी हिस्से को पूरी तरह काट दिया गया था, जिससे अब सिर्फ पेड़ों के ठूंठ दिखाई दे रहे हैं।मंगलवार की रात कटाई के दौरान उत्पन्न पेड़ों का मलबा भी मौके से गायब कर दिया गया। वन विभाग ने बाग स्वामी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।लेकिन क्या कार्रवाई की गई।विभाग यह बताने को तैयार नहीं है।गौरतलब है कि उक्त बाग स्वामी पर पहले से ही वन विभाग की भूमि पर अवैध कब्जा करने का मामला दर्ज है।

पेड़ों की मोटी टहनियों के कटान के मामले में स्थानीय स्तर पर वन विभाग के बीट कर्मचारियों समेत अन्य अधिकारियों की मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं, क्योंकि इतनी बड़ी कटाई रातोंरात बिना किसी रोक-टोक के हो सकी। यह घटना पर्यावरण और वन संरक्षण के लिहाज से गंभीर मानी जा रही है। वन विभाग की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि कितनी सख्ती से कार्रवाई की जाती है।

टीबी अस्पताल में ओपीडी सेवा ठप, नहीं मिल रहा परामर्श

- उपचार के लिए इधर से उधर भटक रहे रोगी

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। स्वास्थ्य विभाग के लेटलतीफी के कारण टीबी अस्पताल के रोगियों को उपचार नहीं मिल रहा है वह इधर से उधर भटक रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद भी रोगियों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं।

टीबी रोगियों के उपचार को लेकर प्रधानमंत्री देश में खुद अलख जगा रहे हैं। जिससे रोगियों को उपचार मिले और इस रोग को मात दे सके। क्षय रोग विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद में एक्टिव केसों की संख्या 5042 हैं। मंगलवार को जिला अस्पताल में बने क्षय रोग में आए रोगी चिकित्सक के नहीं होने के कारण इधर से उधर भटकते रहे। ऐसे में विभागीय जिम्मेदार रोगियों के हित में बड़े-बडे दावे किए जाते हैं, लेकिन इन दावों में कितनी हकीकत है क्षय रोग में आकर देखे तो सब मालूम हो जाएगा। जानकारी में आया है कि डॉ.सतवीर का स्वास्थ्य खराब है जिसकी वजह से रोगियों की ओपीडी नहीं हो रही हैं।

जिला क्षय रोग केंद्र। -जागरण मोर्चा

शिविर — सीएमओ, सीएमएस ने किया शिविर का फीता काटकर उदघाटन

जिला अस्पताल में लगे शिविर में 25 से अधिक ने रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। जिला अस्पताल में रक्तदान टीम धमोरा के द्वारा मंगलवार को एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में धमोरा के 25 से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी सी सक्सेना ने फीता काटकर किया।

संयोजक विकल श्रीवास्तव ने कहा कि रक्तदान टीम धमोरा के द्वारा प्रत्येक महीने जिले के विभिन्न ब्लड बैंकों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। जिससे कि जरुरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त यूनिट रक्त संग्रहित करके उनके उपचार में उपयोग किया जा सके। उन्होंने रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह घायल व्यक्तियों की जान बचाने और विभिन्न बीमारियों के दौरान रक्त की आवश्यकता पूरी करने में सहायक है। रक्त के अभाव में लोगों के जीवन पर संकट आ सकता है। राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सुनील यादव ने बताया कि ऐसे में एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन लोगों की जान बचायी जा सकती है। उन्होंने युवाओं से अपील की रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। युवाओं को समाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए ऐसे जनहितकारी कार्यों से जुड़ना चाहिए। रक्तदान टीम धमोरा रक्तदान जागरूकता अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का काम करती है।

रक्तदान करने वालों में आकाश, कमल, अनुज, दिनेश, आरिन्दर ठाकुर, हिमांशु, विशाल, दीपक, शिवम पाल, विशाल यादव, गुरदीप, समीर, सूजल, निखिल, हिलाल, फैजान, दानिश, शाहिद, दानिश सिद्दीकी, दीपू आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित शिविर में खड़े सीएमओ, सीएमएस व अन्य।

जिला अस्पताल सांकेतिक बोर्ड से लैस, रोगियों-तीमारदारों को मिलेगा लाभ

- रोगियों-तीमारदारों को वार्ड में ढूंढने, सुविधाओं का लाभ लेने में होती है दिक्कत

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। जिला अस्पताल में भर्ती रोगियों के तीमारदारों को वार्ड में ढूंढने और अन्य सुविधाओं का लाभ लेने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए अस्पताल प्रशासन ने रोगियों के लिए सांकेतिक बोर्ड लगवाए है जिससे कि रोगियों को तीमारदारों, सुविधाओं का लाभ लेने में किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.बीसी सक्सेना ने बताया कि रजिस्ट्रेशन कक्ष, आथोपैडिक कक्ष, दवा काउंटर, आईपीडी, ओपीडी, एनआरसी, आपरेशन थिएटर, अल्ट्रासाउंड कक्ष, एक्सरे रूम, ब्लड बैंक, आईपीएचएल लैब, प्राइवेट वार्ड, कोल्ड रूम, सर्जिकल स्टॉफ डयूटी रूम, मेडिकल स्टॉफ रूम, कान्फ्रेंस रूम, दंत रोग विभाग और आपरेशन थिएटर समेत अन्य स्थानों पर सांकेतिक बोर्ड लगवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में आए किसी भी रोगी को कोई दिक्कत नहीं आएगी। बल्कि रोगी-तीमारदार अस्पताल में लगे सांकेतिक बोर्डों से आसानी से सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे।

जिला अस्पताल के दंत रोग विभाग के मैन गेट पर लगा सांकेतिक बोर्ड।

50 लाख रूपए खर्च, फिर भी शहरवासियों को नहीं मिली निजात

आवारा कुत्तों ने दो घंटे में नौ लोगों को काटा, अस्पताल में लगवाए इंजेक्शन

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। शहर में आवारा कुत्तों को पकड़वाने के लिए नगर पालिका की ओर से इस बार 50 लाख रुपये की भारी भरकम रकम खर्च की गई है। लेकिन इसके बाद भी शहरवासियों को आवारा कुत्तों से निजात मिली नहीं हैं। बल्कि इनका आतंक दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। इसको लेकर लोगों में काफी भयावक स्थिति हैं।

सोमवार को शाहबाद गेट शाह मुबारक के पीछे शाह जोन कॉलोनी में सोमवार को दो घंटे तक नौ लोगों पर हमलावर हो गए। जिससे लोग बुरी तरह चोटिल हो गए। इन सभी के प्राइवेट चिकित्सक के यहां एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाए। मोहल्लेवासियों का कहना है कि इन आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए जिम्मेदार कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। शहर में आवारा कुत्तों का आंतक बढ़ता जा रहा हैं। इनको पकड़वाने के लिए कई बार सभासद, पालिका के अधिकारियों को बताया गया लेकिन इसके बाद भी इनको नहीं पकड़वाया जा रहा हैं। कॉलोनी में आते-जाते लोग अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पुराना गंज में कुत्तों को पकड़ते पालिका कर्मी।

इन मोहल्लों में है कुत्तों के झुंड

शाहबाद गेट, नवाबगेट, बरेली गेट, मोहल्ला मैगजीन, तीतर वाली पाखड़, जेल रोड,, नालापार, पहाड़ी गेट, पीला तालाब, पक्का पुल, ज्वालानगर, बजरिया खानसमा, तोपखाना समेत अन्य मोहल्लों में कुत्तों के झुंड हैं।

जिला अस्पताल में लगी रहीं कतारें

जिला अस्पताल में सुबह होते ही एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाने वालों की लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। इन दिनों इंजेक्शन लगवाने वालों की संख्या बढ़ी हुई है। जिला अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार रोजाना 40 से 50 लोगों के इंजेक्शन लग रहे हैं।

मंगलवार को वार्ड नंबर 9,11, 46 में कुत्तों का पकड़वाकर नसंबदी कराई गई जोकि आगे भी जारी रहेगा। - **राजीव कुमार बालियान, सेनेटी फूड इंस्पेक्टर, नगर पालिका परिषद।**

जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध, किसान न करें भंडारण

- **कालाबाजारी की शिकायत पर विक्रेता के विरुद्ध होगी कठोर कार्रवाई**

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि जनपद में खरीफ फसलों की आवश्यकता को देखते हुए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धत है किसानों को किसी प्रकार की चिंता अथवा अनावश्यक भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि जनपद में निजी एवं सहकारी क्षेत्र में 17,337 मीट्रिक टन यूरिया, 6,816 मीट्रिक टन एनपीके, 1,723 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 10, 11 जुलाई को क्रमशः इफको की 2,653.29 मीट्रिक टन, कृभको की 1,323 मीट्रिक टन यूरिया की एक-एक रैक जनपद को प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्राप्त यूरिया में से 80 प्रतिशत उर्वरक सहकारी समितियों तथा 20 प्रतिशत निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। जनपद में आवश्यकतानुसार उर्वरकों की नियमित आपूर्ति दी जा रही हैं। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे प्रति हेक्टेयर अधिकतम 7 बैग यूरिया एवं 5 बैग एनपीके की अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही उर्वरक खरीदें तथा अनावश्यक भंडारण से बचें। उन्होंने कहा कि यदि कोई उर्वरक विक्रेता अथवा समिति कालाबाजारी करती है, निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलती है अथवा उर्वरक के साथ कोई अन्य उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य करती है, तो किसान तत्काल अपनी शिकायत 7839882763 अथवा 9458846182 पर दर्ज करा सकते हैं। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सार संक्षेप

बाइक ने साइकिल सवार दंपति को मारी टक्कर

शाहबाद। मंगलवार को शहर के आसफपुर तिराहे के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने साइकिल सवार दंपति को टक्कर मारकर जख्मी कर दिया। हादसे में दोनों लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। जिनको उपचार के लिए सीएचसी शाहबाद में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के नवीगंज गांव निवासी बालकिशन अपनी पत्नी आशा के साथ साइकिल पर सवार होकर किसी काम से शाहबाद आए थे, जैसे ही पति पत्नी शाहबाद के आसफपुर तिराहे के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में बालकिशन और उनकी पत्नी आशा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको उपचार के लिए सीएचसी शाहबाद में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टरों ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण 1 अगस्त से

रामपुर। ग्लोबल सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 1 अगस्त 2026 से जी एम प्लाजा बिल्डिंग सिविल लाइन राधा रोड पर ओबीसी के छात्र छात्राओं के लिए ट्रिपल सी के क्लास लगाए जाएंगे। पिछड़ा वर्ग के सभी छात्र-छात्राओं के लिए जरूरी है कि अपनी हाई स्कूल, इंटर की मार्कशीट के साथ जाति सर्टिफिकेट,आय सर्टिफिकेट,आधार कार्ड, दो फोटो और अपना बायोडाटा ग्लोबल सोशल वेलफेयर सोसाइटी के हेड ऑफिस पर आज ही जमा करें। अध्यक्ष मोहम्मद ज़ुबैर शम्सी ने बताया कि बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए संचालित नि :शुल्क सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। वर्तमान में योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया संचालित है। उन्होंने इस योजना से फायदा उठाना चाहिए।

आयोजित कार्यक्रम में शामिल शहर विधायक की पत्नी व अन्य। -जागरण मोर्चा

सीआरपीएफ की भूमि पर लगाए गए पेड़-पौधे

रामपुर। सामाजिक वानिकी प्रभाग रेंज द्वारा ग्रुप केंद्र केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की भूमि पर वृक्षारोपण महायज्ञ के अंतर्गत ' 'एक पेड़ मां के नाम " का वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आम, अंबाला, जामुन नीम, पीपल, अर्जुन एवं अन्य प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर शहर विधायक की पत्नी, जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार, उप पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफ, गुलाब चन्द्र मुख्य विकास अधिकारी, प्रणव जैन प्रभागीय निदेशक, संजीव जौहरी उप प्रभागीय वनाधिकारी, शिव शंकर यादव क्षेत्रीय वन अधिकारी, ग्रीन वर्ल्ड पर्यावरण फाउंडेशन की अध्यक्ष नीना साहनी, सीआरपीएफ, वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

रामपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए ऑनलाइन स्व-नामांकन की समय-सीमा बढ़ा दी गई है।उन्होंने बताया कि जनपद के प्राइमरी, उच्च प्राथमिक, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं संस्कृत विद्यालयों, उच्च माध्यमिक विद्यालयों, इंटर कॉलेजों, सीबीएसई, सीआईएससीई, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल तथा आदर्श एकलव्य विद्यालयों में कार्यरत पात्र प्रधानाचार्य एवं शिक्षक अब 17 जुलाई तक विभागीय वेबसाइट पर स्व-नामांकन कर सकते हैं।20 जुलाई तक अपने आवेदन को अंतिम रूप देकर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।पूर्व में स्व-नामांकन की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 20 जुलाई कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी पात्र एवं इच्छुक प्रधानाचार्य एवं शिक्षक भारत सरकार के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए विभागीय वेबसाइट पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपना ऑनलाइन आवेदन पूर्ण कर सकते हैं।

क्षेत्र में पैदल गश्त करते सीओ। -जागरण मोर्चा

मंदिरों का किया निरीक्षण

रामपुर। क्षेत्राधिकारी टांडा द्वारा प्रभारी निरीक्षक थाना टाण्डा के साथ थाना टाण्डा क्षेत्रान्तर्गत बादली एवं मरी मन्दिर पर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत निरीक्षण किया। उसके बाद निरीक्षण क्षेत्राधिकारी टांडा द्वारा अपराध नियन्त्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था, आमजन मानस में सुरक्षा भावना जाग्रत करने एवं आगामी त्यौहारो के दृष्टिगत थाना टाण्डा क्षेत्रान्तर्गत मुख्य मार्गों, भीड़ भाड़ वाले स्थानो एवं बाज़ार में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की।

बैठक के दौरान मौजूद अधिकारी -जागरण मोर्चा

क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों की बैठक हुई

रामपुर। जिले में जेडएफजी बनाने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी यातायात ने क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें कार्यरत सभी सात क्रिटिकल कॉरिडोर मौजूद रही। गोष्ठी के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को न्यूनतम करने तथा दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की समयबद्ध सहायता सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के गोल्डन आवर के दौरान त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने, समय पर चिकित्सकीय उपचार तय कराने तथा दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए जाने वाले आवश्यक उपायों के संबंध में निर्देशित किया।

छात्रा हत्याकांड पर समिति ने जताया रोष, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

- **संत शिरोमणि गुरु रविदास उत्थान सेवा समिति ने सौंपा ज्ञापन**

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। पैरामेडिकल छात्रा पर हुए जानलेवा चाकू हमले और उपचार के दौरान हुई मौत के मामले में संत शिरोमणि गुरु रविदास उत्थान सेवा समिति ने रोष जताया। समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर प्रदर्शन किया। इसके बाद मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने को लेकर एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया।

मंगलवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास उत्थान सेवा समिति के पदाधिकारी एकत्र होकर कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। जहां उन्होंने छात्रा पर हुए जानलेवा चाकू हमले और उपचार के दौरान हुई मौत को लेकर प्रदर्शन किया। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि इससे प्रदेश की कानून-व्यवस्था और छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने आंदोलनरत छात्र-छात्राओं की सुरक्षित छात्रावास, परिवहन सुविधा और निष्पक्ष जांच की मांग का समर्थन करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, कठोरतम सजा तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। वारसी ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा पर किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते समिति के पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

आगापुर में प्याऊ का उदघाटन, राहगीरों को मिलेगा लाभ

- **दिवंगत पुत्र विक्रम सिंह यादव की स्मृति में बनवाया प्याऊ**

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। ग्राम आगापुर निवासी महिपाल सिंह यादव ने अपने दिवंगत पुत्र विक्रम सिंह यादव की पावन स्मृति में जनसेवा के उद्देश्य से एक प्याऊ का निर्माण कराया। प्याऊ का उद्घाटन उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि भीषण गर्मी में राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि महिपाल सिंह यादव द्वारा अपने पुत्र की स्मृति में कराया गया यह जनहित का कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस प्याऊ के माध्यम से प्रतिदिन सैकड़ों राहगीरों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिलेगी। उन्होंने समाज के अन्य सक्षम लोगों से भी जनकल्याण के ऐसे कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अवधेश शर्मा, राजेंद्र सिंह यादव, गजेंद्र सिंह यादव, गिरिराज सक्सेना, ओम प्रताप यादव, सुरेश यादव, राजेश यादव, मनमोहन यादव, अजय यादव, सुमित यादव एवं जगमोहन यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्राम आगापुर में प्याऊ का उदघाटन करते सूर्य प्रकाश पाल। -जागरण मोर्चा

उधार के रुपये मांगना पड़ा महंगा, जान से मारने की धमकी देने का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

मसवासी। उधार दिए रुपये वापस मांगना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। पीड़ित का आरोप है कि रुपये मांगने पर आरोपी ने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। स्थानीय पुलिस से शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

चौकी क्षेत्र के गांव मझरा खुशहालपुर निवासी मोहम्मद रफी पुत्र मोहम्मद उमर ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बब्बरपुरी निवासी नासिर पुत्र जुम्मा, जो उसके साथ कपड़े का कारोबार करता था, ने लकड़ी के कारोबार में साझेदारी का झांसा देकर उससे करीब 15 .60 लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो कारोबार का कोई हिसाब दिया गया और न ही रुपये लौटाए गए।पीड़ित का कहना है कि जब उसने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी फोन पर गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी दी। उसने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से भी की, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।अब पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराने तथा अपनी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। उधर चौकी इंचार्ज सोहन पाल सिंह ने बताया की पुलिस को अभी इस तरह की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

रोजगार की बहार: 8 कंपनियों ने 187 युवाओं का किया चयन

- **साक्षात्कार में शामिल हुए 328 अभ्यर्थी, मुख्य विकास अधिकारी ने बांटे ऑफर लेटर**

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई किला परिसर में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर एक वृहद रोजगार मेले का शानदार आयोजन किया गया। राजकीय आईटीआई और कौशल विकास मिशन-रामपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रोजगार मेले में 8 नामी कंपनियों ने हिस्सा लिया। रोजगार पाने की उम्मीद में कुल 835 अभ्यर्थियों ने अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिनमें से 328 युवा साक्षात्कार की प्रक्रिया में उपस्थित हुए। योग्यता और कौशल के आधार पर साक्षात्कार के उपरांत कुल 187 युवाओं को नौकरी के लिए चयनित किया गया। रामपुर के मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर ही चयनित युवाओं को ऑफर लेटर सौंपकर उनके सपनों को उड़ान दी।

युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की यह पहल 'कौशल विकास मिशन' और राजकीय आईटीआई रामपुर की योजना के तत्वावधान में आयोजित की गई। विश्व युवा कौशल दिवस के विशेष अवसर पर इस रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य युवाओं के कौशल को मंच देना और उन्हें सीधे तौर पर रोजगार से जोड़ना रहा। इस वृहद रोजगार मेले का विधिवत शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं रामपुर के मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चन्द्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने वहां उपस्थित सभी अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में सफल होने के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने अपने हाथों से सभी 187 चयनित अभ्यर्थियों को ऑफर लैटर प्रदान किए। इस रोजगार मेले के आयोजन में कुलदीप सिंह, अगर मण्डल, जायसराम यादव, मदन गोपाल, दिनेश कुमार अग्रवाल, चरन सिंह, जमीर अहमद, राजीव यादव, प्रमोद मिश्रा और अनुराग शुक्ला आदि मौजूद रहे।

लापरवाही पुराना फर्नीचर और फाइलों के कवरों में चडी हुई धूल

सालों बाद बेसिक शिक्षा विभाग कार्यालय में खुला गोदाम, सफाई

जागरण मोर्चा, कार्यालय

रामपुर। बेसिक शिक्षा विभाग का कार्यालय सालों बाद गोदाम खुला है। इसके अंदर एक तरफ पुराना फर्नीचर कुर्सी, मेजे और टेबिल, फाइलों की साफ-सफाई कराई जा रही है जिन पर धूलें फांक रही हैं।

बीएसए कार्यालय की पहली मंजिल पर चढ़ते ही जीने के सामने एक गोदाम बना हैं। जोकि लंबे समय की बंद की स्थिति में हैं। जबकि गोदाम के गेट के बाहर कर्मचारी कुर्सियों पर बैठे रहते हैं। लंबे समय बाद मंगलवार को गोदाम का खोला गया। गोदाम में विभाग का फर्नीचर, फाइलों पर चढ़ी हुई धूलों की साफ-सफाई कराई गया। साथ ही गोदाम के अंदर एक जर्जर गेट दीवार के सहारे पर मिला। जबकि गोदाम के अंदर कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। सफाई के दौरान विभागीय कागजों को दीमक से बचाने के लिए एक तरफ रखा गया। जबकि पुराने फर्नीचर की देखरेख की गई।

बीएसए कार्यालय में बने गोदाम में रखा पुराना फर्नीचर, फाइलें। -जागरण मोर्चा

शाहबाद- बिलारी स्टेट हाइवे पर हुए सड़क हादसे में तीन ज़ख्मी, एक रेफर

शाहबाद। मंगलवार को तहसील क्षेत्र के खरसौल गांव निवासी प्रदीप, अपने पिता रामबहादुर और मां अंगूरी देवी के साथ शाहबाद से दवाई लेकर अपने गांव लौट रहे थे। शाहबाद-बिलारी स्टेट हाइवे स्थित मित्तरपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी शाहबाद में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। रामबहादुर की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

एसबीआई में वेतन खाता खोलने के लिए किया जाए प्रेरित

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. राजवीर सिंह ने वित्त एवं लेखाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हस्ताक्षरित हुए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन की ओर आकर्षित करना चाहते हैं। इसके अंतर्गत, विभाग के सभी शिक्षकों व कर्मचारियों को विशेष राज्य सरकार वेतन पैकेज की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।इस समझौते के तहत मिलने वाले प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं। स्थायी कर्मचारियों को 10 लाख का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस, 1 करोड़ तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा व स्थायी दिव्यांगता कवर, और 1.60 करोड़ तक का एयर एक्सीडेंट कवर। आदि अन्य बहुत से लाभ जो अन्य बैंक में नहीं है। एमओयू में स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं कि जिन कार्मिकों के वेतन खाते भारतीय स्टेट बैंक में नहीं हैं, उन्हें एसबीआई में वेतन खाता खोलने के लिए प्रेरित किया जाए। वर्तमान में कई शिक्षकों के वेतन खाते अन्य बैंकों में होने के कारण वे इन बहुमूल्य सुविधाओं और बीमा लाभों से वंचित रह जा रहे हैं।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है किःजनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को अपने-अपने क्षेत्र के शिक्षकों के वेतन खाते में स्थानांतरित करने के लिए निर्देशित करें।जिन शिक्षकों के खाते अन्य बैंकों में हैं, उनके खाते स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की निकटतम शाखा में खुलवाने के लिए एक सुगम प्रक्रिया का पालन किया जाए।इस संबंध में विशेष कैंप आयोजित किए जाएं, ताकि सभी शिक्षक व कार्मिक के अंतर्गत मिलने वाले अतिरिक्त लाभों का समय पर लाभ प्राप्त कर सकें।इस मौके पर डॉ. अंजुम स्नेही सक्सेना भी मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ गरजा बुलडोजर

22 वर्ष पुराने भूमि विवाद में न्यायालय के आदेश का अनुपालन, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चला अभियान

- प्रशासन ने कराई बेदखली की कार्रवाई

जागरण मोर्चा, कार्यालय

संभल। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में मंगलवार को प्रशासन बुलडोजर लेकर विवादित भूमि पर पहुंचा और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की। मौके पर राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

मौके पर पहुंच अवैध कब्जा हटवाते तहसीलदार। -जागरण मोर्चा

प्रशासन के अनुसार मामला गाटा संख्या 393, रकबा 0.207 हेक्टेयर भूमि से जुड़ा है। न्यायालय के अभिलेखों में दर्ज तथ्यों के अनुसार, श्रीमती मुशशबरा खातून पत्नी गुलाम शब्बर के पक्ष में खतौनी में नाम दर्ज है। उनका बैनामा 22 अप्रैल 2022 को हुआ था और उनके कब्जे में 0.082 हेक्टेयर भूमि पाई गई। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत अभिलेखों के अनुसार, शेष भूमि पर शमशाद पुत्र सन्नू एवं इफ्तेखार पुत्र मल्लाह कई वर्षों से बिना विधिवत बैनामा केवल स्टाम्प पेपर के आधार पर आबादी बनाकर काबिज पाए गए। वादी एवं प्रतिवादी के साक्ष्य तथा नजरी नक्शा भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए थे।

आदेश में उल्लेख है कि 0.128 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा दिलाने के लिए वादिनी ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-134 के अंतर्गत बेदखली का वाद दायर किया था। न्यायालय के समक्ष यह तथ्य भी आया कि मूल खातेदार आने मोहम्मद पुत्र मंजूर हुसैन ने लगभग 22 वर्ष पूर्व बिना पंजीकृत बैनामा के उक्त भूमि शमशाद एवं मुख्त्यार को बेच दी थी। बाद में मुख्त्यार ने अपने हिस्से की भूमि इफ्तेखार को हस्तांतरित कर दी, जिसके बाद से वह मौके पर काबिज रहे।

न्यायालय ने यह भी उल्लेख किया कि बिना पंजीकृत बैनामे के कारण खतौनी में मूल खातेदार का नाम दर्ज रहा। इसी स्थिति का लाभ उठाते हुए मूल खातेदार ने पूर्व में बेची जा चुकी 0.128 हेक्टेयर भूमि का पुनः बैनामा वादिनी के पक्ष में कर दिया, जबकि उस हिस्से पर पहले से शमशाद एवं इफ्तेखार का कब्जा था।वर्तमान स्थिति के अनुसार न्यायालय के अभिलेखों में गाटा संख्या 393 की 0.125 हेक्टेयर भूमि पर शमशाद पुत्र सन्नू एवं इफ्तेखार पुत्र मल्लाह की आबादी बनी हुई थी, जबकि 0.082 हेक्टेयर भूमि पर वादिनी का कब्जा पाया गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने संबंधित भूमि पर कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटाने की प्रक्रिया पूरी कराई।

पुलिस ने दंपती को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया

चन्दौसी। कोतवाली पुलिस ने दहेज अधिनियम के मुकदमें में फरार चल रहे दंपती अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

कोतवाली क्षेत्र के पंचशील कालोनी निवासी रिंकू पुत्र स्व. रामौतार ने 4 जुलाई को कोतवाली में तहरीर दी थी। जिसमें कहा था कि उसकी बहन को ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते हैं। मांग पूरी नहीं होने पर उसकी बहन को फांसी के फंदे से लटकाकर मार दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया। जिसमें पिछले गई दिनों से वांछित चल रहे अमरफल व उसकी पत्नी मालदेई निवासी मौलागढ़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

निरस्त लाइसेंस पर चल रही मीट की दुकानें बंद, न्यायालय में होगी कार्रवाई

- खाद्य सुरक्षा विभाग का चंदौसी के ज़ारई गेट क्षेत्र में विशेष अभियान, कई प्रतिष्ठानों पर नोटिस चस्पा

जागरण मोर्चा, कार्यालय

संभल/चन्दौसी। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने मंगलवार को चंदौसी के ज़ारई गेट क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाकर मीट विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानें निरस्त या समाप्त हो चुके लाइसेंस पर संचालित मिलीं, जबकि कुछ दुकानें बंद पाई गईं। विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कई दुकानों को तत्काल बंद करा दिया तथा संबंधित संचालकों के विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2 मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान गोस मियां मीट शॉप, जुल्फिकार मीट शॉप, वाजिद हुसैन मीट शॉप, जुनैद मीट शॉप, गुलाम मोहम्मद मीट शॉप और नाजिम मीट शॉप का खाद्य पंजीकरण एवं लाइसेंस निरस्त पाया गया। इसके बावजूद इन प्रतिष्ठानों पर खाद्य कारोबार संचालित किया जा रहा था। टीम ने सभी संचालकों को तत्काल कारोबार बंद करने के निर्देश दिए और बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत उनके विरुद्ध माननीय न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नदीम मीट शॉप, अब्दुल लतीफ मीट शॉप, इरफान मीट शॉप तथा मोहम्मद इसरार की मीट दुकानें बंद मिलीं। विभागीय अधिकारियों ने इन प्रतिष्ठानों पर नोटिस चस्पा करते हुए निर्देश दिए कि विभागीय निरीक्षण एवं नियमानुसार अनुमति प्राप्त करने के बाद ही दोबारा कारोबार शुरू किया जाए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि बिना वैध पंजीकरण अथवा निरस्त लाइसेंस पर खाद्य कारोबार संचालित करना कानून का उल्लंघन है।

कब्रिस्तान की भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा, भारी पुलिस बल रहा तैनात

- न्यायालय के आदेश पर ईदगाह का अतिक्रमण हटाकर प्रशासन ने भूमि कराई कब्जामुक्त

जागरण मोर्चा, कार्यालय

संभल। जनपद के थाना असमोली क्षेत्र के गांव मढ़न में मंगलवार को न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने कब्रिस्तान की भूमि पर बने अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई की। बुलडोजर की मदद से ईदगाह के अतिक्रमण को हटाकर भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और भारी पुलिस बल तैनात रहा।

प्रशासन के अनुसार ग्राम समाज की कब्रिस्तान दर्ज गाटा संख्या 208, रकबा 0.0070 हेक्टेयर तथा गाटा संख्या 393, रकबा 0.207 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जे के संबंध में न्यायालय द्वारा बेदखली के आदेश जारी किए गए थे। आदेश के अनुपालन में राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से अतिक्रमण हटाया और भूमि को कब्जामुक्त कराया।

अवैध कब्जा हटाती जेसीबी।

कार्रवाई का नेतृत्व तहसीलदार धीरेन्द्र कुमार सिंह एवं नायब तहसीलदार शुभम प्रताप सिंह ने किया। मौके पर दो राजस्व निरीक्षक, आठ लेखपाल सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आरआरएफ के जवानों के अलावा चार थानों की पुलिस के लगभग 80 पुलिसकर्मी तैनात रहे। पूरे अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन कराया जा रहा है। सरकारी एवं ग्राम समाज की भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बेदखली अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

एडीएम ने दिया प्रतिनिधि मंडल को दिया आश्वासन उपनिबंधक से कराई जाएगी जांच

- समिति का आठवें दिन भी जारी रहा तहसील गेट पर धरना प्रदर्शन

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। राष्ट्रीय संघर्ष समिति का फोन लेन सड़क निर्माण के मुआवजे की मांग को लेकर अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन आठवें दिन भी जारी बना रहा। मंगलवार की सुबह समिति का प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दयाल शर्मा के नेतृत्व में एडीएम व डीएम से उनके कार्यालय पर मिलने के लिए बहजोई रवाना हुआ। जहां एडीएम से वार्ता के दौरान किसानों ने कहा कि उन्हें भूमि अधीग्रहण का जारी सूची के अनुसार मिलना चाहिए।

तहसील गेट पर धरनास्थल पर बैठे समिति पदाधिकारी।

इस एडीएम ने कहा कि हम एसडीएम के माध्यम से उपनिबंधक से जांच कराकर तीन दिन में मंगवा लेंगे। इस पर किसानों ने कहा कि किसानों ने कहा कि हम फोर लाइन सड़क निर्माण के पक्ष में है न कि विरोध में है। कहा कि मौके पर पीडब्लूडी के अधिकारियों द्वारा लगाए गए निशान लगाए थे उस भूमि पर किसान द्वारा फसल नहीं उगाई गई है। हम चाहते हैं कि हमें उचित मुआवजा मिले और फोनलेन सड़क का निर्माण शीघ्र कराया जाए। एडीएम ने कहा कि कहा कि अगर जांच सही पाई गई तो आपको पूरा मुआवजा दिया जाएगा। धरना स्थल पर अमर सिंह तोमर, वीरेंद्र सिंह, अनिल कुमार, रामपाल सिंह, भीकम जाटव, राजेंद्र, रामेश्वर पाल, मनोज कुमार, अजय कुमार, महेंद्र कुमार, नरेश कुमार, हरिओम शर्मा, मुकेश शर्मा, हर्षित शर्मा, ओमवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने विद्युत अधिकारियों से की बिजली में आने वाली समस्याओं पर चर्चा

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक विद्युत अधिकारियों के साथ संपन्न हुई। जिसमें विद्युत की अनेक प्रकार की समस्याओं को लेकर वार्ता हुई। जिसमें व्यापारियों ने कहा कि घरेलू व व्यवसायिक विद्युत कनेक्शन पर अचानक आवेदन से बिना पूछे लोड़ बढ़ाया जा रहा है। इस का निस्तारण कराया जाए। व्यापारियों विद्युत विभाग द्वारा विद्युत बिल बढ़ाकर मोबाइल पर एसएमएस व व्हाट्सअप पर भेजने पर रोष व्यक्त किया। साथ ही विद्युत विभाग से बिजली के नीचे से गले पोलों को शीघ्र बदलने की मांग की ही। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उक्त समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विद्युत विभाग से एसडीओ अवधेश कुमार, जेई आलोक कुमार व रोहित कुमार के अलावा व्यापारियों में अरविंद कुमार गुप्ता, गोविंद गर्ग, हरिगोपाल, शीनू गुप्ता, सुधीर अग्रवाल, देवेंद्र कुमार, सुरेश वार्ष्णेय, कपिल वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे।

विद्युत अधिकारियों से वार्ता करते व्यापारी।

संभल के डॉ. अय्यूब हुसैन ने बढ़ाया जिले का गौरव

- मोती संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान पर राज्यपाल ने किया सम्मानित

जागरण मोर्चा, कार्यालय

संभल। मोती संवर्धन के क्षेत्र में नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संभल निवासी एवं एमएनआई एग्रोहब प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. अय्यूब हुसैन ने एक बार फिर जनपद का नाम प्रदेशभर में रोशन किया है। कृषि नवाचार, किसान कल्याण और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

डा. अय्यूब हुसैन ने मोती संवर्धन अभियान की शुरुआत जनपद से की थी। इस पहल को तत्कालीन जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पेसिया का मार्गदर्शन और प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप जिले के अनेक किसानों ने मोती पालन को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने की दिशा में सफल कदम बढ़ाए। आज यह पहल किसानों के लिए अतिरिक्त आय का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है।

डा. अय्यूब हुसैन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करतीं राज्यपाल।

सम्मान समारोह के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डा. अय्यूब हुसैन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में ऐसे नवाचार किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने डॉ. हुसैन को भविष्य में भी किसानों के हित में इसी समर्पण के साथ कार्य करते रहने की शुभकामनाएं दीं।

अपील पतंग व्यापारियों से की चाइनीज मांझा न बेचने की अपील

चाइनीज मांझे के विरुद्ध व्यापार मंडल ने चलाया अभियान

जागरण मोर्चा, कार्यालय

चन्दौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने जानलेवा बनता जा रहा चाइनीज मांझे के विरुद्ध अभियान शुरू किया है। जिसके तहत व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पतंग की दुकानों का भ्रमण कर दुकानदारों से चाइनीज मांझा न बेचने व जनता से मांझे न खरीदने की अपील की।

पतंग दुकानदार से चाइनीज मांझा न बेचने की अपील करते व्यापार मंडल के पदाधिकारी

मंगलवार को अभियान के तहत नगराध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ने आगामी त्योहारों को देखते हुए पतंगबाजी का सीजन शुरू होने वाला है। इसके व्यापार मंडल द्वारा उक्त आंदोलन शुरू किया गया है। ताकि दुकानदारों व जनता से अपील की जा सके। कहा कि प्लास्टिक और केमिकल युक्त चाइनीज मांझा इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पक्षियों के लिए एक बड़ा काल बन चुका है। आए दिन इस धागे की चपेट में आने से राहगीरों के गले कटने और गंभीर हादसे होने की खबरें आती रहती हैं। कहा कि चंद रुपयों के मुनाफे के लिए किसी की जान को जोखिम में डालना ठीक नहीं है। व्यापार मंडल की ओर से स्थानीय दुकानदारों व पतंग विक्रेताओं से आग्रह किया कि वह न तो चाइनीज मांझा का स्टाक रखे और न ही किसी ग्राहक को बेचे। इसके स्थान पर पूरी तरह सुरक्षित और स्वदेशी सूती धागे की बिक्री को बढ़ावा दे। यदि कोई भी दुकानदार चोरी-छिपे इस अवैध मांझे को बेचता पाया गया तो संगठन प्रशासन से कड़ी कार्रवाई कराने से पीछे नहीं हटेगा। जिला महामंत्री प्रभात कृष्णा ने कहा कि अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि उनके बच्चे पतंगबाजी में चाइनीज मांझे का इस्तेमाल न करें। अंत में सभी व्यापार मंडल ने सामूहिक रूप से चाइनीज मांझे के बहिष्कार का संकल्प लिया। इस अवसर पर लकी वार्ष्णेय, रमाकांत शर्मा, निशांत शर्मा, अतुल कश्यप, गोविंद वार्ष्णेय, तस्लीम खान, बिट्टू माली, मारुफ आदि मौजूद रहे।

सार संक्षेप

विद्यालय में हुआ पौधारोपण

चन्दौसी। राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज ककी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से विद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य भूपाल सिंह शास्त्री ने जामुन का पौधा लगाया।

विद्यालय में पौधारोपण करते शिक्षक व छात्र।

इसके बाद विद्यालय के रासेयो के स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर में अनेक पौधे लगाए। साथ ही आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी शरद शर्मा, राहुल सिंह, अंकित यादव आदि मौजूद रहे।

प्रतिमा का पूजन करते श्रद्धालु। -जागरण मोर्चा

भगवान तिरुपति बालाजी व भगवान शंकर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आरंभ

चन्दौसी। मुरादाबाद रोड स्थित तिरुपति एनक्लेव में भगवान तिरुपति बालाजी व भगवान शंकर की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम चल रहा है। मंगलवार को राजघाट नरौरा स्थित नरवर संस्कृत महाविद्यालय से आए विद्वानों द्वारा पूजन आरंभ किया गया। कथा प्रवक्ता आचार्य ऋतुपर्ण शर्मा ने वैदिक मंत्रों के साथ गणेश भगवान का पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात तिरुपति बालाजी व भगवान शंकर की प्रतिमाओं का जल आदि अधिवास किया गया। इसके बाद संकीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें सुंदर-सुंदर भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आरती पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर नितेश शर्मा, मुकेश सोम, महेश अग्रवाल, सुबोध शर्मा, चंद्र प्रकाश गुप्ता, गिरीश अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, उमा सिंह, उत्सव, मनोज सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

क्लब पदाधिकारियों रोपित किए पौधे

चन्दौसी। रोटरी क्लब ऑफ अमन की ओर से पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति को हरा-भरा बनाने के संकल्प को लेकर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रामबाग धाम स्थित बिहारी लाल प्राकृतिक आरोग्य सदन परिसर में क्लब पदाधिकारियों की ओर से विभिन्न प्रकार के औषधीय, फलदार व छायादार पौधें लगाए गए।

पौधे रोपित करने को खड़े क्लब पदाधिकारी।

क्लब अध्यक्ष वीनेश वार्ष्णेय व सचिव सपना गुप्ता ने कहा कि पौधे लगाना आज के समय की सबसे बड़ी जरुरत है और रोटरी अमन परिवार लगातार सामाजिक व पर्यावरण कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। पौधा रोपण के बाद उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली गई है ताकि पौधे आगे चलकर बड़े वृक्ष के रूप में छाया, फल व औषधि दे सके। अंत में पदाधिकारियों ने आमजन से पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस अवसर पर दीपेश गुप्ता, भुवनेश वार्ष्णेय, लोकेश वार्ष्णेय, प्रदीप वार्ष्णेय, कमल गुप्ता, पवन गुप्ता, अतुल गुप्ता, अर्पिता गुप्ता, वीना वार्ष्णेय, विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

पुस्तक मेले में पुस्तकें खरीदतीं छात्राएं।

छात्र-छात्राओं ने पुस्तक मेले से खरीदी पुस्तकें

चन्दौसी। बीएमजी इंटर कालेज में पुस्तक जागरुकता एवं सुलभता शिविर के अंतर्गत पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में संजीव कुमार सक्सेना मौजूद रहे। मेले में हरी बुक डिपो, पप्पू बुक डिपो व न्यू महाजन बुक डिपो ने अपने-अपने बुक स्टाल लगाए। जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के अधिकृत विषयों की एनसीईआरटी किताबें विक्रय को उपलब्ध थी। पुस्तक मेले में आर्य समाज इंटर कालेज, श्री सनातन धर्म इंटर कालेज, एफआर इंटर कालेज, श्री अक्रूरजी कन्या इंटर कालेज, बाबू राम सरस्वती इंटर कालेज सहित कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ पुस्तकें खरीदी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा सागर, अब्दुल सईद आदि मौजूद रहे।

मोतीपुरा के सामने सड़क पर गहरा गड्ढा

मसवासी। रामपुर-बाजपुर मार्ग पर मोतीपुरा गांव के सामने मुख्य सड़क पर बने गहरे गड्ढे से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के बीच बना गड्ढा आए दिन हादसों को दावत दे रहा है, लेकिन लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अब तक इसकी मरम्मत कराने की जहमत नहीं उठा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, काफी समय से सड़क पर गहरा गड्ढा बना हुआ है। कई बाइक सवार असंतुलित होकर गिर चुके हैं और चोटिल भी हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन न तो गड्ढे का मिट्टी से भराव कराया गया और न ही डामरीकरण कराया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की उदासीनता के कारण हादसे की आशंका लगातार बनी हुई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।ग्रामीण राजेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार, माधव प्रसाद, फैयाज अहमद, राकेश कुमार और भीम सिंह सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी से सड़क की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मार्ग दुरुस्त नहीं कराया गया तो लोक निर्माण विभाग के खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा।

नवाब सिंह नागर और सांसद कंवर सिंह तंवर ने किया दो स्वागत द्वारों का अनावरण

कार्यकर्ताओं ने आधा दर्जन से अधिक जेसीबी मशीनों से फूलों की वर्षा कर अतिथियों का किया जोरदार स्वागत

जागरण मोर्चा, कार्यालय

हसनपुर, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगरोला में मंगलवार की शाम गंगा एक्सप्रेसवे पुल के निकट एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के महान अमर शहीद धन सिंह कोतवाल और हिंदू हृदय सम्राट बाबू कल्याण सिंह की स्मृति में बने दो विशाल स्वागत द्वारों का फीता काटकर अनावरण किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर और विशिष्ट अतिथि के रूप में चौधरी कंवर सिंह तंवर मौजूद रहे। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने आधा दर्जन से अधिक जेसीबी मशीनों से फूलों की वर्षा कर अतिथियों का जोरदार स्वागत किया।सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नवाब सिंह नागर ने कहा, "जब से देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, गुंडों का खत्मा हो गया है। आज केवल उत्तर प्रदेश या देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों का डंका बज रहा है। डबल इंजन सरकार में कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और विकास नए आयाम छू रहा है।

वहीं, सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर ने सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं की तारीफ करते हुए कहा कि भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहीद धन सिंह कोतवाल और बाबू कल्याण सिंह का देश हित में अमूल्य योगदान रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी ललित सिंह तंवर, जिलाध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी, विधायक राजीव तरारा, ब्लॉक प्रमुख ममता गुर्जर, मुदित गुर्जर, ब्लॉक प्रमुख गजरौला मीनाक्षी चौधरी व वीरेंद्र चौधरी, युद्ध वीर सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रिशिपाल नगर, चंद्रपाल खड़गवंशी, पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक नगर, मलखान सिंह गुर्जर, छत्रपाल सिंह खड़कवंशी, धर्म सिंह खड़कवंशी, महंत पुरुषोत्तम, चमन वर्मा, पिंटू भाटी, चमन कसाना, महेश खड़गवंशी, भीष्म खड़गवंशी, जसवीर खड़गवंशी,और मनोज शर्मा सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. जितेंद्र सिंह व मनोज शर्मा ने किया।

167वें शिविर में 118 मरीजों की जांच

- **नयन ज्योति अभियान के अंतर्गत 12 मोतियाबिंद ऑपरेशन और 60 चश्मों के लिए चयनित**

मुरादाबाद। मुरादाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट एंड हेल्थ रिसर्च सेंटर द्वारा संचालित 'नयन ज्योति अभियान' के अंतर्गत 167वें निःशुल्क नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल, मुरादाबाद महानगर के सहयोग से सत्या बैंक्वेट हॉल, लंका बाग, गोविंद नगर में किया गया। शिविर में 118 मरीजों का पंजीकरण कर उनकी नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई।

शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक बृज मोहन, विश्व हिन्दू परिषद के महानगर अध्यक्ष अमित गुप्ता तथा मंदिर अर्चक पुरोहित संपर्क प्रमुख अनिल शर्मा ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के ट्रस्टी जेपी सिंह और डायरेक्टर डॉ. हरजीत सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी सिंह ने बताया कि शिविर में चयनित सभी 12 मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा, जबकि 60 लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में एशियन विवेकानंद सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं सेंटर फॉर साइट आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने नेत्र एवं सामान्य स्वास्थ्य की जांच, परामर्श और उपचार की सेवाएं प्रदान कीं। शिविर मुरादाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट एंड हेल्थ रिसर्च सेंटर के सचिव नीरज विनोद खन्ना के मार्गदर्शन तथा नगर विधायक रितेश गुप्ता की प्रेरणा से आयोजित किया गया।

20 लाख रुपए दहेज के बाद भी नहीं भरी मांग

- **गर्भवती विवाहिता ने पति समेत 7 पर कराया कटघर थाने में मुकदमा**

जागरण मोर्चा, कार्यालय

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र में एक गर्भवती विवाहिता ने पति और ससुराल पक्ष के सात लोगों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट, जान से मारने की कोशिश और अश्लील हरकतों जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के अनुसार, पीड़िता का विवाह 30 नवंबर 2025 को वैदिक रीति-रिवाज से छजलैट क्षेत्र निवासी सुनील कुमार के साथ हुआ था। महिला का आरोप है कि शादी में उसके परिवार ने करीब 20 लाख रुपये, सोने-चांदी के आभूषण, रॉयल एनफील्ड बुलेट, घरेलू सामान तथा एक लाख रुपये नकद दिए थे। इसके बावजूद पति, सास, जेठ, जेठानी, देवर और ननद अतिरिक्त 10 लाख रुपये नकद और मारुति ऑल्टो कार की मांग करने लगे।

शिकायत में कहा गया है कि मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ लगातार गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न किया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि गर्भवती होने के बावजूद उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया, उसे कई बार भूखा-प्यासा रखा गया तथा गर्भ गिराने की धमकी भी दी गई।

महिला का यह भी आरोप है कि उसने अपने पति को अपनी जेठानी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा था। विरोध करने पर ससुराल पक्ष ने उल्टा उसी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि उसे कथित रूप से नशीला दूध भी पिलाया गया, जिससे उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई।

एफआईआर में यह भी उल्लेख है कि 6 जून 2026 को मायके से वापस ससुराल पहुंचने पर उसके साथ फिर मारपीट की गई। आरोप है कि पति ने उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया, जबकि दो देवर उसे कमरे में ले जाकर जबरदस्ती करने लगे। किसी तरह वह वहां से निकलकर अपनी मां और बहन को सूचना देने में सफल रही।

पीड़िता का कहना है कि महिला थाने में भी उसकी शिकायत पर तत्काल सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक लीना कुशवाहा को सौंपी गई है।

टीएमयू में आज जुटेंगे आईसीएआर के कृषि वैज्ञानिक

जागरण मोर्चा, कार्यालय

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज में 15 जुलाई को मंडलीय किसान गोष्ठी एवम् कृषक-वैज्ञानिक संवाद में इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट- आईसीएआर दिल्ली के एग्रोनॉमी के हेड डॉ. संजय सिंह राठौर, सीनियर साइंटिस्ट डॉ. ऋषिराज, साइंटिस्ट डॉ. प्रवीन कुमार उपाध्याय धरतीपुत्रों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत एवम् क्षेत्रानुकूल बीजों, मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक प्रयोग, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और बदलती जलवायु के अनुसार कृषि प्रबंधन के टिप्स देंगे। गोष्ठी में टीएमयू के वीसी प्रो. वीके जैन के संग-संग मुरादाबाद के डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर डॉ. ऋषि कांत सिंह आदि की भी उल्लेखनीय मौजूदगी रहेगी। आईसीएआर के वैज्ञानिक किसानों को अनुसंधान आधारित नवीन तकनीकों के अलावा जलवायु अनुकूल खेती, सूखा, अत्यधिक वर्षा से फसलों की सुरक्षा, नवीन कृषि पद्धतियों, जैविक संसाधनों के संतुलित उपयोग, फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के उपायों पर भी जानकारी देंगे।

कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज के डीन डॉ. प्रवीन कुमार जैन ने यह जानकारी देते हुए बताया, गोष्ठी में परम्परागत खेती के साथ-साथ संरक्षित खेती, सब्जी उत्पादन, बागवानी, मधुमक्खी पालन, कृषि विविधीकरण और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।

किसान गोष्ठी के समन्वयक एवम् आनुवांशिकी एवम् पादप प्रजनन विभाग के हेड डॉ. अनिल कुमार चौधरी ने बताया, संगोष्ठी में किसान अपनी फसलों से जुड़ी समस्याएं सीधे विशेषज्ञों के सामने रख सकेंगे। कृषि अधिकारियों की ओर से किसानों को केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न कृषि कल्याण योजनाओं, अनुदान सुविधाओं, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि यंत्रीकरण, फसल बीमा, किसान उत्पादक संगठन और विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी। किसानों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया, पात्रता और दस्तावेजों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। गोष्ठी में कृषि विज्ञान केन्द्र, मुरादाबाद के डॉ. मनोज कुमार, डॉ. विश्वेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहेंगे।

पुलिस मुठभेड़ में गौकशी के दो आरोपी घायल

जागरण मोर्चा, कार्यालय

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। -जागरण मोर्चा

मुरादाबाद। भोजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात पुलिस और गौकशी के मामले में वांछित दो आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुँवर आकाश सिंह ने बताया कि 13 जुलाई को भोजपुर थाना क्षेत्र के मकसूदपुर गांव में गौकशी की घटना सामने आई थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।

देर रात भोजपुर थाना पुलिस खादर क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनोंओ आरोपियों के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद वे बाइक सहित गिर पड़े, जिन्हें पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सकलैन और नाजिम के रूप में हुई है। दोनों भोजपुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, नाजिम के खिलाफ पहले से चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि सकलैन पर एक मुकदमा दर्ज है। मौके से पुलिस ने दो अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

मिलेगी राहत रेलवे प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हर्रावाला रेलवे स्टेशन का कायाकल्प पूरा, 17 को होगा लोकार्पण

जागरण मोर्चा, कार्यालय

मुरादाबाद। भारतीय रेल की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल स्थित हर्रावाला रेलवे स्टेशन का व्यापक पुनर्विकास कार्य पूरा हो गया है। स्टेशन पर निर्धारित सभी विकास कार्य पूरे कर लिए गए हैं और 17 जुलाई 2026 को इसका भव्य लोकार्पण किया जाएगा। इसके लिए रेलवे प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार हर्रावाला रेलवे स्टेशन को आधुनिक, यात्री-अनुकूल और विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया गया है। आकर्षक प्रवेश द्वार (एंट्रेंस पोर्च) का निर्माण, स्टेशन भवन के अग्रभाग का आधुनिकीकरण तथा यात्रियों के लिए वातानुकूलित प्रतीक्षालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इसके अलावा पुरुष एवं महिला यात्रियों के लिए आधुनिक शौचालय, दिव्यांगजन-अनुकूल शौचालय, सुव्यवस्थित पार्किंग, रैंप, प्लेटफार्मों का पुनः सतहीकरण तथा विशाल प्लेटफार्म शेल्टर का निर्माण भी कराया गया है। इन विकास कार्यों से यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ, सुविधाजनक और अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव मिलेगा। रेलवे का कहना है कि स्टेशन का नया स्वरूप आधुनिक रेल अवसंरचना के साथ-साथ स्थानीय परिवेश और क्षेत्रीय पहचान को भी प्रदर्शित करता है। बेहतर यात्री सुविधाओं और सुगम आवागमन के माध्यम से यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध होंगी। उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के अनुसार स्टेशन पर सभी निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए गए हैं। 17 जुलाई 2026 को आयोजित समारोह में हर्रावाला रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।

कमिश्नरी चौराहे के पास महिला को दिया तीन तलाक

जागरण मोर्चा, कार्यालय

मुरादाबाद। मुरादाबाद में कमिश्नरी चौराहे से पहले स्थित क्षेत्र में एक महिला को कथित रूप से तीन तलाक दिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर न्याय दिलाने और आरोपित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है कि महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके पति ने बिना वैधानिक प्रक्रिया अपनाए उसे तीन तलाक दे दिया। पीड़िता का कहना है कि इस घटना के बाद वह मानसिक और सामाजिक रूप से परेशान है तथा उसे न्याय की आवश्यकता है। मामले की सूचना मिलने के बाद संबंधित पुलिस अधिकारियों ने शिकायत प्राप्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत में मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत तत्काल तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) कानूनन अपराध है और ऐसे मामलों में शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

सार संक्षेप

युवक की जमकर पिटाई युवक बुरी तरह घायल

हसनपुर, संवाददाता। सैद नगली थाना क्षेत्र के एक गांव में दो पक्षों में हो रही मारपीट देख एक युवक जैसे ही उन्हें बचाने पहुंचा तो दोनों पक्षों की ओर से चल रहे लाठी डंडों में युवक पूरी तरह घायल हो गया। घायल हालत में पीड़ित थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ नाम दर्ज तहरीर दी पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए नगर के सीएचसी भेज दिया। जहां उसका उपचार किया गया। सैद नगली थाना क्षेत्र के गांव ढक्का निवासी रियासत पुत्र छुट्टन मंगलवार की सुबह अपने घर के बाहर खड़ा हुआ था तभी अचानक गाली गलौज के दौरान दो पड़ोसियों में अचानक लाठी डंडे निकल आए और दोनों में जमकर मारपीट शुरू हो गई बीच विचाव करने पहुंचे रियासत को आरोपियों ने लाठी डंडे मार मार कर दिया घायल घायल हालत में रियासत परिजनों के साथ थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ नाम दर्ज तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर घायल को मेडिकल के लिए नगर के सीएचसी भेज दिया जहां उसका उपचार किया गया।

कार सवार ने बाइक सवार मां बेटा को मारी टक्कर दोनों की हालत गंभीर, मुरादाबाद रेफर

हसनपुर, संवाददाता। सैद नगली थाना क्षेत्र के एक गांव के लिंक मार्ग पर नियंत्रित कर सवार युवक ने दवाई लेने जा रहे मां बेटा की बाइक को मारी टक्कर मां बेटा बुरी तरह घायल निजी चिकित्सक के यहां से मुरादाबाद रेफर। सैद नगली थाना क्षेत्र के गांव भदौरा व ढक्का लिंक मार्ग पर सोमवार की शाम भदौरा निवासी सलमान पुत्र तहसीन अपनी मां रहीमन के साथ दवाई लेने के लिए बाइक से ढक्का जा रहा था। जबकि सामने से गांव निवासी एक युवक है नियंत्रित व तेज रफ्तार के साथ अपनी कार से गांव को आ रहा था। जैसे ही वह गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर पहुंचा तो कार सवार युवक ने मां बेटा की बाइक को टक्कर मार दी टक्कर लगते ही मां व बेटा बुरी तरह घायल हो गए। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए और घायलों को नगर के निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया। जहां दोनों की हालत को गंभीर देखते हुए दोनों घायलों को मुरादाबाद रेफर कर दिया। जहां चौधरपुर के एक अस्पताल में घायलों का उपचार चल रहा है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार्यवाही को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस तहरीर मिलने का इंतजार कर रही है।

चारा काट रही महिला को सांप ने डंसा, हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर

हसनपुर, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गाव में पशुओं के लिए चारा काट रही एक महिला को सांप ने डंस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे आनन-फानन में नगर के सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर भूड़ निवासी रामनिवास की पत्नी बीना सोमवार शाम को अपने खेत में पशुओं के लिए चारा काट रही थीं। इसी दौरान अचानक एक सांप ने उन्हें डंस लिया। दर्द से चीखती-चिल्लाती बीना किसी तरह अपने घर पहुंचीं और परिजनों को आपबीती बताई।घबराए परिजन देर शाम तुरंत पीड़िता को लेकर सीएचसी पहुंचे। सीएचसी के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद महिला की गंभीर हालत को देखते हुए हुए तुरंत हायर सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल हायर सेंटर में महिला का उपचार जारी है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

शादी में ड्रेसिंग टेबल भेंट करतीं नारी संगठन की पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

गरीब बेटी की शादी में नारी संगठन ने भेंट की ड्रेसिंग टेबल, चेहरे पर लौटी मुस्कान,

हसनपुर, संवाददाता। नगर में सामाजिक सरोकारों को समर्पित नारी संगठन द्वारा एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की गई है। संगठन की पदाधिकारियों ने क्षेत्र की एक अत्यंत गरीब परिवार की बेटी के विवाह समारोह में पहुंचकर उसे अपनी संस्था की ओर से उपहार स्वरूप एक सुंदर ड्रेसिंग टेबल भेंट की।अचानक मिले इस अप्रत्याशित सहयोग और सम्मान से बेटी और उसके परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस नेक पहल की स्थानीय लोगों ने भी जमकर सराहना की।इस अवसर पर नारी संगठन की अध्यक्षा डॉली अग्रवाल तथा महामुत्री शेफाली अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद बेटियों की मदद करना ही उनके संगठन का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान ऋतु, सविता, सीमा, बबीता, अंजना, पारुल, रचना और जय सिरोही समेत संगठन की तमाम कार्यकर्ता व महिलाएं मौजूद रहीं ।

मेरठ की घटना के विरोध में प्रदर्शन

मुरादाबाद। मेरठ में अनुसूचित जाति की युवती कुमारी ललिता गौतम की हत्या के विरोध में सोमवार को बहुजन समन्वय समिति (बीएसएस) के कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर पार्क से जुलूस निकालकर कलक्ट्रेट तक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसीएम प्रथम प्रिंस वर्मा को सौंपा।ज्ञापन में समिति ने मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) से जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा प्रदर्शन के दौरान दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही पुलिस कार्रवाई की भी स्वतंत्र जांच कराने और यदि किसी अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई जाए तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की मांग उठाई गई। प्रदर्शन में मुख्य संयोजक चंदन सिंह रैदास, अधिवक्ता महावीर प्रसाद मौर्य, अनुज जाटव, आदित्य राज, देवराज गौतम, रघुराज सिंह, मनीष कुमार, अवनीश गौतम, राजेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

गजरौला। आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर ब्रजघाट और तिगरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और पूरा घाट "हर-हर गंगे" के जयघोष से गूंज उठा। बाढ़ के कारण गंगा का जलस्तर बढ़ा होने के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी, हालांकि श्रद्धालुओ की सुरक्षा हेतु पुलिस अलर्ट रही। गोताखोर भी तैनात रहे। मंगलवार को आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर ब्रजघाट और तिगरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना की तथा पुरोहितों को दान-दक्षिणा अर्पित की। श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न कराए। ब्रजघाट के साथ-साथ तिगरी धाम में भी स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरे समय तैनात रहा। प्रशासन द्वारा घाटों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए, जिससे श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण ढंग से स्नान और पूजा-अर्चना संपन्न की।

एक नजर

बीमार महिला की मेडीकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत

बदायूं। बीमारी से ग्रसित एक महिला की मेडीकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। मेडीकल कॉलेज प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव करियामई निवासी रेखा (37) पत्नी शेरसिंह की मंगलवार तड़के इलाज के दौरान मेडीकल कॉलेज में मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि रेखा सात महीने की गर्भवती थी। डॉक्टरों ने उसमें खून की कमी बताई। जिस पर परिजनों ने उसे 12 जुलाई की दहगवां के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन उसकी हालत में सुधार होने की बजाय और बिगड़ने लगी। जिस पर डॉक्टरों ने उसे मेडीकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजनों ने उसे लाकर मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मेडीकल कॉलेज प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

अलापुर को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा... तीन साल में एक रुपये का विकास कार्य नहीं

डीएम ने दो साल पहले पास की कार्ययोजना, ईओ ने नहीं किए टेंडर, आखिर किसके इशारे पर ईओ कर रहे शासन की अनदेखी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। आदर्श नगर पंचायत का दर्जा पाने वाली अलापुर नगर पंचायत में पिछले तीन वर्षों से विकास कार्य ठप पड़े हैं। हालात यह हैं कि इस अवधि में एक रुपये का भी ठोस विकास कार्य धरातल पर नजर नहीं आया। इससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है और वे मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं।

बताया जाता है कि करीब दो साल पहले जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत के विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना को मंजूरी दी गई थी, लेकिन नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) त्रिवेंद्र कुमार ने अब तक किसी भी योजना पर टेंडर प्रक्रिया शुरू नहीं कराई। इससे शासन की योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह गई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ईओ पिछले छह महीनों से कार्यालय तक नहीं पहुंचे हैं, जिससे प्रशासनिक कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। नगर क्षेत्र में सड़क, नाली, सफाई और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। लोग कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। इस पूरे मामले को लेकर यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर किसके इशारे पर ईओ शासन के निर्देशों की अनदेखी कर रहे हैं। खास बात यह है कि भाजपा सरकार जहां विकास कार्यों के दम पर 2027 का चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है, वहीं स्थानीय स्तर पर भाजपा के ही कुछ नेता शासन की मंशा को कमजोर करते नजर आ रहे हैं।

नगरवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही विकास कार्य शुरू नहीं हुए तो आगामी चुनाव में इसका खामियाजा सत्ताधारी दल को भुगतना पड़ सकता है। फिलहाल, जनता समस्याओं से जूझ रही है और जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

ईओ नदारद, कर्मचारियों का वेतन भुगतान अटका

बदायूं। अलापुर नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी (ईओ) के लगातार नदारद रहने से कर्मचारियों का वेतन भुगतान प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि पिछले कई दिनों से वेतन न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि वेतन भुगतान से संबंधित फाइलें ईओ की अनुपस्थिति में लंबित पड़ी हैं, जिससे कार्यालय का कामकाज भी बाधित हो रहा है। कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप कर शीघ्र वेतन दिलाने की मांग की है। स्थानीय स्तर पर इस स्थिति को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है और कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

शासन को नहीं भेजी गई डीपीआर, अधर में लटका विकास

अलापुर। नगर क्षेत्र में प्रस्तावित विकास कार्य विभागीय लापरवाही के चलते अधर में लटके हुए हैं। जानकारी के अनुसार अब तक संबंधित विभाग द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) शासन को नहीं भेजी गई है, जिसके कारण विकास कार्यों को स्वीकृति नहीं मिल पा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़कों, नालियों और अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए योजनाएं तैयार होने के बावजूद जमीन पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते क्षेत्र में विकास पूरी तरह ठप पड़ा है, जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, डीपीआर तैयार होने के बाद भी उसे समय पर शासन को प्रेषित नहीं किया गया। इस लापरवाही के कारण बजट आवंटन की प्रक्रिया भी प्रभावित हुई है। स्थानीय नागरिकों ने उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि लंबित विकास कार्यों को गति मिल सके और क्षेत्रवासियों को राहत मिल पाए।

अलापुर नगर के रहने वाले व्यापारी वर्ग के लोगों का कहना है कि भाजपा सरकार में तमाम विकास कार्यों के दावे किए जा रहे हैं। लेकिनअलापुर नगर में ईओ की मनमानी के चलते एक भी विकास कार्य नहीं हुआ है। जिससे दुकानदारों को जल भराव की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

–मयंक गुप्ता, व्यापारी

अलापुर नगर के लोगों का कहना है कि पिछले 3 सालों में एक भी विकास कार्य नहीं हुआ। अब 2027 का विधानसभा चुनाव आने वाला है। यहां भाजपा के प्रत्याशी को मुंह की खानी पड़ेगी। नगर के लोग इसका पुरजोर विरोध करेंगे।

–पारस देवल, व्यापारी

मुख्य बाजरा में जल भराव, डीएम से शिकायत

अलापुर। नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में जलभराव की समस्या से दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हल्की बारिश के बाद ही सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे आवागमन बाधित हो जाता है और लोगों को कीचड़ व गंदगी से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार संबंधित विभाग को अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया।

मामला संज्ञान में आया है. जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई कि जाएगी।

–अवनीश राय, डीएम

सैदपुर की फिजा बिगाड़ने की कोशिश, अफवाहों से बढ़ा तनाव

मुस्लिम समुदाय के खुरपतियों ने हिंदू समाज की दुकानों से सामान न खरीदने का जारी किया फरमान

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। वजीरगंज थाना क्षेत्र के सैदपुर कस्बे में कुछ खुराफाती तत्वों द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी और पीड़ित पक्ष के बीच किसी प्रकार का विवाद या गिला-शिकवा नहीं है, इसके बावजूद कुछ लोग जानबूझकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने में जुटे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के कुछ खुरपाती लोगों द्वारा हिंदू समाज की दुकानों से सामान न खरीदने का फरमान जारी किए जाने की चर्चा फैल गई। यह बात जैसे ही कस्बे में फैली, हिंदू समाज में आक्रोश व्याप्त हो गया और विरोध स्वरूप बाजार बंद कर दिया गया। इससे क्षेत्र में हल्का तनाव उत्पन्न हो गया।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों के जिम्मेदार लोगों से बातचीत कर शांति बनाए रखने की अपील की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह पूरा मामला अफवाहों और कुछ असामाजिक तत्वों की शरारत का परिणाम हो सकता है।

इसी बीच गोपनीय विभाग की टीम भी कस्बे में पहुंची और पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच-पड़ताल की। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे खुराफाती तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कस्बे में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन पुलिस सतर्कता बनाए हुए है।

यह था मामला

कस्बे के एक मोहल्ला निवासी एक 35 वर्षीय युवक ने एक सप्ताह पहले 8 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इसी बात को लेकर कस्बे के कुछ कट्टरपंथी और खुरपाती लोगों ने मामले को तूल देने की कोशिश की है। लोगों का आरोप है कि कस्बे में एक ग्रुप संचालित किया गया है। इस ग्रुप में मुस्लिम समुदाय के कुछ कट्टरपंथी लोग जुड़े हुए हैं। इस ग्रुप में फरमान जारी किया गया है कि हिंदुओं की दुकानों से कोई भी समान नहीं खरीदा जाएगा और देखने को भी मिला कि दो दिन में किसी भी मुस्लिम व्यक्ति ने हिंदू की दुकान से सामान नहीं खरीदा। इसी के विरोध में मंगलवार को हिंदू समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया और दुकान बंद कर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही थाना पुलिस सीओ बिसौली अंशुमन श्रीवास्तव कस्बे में पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि खुरपाती कोई भी क्यों न हो उसे छोडा नहीं जाएगा। अब देखना होगा कि इन खुरपाती तत्वों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

मामला संज्ञान में आते ही पुलिस फोर्स के साथ कस्बे में मामले की जानकारी ली गई। खुरपातियों को चिन्हित किया जा रहा है जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार की खुरपात करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

– अंशुमन श्रीवास्तव, सीओ बिसौली

लक्ष्मीपुर में धू-धू कर जला बिजली बॉक्स, आपूर्ति ठप

बदायूं। ब्लॉक आसफपुर क्षेत्र की बड़ी ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सोमवार देर रात गांव में लगे बिजली बॉक्स में अचानक तेज धमाके के साथ फाल्ट हुआ, जिसके बाद केविन धू-धू कर जल उठी। कुछ देर तक पोल के आसपास आतिशबाजी जैसा नजारा बना रहा। ग्रामीणों ने इस घटना को अपने मोबाइल में कैद किया और तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी, जिसके बाद लाइनमैन ने आपूर्ति बंद कराई। गनीमत रही कि घटना रात में हुई, अन्यथा दिन में होने पर जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था। फाल्ट के बाद पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। पहले से ही क्षेत्र में 24 घंटे में महज 4 से 5 घंटे ही बिजली मिल पा रही थी, जिससे लोग परेशान थे। अब हालात और बिगड़ गए हैं।

लक्ष्मीपुर में राशन कोटे पर दबंगों का कब्जा, उपभोक्ता से मारपीट का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जिले के आसफपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में सरकारी राशन वितरण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव में संचालित तीन सरकारी गल्ला दुकानों पर दबंगों के कब्जे और कालाबाजारी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। वहीं, एक राशन उपभोक्ता के साथ मारपीट कर उसे दुकान से भगा देने का मामला भी प्रकाश में आया है।

लक्ष्मीपुर निवासी पप्पू पुत्र सुलेमान ने थाना बिसौली में शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि गांव में संचालित एक कोटे की दुकान, जो अनस पुत्र मशरत के नाम आवंटित है, उस पर शाहरुख नामक युवक का दबदबा है। आरोप है कि शाहरुख ही दुकान का संचालन करता है और मनमाने तरीके से राशन वितरण करता है।

पीड़ित के अनुसार, 12 जुलाई को जब वह अपने हिस्से का राशन लेने पहुंचा तो शाहरुख ने गाली-गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की और उसे दुकान से भगा दिया। इस घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव की अन्य राशन दुकानों पर भी इसी तरह दबंगों का कब्जा है। दुकानों का आवंटन भले ही अन्य लोगों के नाम पर हो, लेकिन वास्तविक संचालन दबंग तत्वों द्वारा किया जा रहा है। आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण के चलते ये लोग हर माह सरकारी राशन की कालाबाजारी कर गरीबों के हक पर डाका डाल रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित अधिकारी न तो प्रभावी कार्रवाई कर रहे हैं और न ही गंभीरता से जांच की जा रही है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

16 जुलाई को बरीपुरा में सजेगा प्राचीन केसर देवी मेला, तैयारियां पूरी

जागरण मोर्चा कार्यालय

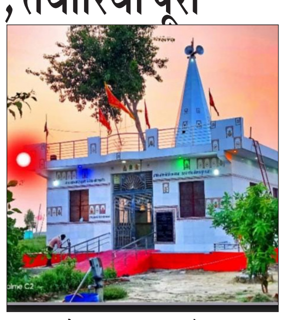

बदायूं। वजीरगंज विकासखंड के गांव बरीपुरा के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल मां केसर देवी के प्राचीन मंदिर पर 16 जुलाई (गुरुवार) को भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर पहुंचकर माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करेंगे।

मेले में दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के साथ प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं मेले में बच्चों के लिए झूले, खिलौनों की दुकानें, मिठाई, चाट, ग्रामीण हस्तशिल्प और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानें प्रमुख आकर्षण रहेंगी। स्थानीय ग्रामीणों और मेला समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। साफ-सफाई, पेयजल और यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प्राचीन केसर देवी मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक माना जाता है। हर वर्ष यहां हजारों श्रद्धालु पहुंचकर मां के दरबार में मत्था टेकते हैं और अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराते हैं। इस वर्ष भी मेले में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है।

12 साल की दलित लड़की से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। पॉक्सो एक्ट कक्ष प्रथम की न्यायाधीश कु. अनीता प्रथम ने मेला देखकर वापस आ रही दलित नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषी माना है। न्यायाधीश ने दोषी को आजीवन कारावास (जब तक जीवित रहे) की सजा सुनाई। इसके साथ ही दोषी को एक लाख रुपये जुर्माना अदा करने का हुक्म दिया। अपर शासकीय अधिवक्ता अरविंद लाल के अनुसार वादिनी मुकदमा थाना कादरचौक में रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया, 24 अक्तूबर 2024 की रात समय करीब 9.30 बजे गांव में मेला देखने उसकी दोनों बेटियां और पीड़िता गई थी। रात में ही लगभग 11.30 बजे उसकी लड़की पीड़िता उम्र 12 वर्ष अकेली घर वापस आई। बताया, जब वह टॉयलेट करने गई थी तो वहां पर उसके गांव का राजेश उर्फ खन्ना पुत्र पुत्तू लाल आ गया है और उसने उसकी पुत्री के साथ बलात्कार किया। पीड़िता के कपड़ों पर खून आ गया था। मां ने अपनी बेटी की हालत देखकर एंबुलेंस को कॉल करवाया और पीड़िता को लेकर उझानी सीएचसी पहुंची। वहां पर पीड़िता को बदायूं महिला अस्पताल में रेफर कर दिया। जिसके बाद पीड़िता को लेकर उसकी मां बदायूं महिला अस्पताल में इलाज कराया। पुलिस ने 12 साल की नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार करते हुये विवेचना की। चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की। जिसके बाद न्यायालय में राजेश उर्फ खन्ना पुत्र पुत्तू लाल निवासी भूडा, भदरौल, थाना कादरचौक पर दलित नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मुकदमा चलाया गया । न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन किया। अधिवक्ता की दलीलो को सुनने के पश्चात उक्त आरोपो में दोषी पाते हुए, जव तक जीवित रहे, तव तक जेल में रहने व एक लाख रुपये के जुर्माना की सजा सुनाई है।

विधवा के खाते से एटीएम से निकाले 5 लाख, ससुर और देवर पर आरोप

बिसौली। कोतवाली बिसौली क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेंथरा की एक विधवा महिला ने अपने ससुर और देवर पर एटीएम के जरिए उसके खाते से 5 लाख रुपये निकालने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम मेंथरा निवासी पूनम ने बताया कि उसके पति गिरीश कुमार की 10 जुलाई 2025 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उसने कृषक सड़क दुर्घटना बीमा योजना के तहत अनुदान के लिए आवेदन किया था। जिलाधिकारी बदायूं की स्वीकृति के बाद गत माह उसके बैंक खाते में 5 लाख रुपये की अनुदान राशि आई थी। आरोप है कि ससुर और देवर ने उसे गुमराह कर उसका एटीएम कार्ड बनवा लिया। साथ ही खाते में देवर का मोबाइल नंबर जुड़वाकर पिन तैयार कर लिया और धीरे-धीरे पूरी धनराशि निकाल ली।

बैंक खाते से 11 दिनों में 1499 संदिग्ध ट्रांजेक्शन, साइबर ठगी में दो आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जिले में साइबर वज्र अभियान के तहत संदिग्ध बैंक खातों की जांच में एक संदिग्ध खाता मिला है, जिससे 11 दिनों में 1499 संदिग्ध ट्रांजेक्शन किए गए। इस मामले में पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बदायूं में साइबर अपराध के मामलों की जांच में साइबर थाना पुलिस को एक ऐसे बैंक खाते का पता चला है, जिसका इस्तेमाल साइबर ठगी से जुड़े लेनदेन में किया जा रहा था। जांच के बाद साइबर थाने के उपनिरीक्षक रजत यादव ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। साइबर वज्र अभियान के तहत संदिग्ध बैंक खातों की जांच में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक चालू खाते में कई अनियमितताएं सामने आईं। यह खाता एक निजी कंपनी के नाम पर संचालित था। जांच में पता चला कि 28 अगस्त से 7 सितंबर 2025 के बीच महज 11 दिनों में खाते से 1499 बार लेनदेन हुआ। खाते में करीब 8.82 लाख रुपये जमा हुए, जबकि पांच लाख रुपये से अधिक की निकासी की गई। पुलिस के अनुसार, इस खाते से जुड़े लेनदेन के संबंध में देश के विभिन्न राज्यों से 317 साइबर शिकायतें दर्ज मिली हैं, जिससे साइबर अपराध में खाते के इस्तेमाल की आशंका और अधिक बढ़ गई। पुलिस ने साइबर अपराध के मामले में न्यू मार्डन कॉलोनी चित्रांश नगर थाना सिविल लाइंस बदायूं के अरुण कुमार सक्सेना और गांव मौहम्मदपुर कुडई जरीफनगर थाना निवासी मनोज कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

महिला को जबरन दबोचा, आरोपित पर प्राथमिकी

बदायूं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह पड़ोस की दुकान से सामान लेने जा रही थी। रास्ते में पड़ोस में रहने वाले मोहित पुत्र वीरेंद्र राठौर ने उसे जबरन पकड़ लिया। आरोपित ने उसका मुंह बंद कर लिया और पड़ोस के घर में ले जाने लगा। उसके शोर मचाने पर उसका भाई मौके पर आ गया। भाई को देखकर आरोपित जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पुलिस ने आरोपित पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

ग्रामीण से मारपीट में चार पर प्राथमिकी

बदायूं। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गांव सालारपुर निवासी शमशाद ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपने जानवरों के लिए कुट्टी काट रहा था। तभी गांव के वसीम, शरीफ पुत्रगण रफामुद्दीन, साजिद व मुख्तार मौके पर आ गए और गाली गलौज करने लगे। वह कुछ समझ पाता, तब तक हमलावरों ने धारदार हथियार से उस पर प्रहार करना शुरु कर दिया। जिसमें वह घायल होकर बेहोश हो गया। आसपास के लोगों ने आकर उसे बचाया। इसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने चारों आरोपितों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

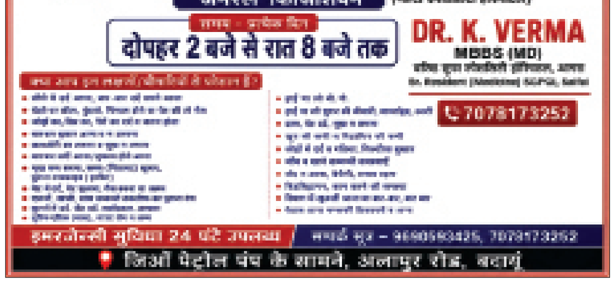

कार खड़ी करने के विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या, 12 पर केस

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। थाना कादर चौक क्षेत्र के एक गांव में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां कार खड़ी करने को लेकर हुए झगड़े में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मामले में 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छह आरोपियों को हिरासत में लिया है।

मृतक हरिओम।

जानकारी के अनुसार, कादर चौक निवासी कल्याण सिंह की बेटी की बारात रविवार रात गांव में आई थी। बारात में शामिल होने के बाद हरिओम पुत्र कृपाल सिंह, रामानंद पुत्र राजेश और जोगेंद्र पुत्र गणपत घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के चौराहे पर चंद्रवीर पुत्र देवेंद्र और जितेंद्र पुत्र सुरेश अपनी कार लेकर पहुंचे। चौराहे पर कार खड़ी करने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने कुल्हाड़ी, लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में हरिओम, रामानंद और जोगेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से हरिओम की हालत गंभीर होने पर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। देर रात इलाज के दौरान हरिओम की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर 12 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मेंथा तेल बेचने आए किसान की बाइक से 80 हजार पार

बदायूं। सदर कोतवाली क्षेत्र के लाबेला चौक पर मेंथा तेल बेचने आए एक किसान की बाइक की डिग्गी से अज्ञात उच्चक्का 80 हजार रुपये लेकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव इटौआ निवासी मुनेशपाल सिंह मेंथा तेल बेचने के लिए शहर आए थे। उन्होंने लाबेला चौक पर अपनी बाइक खड़ी कर दी थी और कुछ देर के लिए अन्य काम में व्यस्त हो गए। इसी दौरान मौका पाकर एक उच्चक्का उनकी बाइक की डिग्गी खोलकर उसमें रखे 80 हजार रुपये लेकर फरार हो गया। कुछ देर बाद जब मुनेशपाल सिंह वापस लौटे और डिग्गी चेक की तो रुपये गायब देखकर उनके होश उड़ गए।

ग्रामीण उपकेंद्र का औचक निरीक्षण, एक्सईएन ने दिए निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। अधिशासी अभियंता नरेंद्र चौधरी ने क्षेत्र के ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार की मंशा उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने बिजली चोरी पर सख्ती से अंकुश लगाने और उपकेंद्र स्तर पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान एक्सईएन ने उपकेंद्र पर आ रही विभिन्न समस्याओं की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अधिशासी अभियंता ने कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अवर अभियंताओं से कहा कि छोटी-छोटी शिकायतों को भी गंभीरता से लें और उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी की अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय है, जिसे ईमानदारी के साथ निभाना आवश्यक है। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता की शिकायत मिली तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर एसडीओ बिसौली विकास राजपूत, जेई दिनेश कुमार समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का टोल प्रस्तावः वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और भारत के लिए बढ़ती चुनौती

दुनिया की अर्थव्यवस्था केवल उत्पादन और व्यापार पर ही नहीं, बल्कि उन समुद्री मार्गों पर भी निर्भर करती है जिनसे ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति होती है। ऐसे ही सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में होर्मुज स्ट्रेट का नाम सबसे ऊपर आता है। हाल के दिनों में ईरान द्वारा इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से टोल (शुल्क) वसूलने की योजना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस और चिंता पैदा कर दी है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच यह प्रस्ताव केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति, समुद्री कानून और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा सवाल बन गया है। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाला एक संकरा लेकिन बेहद रणनीतिक समुद्री मार्ग है। इसके उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान तथा संयुक्त अरब अमीरात स्थित हैं। यह दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में शामिल है। खाड़ी देशों–सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात–से निकलने वाला अधिकांश कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचता है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के अनुसार, समुद्र के रास्ते होने वाले वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत और तरलीकृत प्राकृतिक गैस का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यही कारण है कि होर्मुज स्ट्रेट को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की "लाइफलाइन" कहा जाता है।

ईरान का दावा है कि होर्मुज स्ट्रेट उसके तटीय क्षेत्र के निकट स्थित है और उसकी सुरक्षा तथा निगरानी में ईरान की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी आधार पर वह इस मार्ग से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से शुल्क वसूलने की बात कर रहा है।

ईरान का तर्क है कि समुद्री सुरक्षा, निगरानी और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में उसके संसाधनों का उपयोग होता है, इसलिए शुल्क लेना उचित होगा। साथ ही, पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था लंबे समय से दबाव में है। ऐसे में अतिरिक्त राजस्व जुटाने का यह एक संभावित माध्यम भी माना जा रहा है। हालांकि ईरान ने संकेत दिया है कि चीन जैसे मित्र देशों को विशेष रियायत दी जा सकती है। इससे स्पष्ट होता है कि यह प्रस्ताव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक महत्व भी रखता है।

समुद्री कानून का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत "फ्रीडम ऑफ नेविगेशन" यानी समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही का अधिकार है। यह सिद्धांत सैकड़ों वर्षों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यवस्था का आधार रहा है और आधुनिक समुद्री कानूनों में भी इसे व्यापक मान्यता प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले जलडमरूमध्यों से सभी देशों के जहाजों को बिना किसी भेदभाव के गुजरने का अधिकार प्राप्त है। किसी एक देश द्वारा मनमाने तरीके से शुल्क लगाना या आवाजाही में बाधा उत्पन्न करना अंतरराष्ट्रीय विवाद को जन्म दे सकता है। इसी वजह से कई विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान वास्तव में टोल लागू करता है तो यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून की भावना के विपरीत माना जाएगा। अमेरिका लंबे समय से होर्मुज स्ट्रेट को अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानता आया है। अमेरिकी नौसेना और उसके सहयोगी देशों की नौसेनाएं नियमित रूप से इस क्षेत्र में गश्त करती हैं ताकि व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। यदि ईरान जहाजों से शुल्क वसूलने की कोशिश करता है या किसी प्रकार का प्रतिबंध लगाता है, तो अमेरिका और उसके सहयोगी इसका विरोध कर सकते हैं। इससे दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद तनाव और बढ़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में समुद्री टकराव, सैन्य गतिविधियों में वृद्धि और क्षेत्रीय अस्थिरता की संभावना भी बढ़ सकती है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी देशों के तेल और गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। यदि होर्मुज स्ट्रेट में किसी प्रकार की बाधा आती है या अतिरिक्त शुल्क लगाया जाता है, तो इसका सीधा असर ऊर्जा कीमतों पर पड़ेगा। तेल कंपनियों को अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ेगी, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर आएगा। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और अन्य ईंधन महंगे हो सकते हैं। साथ ही समुद्री बीमा प्रीमियम और माल ढुलाई की लागत भी बढ़ सकती है। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी और वैश्विक आर्थिक विकास की गति प्रभावित हो सकती है। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान दुनिया पहले ही सप्लाई चेन संकट का सामना कर चुकी है। यदि होर्मुज स्ट्रेट में नया विवाद पैदा होता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर एक और बड़ा दबाव बन सकता है। तेल और गैस के अलावा अनेक औद्योगिक उत्पादों, रसायनों और पेट्रोकेमिकल वस्तुओं का परिवहन भी प्रभावित हो सकता है। इससे उत्पादन लागत बढ़ेगी और कई उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विशेष रूप से एशियाई देशों–भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया–पर इसका सबसे अधिक असर पड़ सकता है क्योंकि उनकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से पूरा होता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों में शामिल है। देश अपनी तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। इसमें खाड़ी देशों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। भारत द्वारा सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर से आयात किया जाने वाला अधिकांश तेल और एलएनजी होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही भारत पहुंचता है। भारत का रुख हमेशा स्पष्ट रहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग सभी देशों के लिए खुले और सुरक्षित रहने चाहिए। भारत फ्रीडम ऑफ नेविगेशन और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करता है। भारत का मानना है कि किसी भी देश को अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर एकाधिकार स्थापित नहीं करना चाहिए। समुद्री व्यापार में बाधा पूरी दुनिया के आर्थिक हितों के खिलाफ होगी। साथ ही भारत संतुलित कूटनीति अपनाते हुए अमेरिका और ईरान दोनों के साथ अपने संबंध बनाए रखना चाहता है। भारत का प्रयास रहता है कि विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों से निकले। होर्मुज स्ट्रेट पहले भी कई बार तनाव का केंद्र बन चुका है। अतीत में ईरान और अमेरिका के बीच टैंकरों की जब्ती, ड्रोन घटनाओं और नौसैनिक गतिविधियों को लेकर कई बार विवाद हुआ है। यदि ईरान टोल लागू करने का प्रयास करता है और अमेरिका इसका विरोध करता है, तो दोनों पक्षों के बीच समुद्री तनाव बढ़ सकता है। इससे न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा, बीमा लागत और समुद्री परिवहन की विश्वसनीयता भी प्रभावित होगी। कुछ खाड़ी देशों ने पाइपलाइन नेटवर्क विकसित किए हैं, जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल को होर्मुज स्ट्रेट से बचाकर निर्यात किया जा सकता है। हालांकि इन पाइपलाइनों की क्षमता इतनी नहीं है कि वे पूरे समुद्री मार्ग का विकल्प बन सकें। इसलिए निकट भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट का महत्व कम होने की संभावना नहीं है। दुनिया अभी भी इस मार्ग पर काफी हद तक निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज स्ट्रेट जैसे रणनीतिक जलमार्ग पर किसी भी प्रकार का एकतरफा निर्णय वैश्विक अस्थिरता को बढ़ा सकता है। इसलिए सभी पक्षों के लिए संवाद और कूटनीतिक समाधान ही सबसे बेहतर विकल्प है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी यही चाहता है कि समुद्री व्यापार बिना किसी बाधा के चलता रहे और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित न हो। यदि तनाव बढ़ता है तो इसका नुकसान किसी एक देश को नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को उठाना पड़ेगा।

विदेशी फंडिंग के खेल पर मोदी सरकार का कड़ा प्रहार

नए प्रावधानों के अनुसार विदेशी फंड प्राप्त करने वाली संस्थाओं को अब प्रत्येक रुपये का विस्तृत हिसाब देना होगा। यदि धन निर्धारित उद्देश्य से हटकर किसी अन्य मद में खर्च किया जाता है तो उसका स्पष्ट उत्तर देना होगा। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली की एक नीतिगत शोध संस्था द्वारा विदेश से अध्ययन के लिए प्राप्त धन को झारखंड में सक्रिय नक्सली समूहों तक पहुंचाने का मामला भी समय-समय पर चर्चा में रहा है।

■ उमेश चतुर्वेदी

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

साल 2008 की गर्मियों की बात है। दिल्ली के अशोक होटल के कन्वेंशन हॉल में ग्रामीण विकास के लिए काम कर रहे देशभर के स्वयंसेवी संगठनों का सम्मेलन आयोजित था। दोपहर के भोजन की अलग-अलग व्यवस्था थी। एक ओर आयोजन से जुड़े प्रमुख लोग और कुछ पत्रकार मौजूद थे। भोजन से पहले सूप परोसा गया। सूप की चुस्कियों के बीच चल रही बातचीत कई पत्रकारों की समझ से बाहर थी, क्योंकि वह पूरी तरह कूट संकेतों में हो रही थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास और लड़कियों की शिक्षा पर काम करने वाले एक स्वयंसेवी संगठन के संचालक की मुलाकात मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र में काम कर रहे दूसरे संगठन के प्रमुख से हुई। बातचीत के दौरान पता चला कि गृह मंत्रालय के विदेशी अंशदान नियंत्रित करने वाले विभाग से उनके संगठन को चार करोड़ रुपये तक विदेशी फंड लेने की मंजूरी मिली है। उस वर्ष उन्हें तीन करोड़ रुपये मिले, जिनमें से करीब डेढ़ करोड़ खर्च हुए और शेष राशि से उन्होंने किसी बड़े शहर में मकान खरीद लिया।

यह कोई अपवाद नहीं था। मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले तक विदेशी चंदा और फंडिंग देश के एक खास वर्ग के लिए कमाई का बड़ा जरिया बन चुकी थी। विदेशी सहायता का बड़ा हिस्सा उन उद्देश्यों पर खर्च नहीं होता था, जिनके नाम पर वह प्राप्त की जाती थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकार, सामाजिक अध्ययन, आदिवासी विकास, महिला सशक्तीकरण और शांति स्थापना जैसे आकर्षक विषयों की आड़ में अनेक संगठन विदेशों से भारी धनराशि प्राप्त करते थे। इनमें 'पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट' यानी शांति और संघर्ष प्रबंधन जैसे विषय भी लंबे समय तक विदेशी दानदाताओं की प्राथमिकता बने रहे। लेकिन वास्तविकता यह रही कि इन पैसों का एक हिस्सा दूसरे एजेंडों पर खर्च होता रहा।

उस दौर में स्वयंसेवी संगठनों के दफ्तर केवल सामाजिक गतिविधियों के केंद्र नहीं रह गए थे। वहां मोटे वेतन, सुविधाजनक जीवनशैली और वैचारिक नेटवर्क का समानांतर संसार विकसित हो गया था। अनेक संस्थानों से जुड़े वामपंथी छात्र और कार्यकर्ता इन संगठनों से जुड़े दिखाई देते थे। विदेशी सहायता का उद्देश्य आदिवासियों, गरीबों और महिलाओं की स्थिति का अध्ययन तथा विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना बताया जाता था, लेकिन कई मामलों में धन का उपयोग पूरी तरह अलग दिशा में होता रहा।

भारत में विदेशी चंदे का सिलसिला पिछली सदी के साठ के दशक से तेज हुआ। यदि तब से लेकर वर्ष 2014 तक प्राप्त विदेशी सहायता का उपयोग वास्तव में उसी उद्देश्य के लिए किया गया होता, जिसके लिए वह मिली थी, तो देश के अनेक पिछड़े क्षेत्रों की तस्वीर काफी बदल चुकी होती। आजादी से पहले से ही ईसाई मिशनरियों और इस्लामी संस्थाओं को विदेशों से पर्याप्त आर्थिक सहायता मिलती रही है। ईसाई मिशनरियों ने दूर-दराज के आदिवासी क्षेत्रों में विद्यालय और अस्पताल स्थापित किए, लेकिन उनके कार्यों पर सेवा की आड़ में धर्मांतरण कराने के आरोप भी लगातार लगते रहे। इसी प्रकार खाड़ी देशों से मिलने वाली सहायता ने अनेक इस्लामी संगठनों की गतिविधियों को विस्तार दिया। सरकार का मानना है कि इस तरह की फंडिंग का इस्तेमाल कई बार सामाजिक सद्भाव के विरुद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी हुआ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में इन संस्थाओं पर अपेक्षित निगरानी नहीं रही। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से लेकर कश्मीर में स्वायत्तता की मांग उठाने वाले विभिन्न अभियानों तक अनेक ऐसे समूह सक्रिय दिखाई दिए, जिनका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विदेशी फंड प्राप्त करने वाले संगठनों से रहा। दक्षिण दिल्ली स्थित एक स्वयंसेवी संस्था के कार्यालय में नेपाल के माओवादी आंदोलन के शीर्ष नेताओं की बैठकों की चर्चा भी लंबे समय तक होती रही। बाबूराम भट्टराई और पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' जैसे नेताओं की रणनीतिक बैठकों का केंद्र भी यही स्थान बताया जाता रहा। कुछ संगठन यातायात, मौसम अथवा नीतिगत अध्ययन के नाम पर विदेशों से धन लेते रहे, लेकिन आरोप रहे कि उस धन का हिस्सा शहरी माओवाद के पक्ष में जनमत तैयार करने, धर्मांतरण और विदेशी वैचारिकी को बढ़ावा देने में लगाया गया।

इन्हीं अनुभवों और आरोपों की पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के नियमों को और अधिक कठोर बनाने का निर्णय लिया है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विदेशी धन का उपयोग केवल समाज कल्याण, विकास और घोषित उद्देश्यों के लिए ही होना चाहिए। किसी भी संस्था को विदेशी सहायता के माध्यम से धर्मांतरण, देश की जनसांख्यिकी बदलने या किसी गुप्त राजनीतिक अथवा वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

नए प्रावधानों के अनुसार विदेशी फंड प्राप्त करने वाली संस्थाओं को अब प्रत्येक रुपये का विस्तृत हिसाब देना होगा। यदि धन निर्धारित उद्देश्य से हटकर किसी अन्य मद में खर्च किया जाता है तो उसका स्पष्ट उत्तर देना होगा। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली की एक नीतिगत शोध संस्था द्वारा विदेश से अध्ययन के लिए प्राप्त धन को झारखंड में सक्रिय नक्सली समूहों तक पहुंचाने का मामला भी समय-समय पर चर्चा में रहा है। ऐसे उदाहरणों ने यह स्पष्ट किया कि विदेशी सहायता का दुरुपयोग केवल वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय भी बन सकता है।

इसी दृष्टि से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 22 जून 2026 को एफसीआरए नियमों में व्यापक संशोधन अधिसूचित किए। इनका उद्देश्य विदेशी फंडिंग में अधिक पारदर्शिता लाना, धन के वास्तविक स्रोत की पहचान सुनिश्चित करना और धर्मांतरण सहित किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर प्रभावी रोक लगाना है। अब गैर-सरकारी संगठनों और धार्मिक संस्थाओं के लिए विदेशी चंदा प्राप्त करना पहले की तुलना में अधिक जवाबदेही और निगरानी के दायरे में होगा।

नए नियमों के तहत अब केवल यह बताना पर्याप्त नहीं होगा कि धन किस विदेशी फाउंडेशन से मिला है। संबंधित संस्था को यह भी बताना होगा कि उस फाउंडेशन को धन देने वाला वास्तविक दानदाता कौन है और पूरी धन श्रृंखला क्या है। इसके साथ ही प्रत्येक संस्था को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक अथवा धार्मिक–इन पांच निर्धारित श्रेणियों में से किसी एक का चयन करना होगा और उसी दायरे में कार्य करना होगा। सरकार का मानना है कि इससे उद्देश्य और व्यय के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित होगा।

इसके अलावा संस्थाओं को यह भी स्पष्ट करना होगा कि वे किस राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में विदेशी धन खर्च करेंगी। इससे धन के उपयोग की सटीक निगरानी संभव होगी। सभी संगठनों को अपने सोशल मीडिया मंचों, वेबसाइट और प्रकाशनों का पूरा विवरण भी गृह मंत्रालय को उपलब्ध कराना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विदेशी धन के सहारे देश विरोधी दुष्प्रचार या वैचारिक अभियान तो नहीं चलाए जा रहे हैं।

एफसीआरए पंजीकरण व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। अब प्रत्येक श्रेणी और कार्यक्षेत्र के अनुसार अलग-अलग शुल्क निर्धारित किया गया है। साथ ही विदेशी नागरिकों की भूमिका सीमित करने का भी प्रावधान किया गया है। यदि किसी भारतीय संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों में विदेशी नागरिक शामिल हैं, तो ऐसे संगठन को विदेशी चंदा लेने के लिए पंजीकरण या पूर्व स्वीकृति देने पर सामान्यतः विचार नहीं किया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे विदेशी नागरिकों के माध्यम से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की संभावनाएं कम होंगी।

इन संशोधनों से उन लोगों की चिंता बढ़ी है, जिनकी आर्थिक गतिविधियां विदेशी फंडिंग पर आधारित रही हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि इन नियमों का उद्देश्य किसी वैध सामाजिक कार्य में बाधा डालना नहीं, बल्कि विदेशी धन की प्रत्येक कड़ी को पारदर्शी बनाना है। सेवा की आड़ में छिपे एजेंडों, जनसांख्यिकीय बदलाव की कोशिशों और राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध होने वाली गतिविधियों पर रोक लगाना समय की आवश्यकता है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में कम से कम एक लाख रुपये के जुर्माने से लेकर एफसीआरए लाइसेंस निरस्त करने तक की कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है।

दिलचस्प यह है कि नियमों को कठोर बनाने के साथ सरकार ने पात्र संस्थाओं के लिए रास्ते भी खुले रखे हैं। संशोधनों के बाद 72 नए संगठनों और संस्थाओं को विदेशी चंदा प्राप्त करने की मंजूरी दी गई है। इनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी सेवा भारती, प्रोजेक्ट मुंबई और हरे कृष्ण मूवमेंट इंडिया जैसी संस्थाएं भी शामिल हैं। इससे सरकार ने यह संकेत देने की कोशिश की है कि विदेशी सहायता पर रोक नहीं लगाई जा रही, बल्कि उसका उपयोग पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और राष्ट्रीय हितों के अनुरूप सुनिश्चित किया जा रहा है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

शेख हसीना की वतन वापसी के मायने

■ महेन्द्र तिवारी

(लेखक स्तंभकार हैं।)

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने स्वदेश लौटने की घोषणा कर दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। भारत में लगभग दो वर्षों से निर्वासन का जीवन बिता रहीं शेख हसीना ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा है कि वह आगामी दिसंबर के आसपास अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत में आत्मसमर्पण करेंगी। यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि उन्हें बांग्लादेश में अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई जा चुकी है और उनकी पार्टी अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

शेख हसीना ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वह यह देखना चाहती हैं कि वर्तमान बांग्लादेश सरकार अपने सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ किस प्रकार का व्यवहार करती है। उनके अनुसार यदि उन्हें गिरफ्तार किया जाता है या उनके जीवन पर खतरा भी आता है, तब भी वह अपने निर्णय से पीछे नहीं हटेंगी। उनका कहना है कि यदि मृत्यु भी आए तो वह अपने देश की धरती पर ही आए, जहां उनके माता पिता की स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। यह वक्तव्य उनके राजनीतिक आत्मविश्वास के साथ-साथ व्यक्तिगत साहस का भी परिचायक माना जा रहा है।

बांग्लादेश में वर्ष 2024 के छात्र आंदोलन और उसके बाद हुए राजनीतिक घटनाक्रम ने देश की राजनीति की दिशा बदल दी थी। लंबे समय तक सत्ता में रहीं शेख हसीना को पद छोड़ना पड़ा और वह भारत आ गईं। इसके बाद उनके विरुद्ध कई मामले दर्ज हुए। बाद में उन्हें अनुपस्थिति में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई तथा

अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने बांग्लादेश के लोकतांत्रिक ढांचे और राजनीतिक सहिष्णुता पर कई प्रश्न खड़े किए हैं।

शेख हसीना का स्वदेश लौटने का निर्णय केवल एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह एक राजनीतिक संदेश भी है। वह अपने समर्थकों को यह संकेत देना चाहती हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी नेतृत्व पीछे नहीं हटता। उनके अनुसार किसी राजनीतिक दल का भविष्य जनता तय करती है, न कि प्रतिबंध या मुकदमे। यदि वह वास्तव में लौटकर अदालत में आत्मसमर्पण करती हैं, तो यह बांग्लादेश की न्यायपालिका और वर्तमान सरकार दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा होगी। पूरी दुनिया यह देखेगी कि राजनीतिक विरोधियों के साथ न्यायिक प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष और पारदर्शी रहती है।

इस घटनाक्रम का प्रभाव केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगा। भारत और बांग्लादेश के संबंध भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। अगस्त 2024 के बाद से शेख हसीना भारत में रह रही हैं और उनकी उपस्थिति दोनों देशों के बीच एक संवेदनशील विषय रही है। यदि उनकी वापसी शांतिपूर्ण ढंग से होती है, तो यह भारत पर बने कूटनीतिक दबाव को भी कम कर सकती है। दूसरी ओर यदि उनकी गिरफ्तारी या उनके साथ किसी प्रकार का विवादास्पद व्यवहार होता है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी।

बांग्लादेश इस समय राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता की वास्तविक परीक्षा अभी बाकी है। शेख हसीना की वापसी इस परीक्षा को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकती है। यदि सरकार कानून के शासन और निष्पक्ष न्याय की भावना के अनुरूप कार्य करती है, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध की भावना हावी होती है, तो देश में अस्थिरता और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है।

दिसंबर में प्रस्तावित यह वापसी केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री की घर वापसी नहीं होगी, बल्कि बांग्लादेश के लोकतांत्रिक भविष्य का भी महत्वपूर्ण अध्याय सिद्ध हो सकती है। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह कदम राजनीतिक संवाद और लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है या फिर देश को एक नए राजनीतिक टकराव की ओर ले जाता है। पूरे दक्षिण एशिया की निगाहें अब बांग्लादेश के इस संभावित घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका

और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं। गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता। गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया। भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई। भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है। गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था। गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था। विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

– योगेन्द्र योगी

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एक नजर

कनिष्ठ प्रमुख हरिकृष्णा राणा।

पूर्व कनिष्ठ प्रमुख हरिकृष्णा राणा के डायरेक्टर निर्वाचन होने पर लोगों में खुशी

खटीमा। सहकारी समिति तराई विकास संघ रुद्रपुर के चुनाव में पूर्व कनिष्ठ प्रमुख हरिकृष्णा राणा बिरिया मझोला निवासी के निर्वाचित होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी एवं चुनाव अधिकारी कमलेश सिंह बिष्ट की देखरेख में संपन्न सहकारी समिति तराई विकास संघ में निर्वाचित हुए हरिकृष्णा राणा पत्नी गोविन्द सिंह राणा की इस सफलता पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सहकारिता के क्षेत्र में हरिकृष्णा राणा के डायरेक्टर निर्वाचित होने पर उनके निवास बिरिया मझोला स्थित उनके घर पर खुशी का माहौल है।

पंजाब नेशनल बैंक ने विद्यालय को दिया इनवर्टर और कूलर

• 250 छात्रों को बांटे स्कूल बैग

जागरण मोर्चा कार्यालय

सितारगंज। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के हल्द्वानी मण्डल कार्यालय की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सरकड़ा में शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय को इनवर्टर और कूलर भेंट किए गए, जबकि 250 छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग एवं पठन-पाठन सामग्री वितरित की गई। बैंक की इस पहल का विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीएनबी के मण्डल प्रमुख सिद्धार्थ अधिकारी ने कहा कि बैंक केवल वित्तीय सेवाएं प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना बैंक की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है और विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना समाज के उज्ज्वल भविष्य में निवेश करने के समान है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं देने के साथ-साथ शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में योगदान देना भी पीएनबी का प्रमुख उद्देश्य है। भविष्य में भी बैंक इसी तरह जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। पीएनबी के अधिकारियों, विद्यालय प्रशासन और ग्राम प्रधान ने संयुक्त रूप से पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक नवीन चन्द्र पाण्डेय ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इनवर्टर और कूलर जैसी सुविधाओं से विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान काफी राहत मिलेगी। वहीं स्कूल बैग और अध्ययन सामग्री मिलने से बच्चों का उत्साह भी बढ़ा है। इस अवसर पर जानकी अधिकारी, ग्राम प्रधान रमेश बाबा, पीएनबी की मुख्य प्रबंधक बबीता काण्डपाल, मुख्य प्रबंधक निखिलेश तिवारी, भूपेन्द्र पाण्डेय, मनोज दुबे सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन और स्थानीय लोगों ने पीएनबी का आभार व्यक्त करते हुए बैंक की इस सामाजिक पहल की सराहना की।

ईओ के खिलाफ जनआंदोलन की तैयारी, व्यापार मंडल भी आंदोलन में कूदा

जागरण मोर्चा कार्यालय

नानकमत्ता। नगर पंचायत नानकमत्ता के अधिशासी अधिकारी (ईओ) के खिलाफ चल रहा विरोध अब और तेज हो गया है। सभासदों और पर्यावरण मित्रों के धरना-प्रदर्शन के बीच सोमवार को व्यापार मंडल भी खुलकर आंदोलन के समर्थन में उतर आया। व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश गोयल के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कार्यालय में सौंपकर ईओ पर अभद्र व्यवहार, मनमानी कार्यशैली, जनसमस्याओं की अनदेखी तथा कार्यालय में नियमित रूप से उपस्थित न रहने जैसे गंभीर आरोप लगाए। साथ ही ईओ को तत्काल पद से हटाकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश गोयल ने कहा कि नगर के व्यापारी लंबे समय से बाजार क्षेत्र की सफाई, जल निकासी, अतिक्रमण, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर नगर पंचायत प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। इसके बावजूद समस्याओं के समाधान के बजाय व्यापारियों को उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि हाल ही में कुछ व्यापारी जनहित के मुद्दों को लेकर ईओ से मिलने पहुंचे थे, जहां बातचीत के दौरान ईओ ने अभद्र व्यवहार किया। इस घटना से व्यापारी वर्ग में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत कार्यालय में कई बार व्यापारी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, लेकिन अधिकांश समय ईओ कार्यालय में मौजूद नहीं मिले। इससे आम जनता और व्यापारियों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा छोटी-छोटी समस्याओं का भी समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि नगर पंचायत प्रशासन की कार्यशैली से लोगों का विश्वास लगातार कम हो रहा है। व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया कि वह नगर पंचायत के सभासदों द्वारा ईओ के खिलाफ चलाए जा रहे धरना-प्रदर्शन का पूर्ण समर्थन करता है। व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते शासन स्तर से उचित कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

संक्षेप समाचार

मिशन-2027 को लेकर भाजपा ओबीसी मोर्चा का मंडल प्रवास कार्यक्रम आयोजित

खटीमा। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, ऊधम सिंह नगर के चकरपुर मंडल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंडल प्रवास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दिनेश गिरी ने की, जबकि मुख्य वक्ता मंडल प्रभारी अजीत सिंह रहे। इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला महामंत्री संतोष चन्द ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मिशन–2027 की तैयारियों में पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन की नीतियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाकर पुन: उत्तराखंड में भाजपा सरकार बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिला महामंत्री संतोष चन्द ने बताया कि भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नेत्रपाल मौर्य एवं जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी के निर्देशन में ऊधम सिंह नगर जिले के सभी मंडलों में मंडल प्रवास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रत्येक कार्यकर्ता से संपर्क कर संगठन को मजबूत बनाने तथा मिशन–2027 के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आग्रह किया जा रहा है। कार्यक्रम में जानकी गोस्वामी (पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य), मंडल महामंत्री हरीश चन्द, जय प्रकाश गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष गोविन्दी देवी, हीरा चन्द, सुरेश भट्ट सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसी 12 साल की विपक्ष की स्थिति से नसीहत लें- गोपाल सिंह राणा विधायक

नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा।

खटीमा। नानकमत्ता के विधायक गोपाल सिंह राणा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी 2027 के चुनाव को आपसी तालमेल व संगठित होकर लड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों को आपसी कलह, प्रतिद्वंदिता के बजाय लगातार 12 सालों से चल रही प्रताड़ना एवं विपक्ष में बैठकर किए गए संघर्ष से सबक लेना चाहिए। उन्होंने भाजपा की डबल इंजन की सरकार को पूर्ण तया विफल बताते हुए कहा कि देश और प्रदेश की सरकार अब भाजपा की जुमलेबाजी से तंग आ चुकी है। वह कांग्रेस पार्टी से उम्मीद लगाई बैठी है कि वह देश व प्रदेश की बागडोर संभाले। विधायक गोपाल सिंह राणा अपने खटीमा स्थित कैंप कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी की बैठक उपरांत पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यकर्ताओं से कहा कि वह एक दूसरे की टांग खींचकर उसको गिराने के बजाय एक मत होकर 2027 के चुनाव जीतने के लिए संघर्ष करें। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा विकास के नाम पर की गई घोषणाएं अभी तक पूरी नहीं हो सकीं हैं । विधायक राणा ने नगर की मिसाल देते हुए कहा कि पूर्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगर के सौंदर्य करण की घोषणा की थी लेकिन आज नगर व उसको जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की दुर्दशा जग जाहिर है। हल्की सी बारिश में नगर के सौंदरीकरण की घोषणा की पोल पट्टी खुल जाती है। इन मार्गों की पटरियां जलमग्न अथवा कीचड़ युक्त जन असुविधाओं को आमंत्रित करते हैं। क्षेत्र को रिंग रोड का सपना दिखाकर आज रिंग रोड का नाम पर नाम नहीं लिया जाता है। क्षेत्र की जनता छोटी–छोटी समस्याओं के समाधान के लिए परेशान रहती है, लेकिन भाजपा के बदले की भावना से कोई भी पीड़ित व्यक्ति उफ तक नहीं कर पा रहा है। पेयजल मिशन योजना आज तक परिवार नहीं चढ़ सकी। नानक सागर भगचुरी मार्ग तत्कालीन मुख्यमंत्री पंडित नारायण दत्त तिवारी के कार्यकाल के दौर के बाद जर्जर हालत में है। सरकार ने कई सरकारी विद्यालय बंद तो करा दिएं लेकिन किसी भी एक विद्यालय का उचित नहीं किया। विकास के नाम पर सरकारी बजट का सरे आम दुरुपयोग किया जा रहा है। विधायक राणा ने कहा कि जिस पार्टी की बुनियाद ही छल फरेब से खड़ी हो, वह सरकार में रहकर देश और प्रदेश का विकास नहीं कर सकती। आम जनता महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार सहित अराजकता के माहौल में मुश्किल समय निकल रही है।

नमस्ते दिवस पर पर्यावरण मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण, सुरक्षा किट वितरित

पर्यावरण मित्रों को सुरक्षा किट वितरित करते नगर पालिका अध्यक्ष जोशी।

खटीमा। नगर पालिका परिषद खटीमा द्वारा मंगलवार को शहरी विकास निदेशालय के निर्देशन में "नमस्ते दिवस" के अवसर पर पर्यावरण मित्रों के सम्मान एवं सुरक्षा को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण मित्रों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया तथा उन्हें सुरक्षित कार्य प्रणाली और कार्यस्थल पर बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने पर्यावरण मित्रों को सुरक्षा किट वितरित करते हुए कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने में पर्यावरण मित्रों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान सुनिश्चित उन्होंने सभी पर्यावरण मित्रों से सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने की अपील भी की। कार्यक्रम में पर्यावरण मित्रों को नमस्ते योजना के उद्देश्यों, सुरक्षित कार्य प्रणाली तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर नगर विजय सहित विक्की, संतोष, राजा, महेश, सौरभ एवं समस्त पर्यावरण मित्र उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके लिए सुरक्षित एवं बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया।

नाबालिग सकुशल बरामद, पोक्सो आरोपी राजीव विश्वास गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

सितारगंज। पुलिस द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे "ऑपरेशन प्रहार" अभियान के तहत सितारगंज पुलिस ने नाबालिग के अपहरण के गंभीर मामले का मात्र छह दिन के भीतर सफल खुलासा करते हुए आरोपी राजीव विश्वास (21 वर्ष) निवासी ग्राम देवनगर, शक्तिफार्म को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अपहृत नाबालिग को सकुशल बरामद कर परिजनों को राहत दिलाई। जानकारी के अनुसार 7 जुलाई 2026 की रात आरोपी नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। युवती की माता की तहरीर पर कोतवाली सितारगंज में मु.अ.सं. 328/2026 के तहत धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी अजय गणपति ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक सिटी रुद्रपुर एवं क्षेत्राधिकारी सितारगंज के पर्यवेक्षण में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार सुरागरसी, पतारसी, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए 13 जुलाई को शक्तिफार्म क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद पुलिस द्वारा की गई गहन विवेचना और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में धारा 64(1), 87 बीएनएस के साथ पोक्सो अधिनियम की धारा 5/6 भी बढ़ा दी गई हैं, जिससे मामला और अधिक गंभीर हो गया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। इस उल्लेखनीय सफलता में प्रभारी निरीक्षक सुंदरम शर्मा, शक्तिफार्म चौकी प्रभारी एसआई जगदीश तिवारी, एसआई बबीता टम्टा, कांस्टेबल नीलम बर्गली एवं भोपाल की अहम भूमिका रही। ऑपरेशन प्रहार के तहत लगातार हो रही प्रभावी कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप है, जबकि आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ है। नाबालिग की सकुशल बरामदगी को पुलिस की संवेदनशीलता, त्वरित रणनीति और सक्रिय कार्यशैली का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

खटीमा के होनहार बॉक्सर मोहम्मद गुलफाम रज़ा का महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में चयन

जागरण मोर्चा कार्यालय

युवा बॉक्सर मोहम्मद गुलफाम रज़ा को सम्मानित करता विद्यालय प्रबंधन।

खटीमा। नगर के होनहार युवा बॉक्सर मोहम्मद गुलफाम रज़ा ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया है। उनके चयन से खटीमा सहित पूरे ऊधम सिंह नगर जनपद में खुशी का माहौल है। मोहम्मद गुलफाम रज़ा ने हाल ही में आयोजित अंडर-14 बॉक्सिंग प्रतियोगिता में ऊधम सिंह नगर जनपद में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसी शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राज्य के प्रतिष्ठित खेल संस्थान महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए हुआ।गुलफाम खटीमा निवासी एवं अधिवक्ता डॉ. इरशाद के पुत्र हैं। उनकी इस सफलता को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। खेल प्रेमियों का कहना है कि यदि गुलफाम इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ते रहे तो वे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। गुलफाम रज़ा की इस उपलब्धि पर हाकिम अली, डॉ. आलम, एडवोकेट मंगल, अनवर अली, ललित पांडेय, मोहन मौर्य सहित अनेक खेल प्रेमियों, शुभचिंतकों एवं परिजनों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

शासन ने सितारगंज, शक्तिफार्म पालिका, नगर पंचायत में नामित किए सभासद

सितारगंज। उत्तराखंड शासन ने स्थानीय निकायों को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सितारगंज नगरपालिका परिषद में पांच तथा नगर पंचायत शक्तिफार्म में तीन सभासदों को नामित किया है। शासन की ओर से जारी अधिसूचना के बाद दोनों निकायों में राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने नव नामित सभासदों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। शासन के उप सचिव प्रदीप कुमार शुक्ल द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सितारगंज नगरपालिका परिषद में नरेंद्र सिंह राना पुत्र राज भरोसे, बाबू कैयाल पुत्र महेंद्र कैयाल, धर्मा देवी पत्नी द्वारिका प्रसाद, अभिषेक जैन पुत्र सुरेश जैन तथा प्रमोद सिंह रावत पुत्र लक्ष्मण सिंह रावत को सभासद नामित किया गया है।

विकासखंड खटीमा की 59 ग्राम पंचायतों में उपप्रधान चुनाव आज

चुनाव की तैयारी को लेकर रिचार्ज विमर्श करते पोलिंग पार्टियां। –जागरण मोर्चा

पोलिंग पार्टियों को मतपेटी वितरित करते अधिकारी। –जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। खटीमा विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों में उपप्रधान पद के चुनाव संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंगलवार को विकासखंड कार्यालय से पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया। बुधवार, 15 जुलाई आज मतदान होगा और मतगणना के बाद शाम तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। खंड विकास अधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी संजय गांधी ने बताया कि चुनाव में 59 ग्राम पंचायतों के 622 वार्ड सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक उम्मीदवारों को नामांकन प्रपत्र वितरित किए जाएंगे। इसके बाद 10 बजे तक नामांकन, 11 बजे जांच, दोपहर 12:30 बजे तक नाम वापसी तथा 1 बजे चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर 1:30 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होते ही मतगणना शुरू होगी और विजयी प्रत्याशियों को मौके पर ही विजय प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारी संजय गांधी ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है, जबकि अन्य मतदान केंद्रों पर भी नियमित पुलिस गश्त रहेगी। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

कार्यक्रम | शहीद हरिकिशन शिक्षण संस्थान में छात्र–छात्राओं के साथ हुआ घुसपैठ, नशा एवं सीमा सुरक्षा विषय पर जागरूकता संवाद

सीमांत क्षेत्र के छात्रों को राष्ट्र निर्माण में निभानी होगी सक्रिय भूमिका : आशीष वाजपेयी

जागरण मोर्चा कार्यालय

छात्र–छात्राओं को घुसपैठ, नशा एवं सीमा सुरक्षा विषय पर जागरूक करते आशीष बाजपेयी। –जागरण मोर्चा

खटीमा। सीमा जागरण मंच, उत्तराखंड की ओर से सोमवार को मेलाघाट अशोक फार्म स्थित शहीद हरिकिशन शिक्षण संस्थान में छात्र-छात्राओं के साथ घुसपैठ, नशा एवं सीमा सुरक्षा विषय पर जागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीमा जागरण मंच के प्रदेश संगठन मंत्री आशीष वाजपेयी ने कहा कि नेपाल और तिब्बत सीमा से सटे उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले छात्र-छात्राओं को आंतरिक सुरक्षा, आत्मरक्षा, आपदा प्रबंधन, आत्मनिर्भरता तथा सीमा क्षेत्र से जुड़े विषयों की जानकारी देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ती तस्करी, नशे का कारोबार और राष्ट्रविरोधी गतिविधियां युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन रही हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की जागरूकता और सामाजिक भागीदारी इन चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सजग और जागरूक छात्र सबसे बड़ी ताकत हैं। विद्यालयों में खेल प्रतियोगिताएं, सीमा ज्ञान प्रतियोगिताएं, भारत माता पूजन एवं राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों में देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित की जा सकती है। कार्यक्रम में सीमांत क्षेत्रों के विकास, रिवर्स पलायन रोकने तथा आत्मनिर्भर सीमांत गांवों के निर्माण में समाज की सहभागिता बढ़ाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सीमा जागरण मंच के जिला महामंत्री अमित सिंह बिष्ट, वरिष्ठ कार्यकर्ता कैलाश पांडे, प्रधानाचार्य सुदर्शन डोबरियाल, प्रेमा सामंत, आसमां सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कोतवाली में शिवलिंग की होगी प्राण-प्रतिष्ठा, एसएसपी रहेंगे मौजूद

सितारगंज। कोतवाली सितारगंज परिसर में बुधवार 15 जुलाई को धार्मिक, सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। यहां सुबह 11 बजे थाना दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कोतवाली परिसर स्थित मंदिर में विधि-विधान के साथ शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। साथ ही परिसर में मैस सहित कराए गए विभिन्न नवीन निर्माण कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके साथ पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भी मौजूद रहेंगे। पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बग्गा-54 के ग्रामीणों ने सांसद अजय भट्ट को सौंपा ज्ञापन, मूलभूत सुविधाओं की उठाई मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

जन समस्याओं को लेकर सांसद अजय भट्ट से मिलते भाजपा नेता।

खटीमा। खटीमा क्षेत्र के बग्गा-54 (सरपुड़ा) के ग्रामीणों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सांसद अजय भट्ट को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से भाजपा नेता व ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल करने की मांग भी की। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में आवश्यक सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। ज्ञापन में नारायण दत्त तिवारी आदर्श पूर्व माध्यमिक विद्यालय, बग्गा-54 की चहार दीवारी निर्माण, बीएसएनएल के 3जी नेटवर्क के स्थान पर 5जी टावर स्थापित करने, खटीमा से बग्गा-54 को जोड़ने वाले सुरई वन क्षेत्र मार्ग की मरम्मत तथा ग्राम सभा में स्ट्रीट लाइटें लगाने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय की चहारदीवारी नहीं होने के कारण जंगली जानवरों, आवारा पशुओं और असामाजिक तत्वों का खतरा बना रहता है। वहीं, सुरई वन क्षेत्र मार्ग की जर्जर स्थिति से आवागमन में भारी दिक्कतें होती हैं। ग्राम सभा में पर्याप्त स्ट्रीट लाइटें न होने से रात के समय सुरक्षा संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं। सांसद अजय भट्ट ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और बग्गा-54 की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान भाजपा नेता मोहन सिंह चुफाल, सदानंद जोशी, नरेंद्र सिंह चौहान, टार्जन सिंह, चंचल सिंह एवं दिनेश चंद सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

कौशिक विजडम प्री स्कूल में क्राफ्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन, बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा ने मोहा मन

समर कैंप में तैयार हस्तनिर्मित कलाकृतियों की लगी आकर्षक प्रदर्शनी, अभिभावकों ने की सराहना

जागरण मोर्चा कार्यालय

कौशिक विजडम प्री स्कूल में आयोजित क्राफ्ट प्रदर्शनी का शुभारंभ करते प्रबंध निदेशक नितिन कौशिक एवं प्रधानाचार्या भावना कौशिक। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। शहर स्थित कौशिक विजडम प्री स्कूल में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भव्य क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध निदेशक नितिन कौशिक एवं प्रधानाचार्या भावना कौशिक ने फीता काटकर किया। प्रदर्शनी में समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई आकर्षक एवं हस्तनिर्मित कलाकृतियों को सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया, जिन्हें देखकर अभिभावकों और अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की मुक्तकंठ से सराहना की। विद्यालय में आयोजित छह दिवसीय समर कैंप के दौरान प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों ने शिक्षकों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अनेक रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया था। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और सृजनात्मक सोच का परिचय देते हुए सजावटी वस्तुएं, आकर्षक खिलौने, गुल्लक, बोतल सज्जा, ओरिगामी, फैब्रिक पेंटिंग तथा अन्य हस्तनिर्मित कलाकृतियां तैयार कीं। इन्हीं उत्कृष्ट कृतियों को प्रदर्शनी में आकर्षक ढंग से सजाया गया। विशेष रूप से प्ले ग्रुप, प्री-नर्सरी और नर्सरी के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए सजावटी सामान, रंग-बिरंगे खिलौने, ओरिगामी मॉडल, फैब्रिक पेंटिंग और अन्य कलात्मक कृतियों ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बच्चों की मेहनत, लगन और रचनात्मक सोच प्रत्येक कलाकृति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने थ्रेड पेंटिंग, ईयरबड पेंटिंग, फैब्रिक पेंटिंग, क्ले मोल्डिंग, ओरिगामी, गुल्लक निर्माण, बोतल सज्जा, सॉफ्ट टॉय निर्माण, नृत्य, कला एवं शिल्प तथा बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने न केवल नई तकनीकों को सीखा, बल्कि अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी और आकर्षक रूप देने की कला भी विकसित की। प्रदर्शनी में मौजूद प्रत्येक कलाकृति विद्यार्थियों की सीखने की उत्सुकता, कल्पनाशीलता और मेहनत की कहानी बयां कर रही थी। प्रदर्शनी देखने पहुंचे अभिभावकों और अतिथियों ने विद्यालय की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने बच्चों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्या भावना कौशिक ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना भी है। इसके लिए उन्हें आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन निरंतर किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों की प्रतिभा को उचित मंच मिल सके और उनका आत्मविश्वास बढ़े। प्रबंध निदेशक नितिन कौशिक ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में रचनात्मकता, टीम भावना, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान का विकास करती हैं। समर कैंप के दौरान बच्चों ने जिस उत्साह और लगन के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षिकाओं और अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय भविष्य में भी बच्चों के समग्र विकास के लिए ऐसे आयोजन करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने प्रदर्शनी को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बदहाल बिजली व्यवस्था पर व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जनपद में लगातार बिगड़ रही विद्युत व्यवस्था को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन ने आरोप लगाया है कि अघोषित बिजली कटौती, बार-बार होने वाले फॉल्ट और अधिकारियों की लापरवाही के कारण आम जनता के साथ-साथ व्यापारी वर्ग भी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है।

अनुप अग्रवाल।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का कहना है कि जिले में बिजली आपूर्ति लगातार बाधित रहने से व्यापारिक प्रतिष्ठानों का संचालन प्रभावित हो रहा है। छोटे उद्योगों और कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज कराने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क करने पर अधिकांश अधिकारी फोन तक नहीं उठाते, जिससे उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पाता। संगठन ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जनपद पीलीभीत की विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार कराया जाए। साथ ही अधिकारियों को उपभोक्ताओं की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए जाएं तथा उनके सरकारी मोबाइल फोन हर समय सक्रिय रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में फोन न उठाने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई है। व्यापार मंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान कराएंगे। ज्ञापन देने वालों में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अनूप अग्रवाल, जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल तथा अंकुर अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में दिनदहाड़े छात्रा की हत्या

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला अस्पताल परिसर मंगलवार सुबह उस समय दहल उठा, जब पैरामेडिकल प्रथम वर्ष के एक छात्र ने अपनी सहपाठी छात्रा पर धारदार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। सीटी स्कैन कक्ष के भीतर हुई इस सनसनीखेज वारदात में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे बचाने के लिए आगे आई सीटी स्कैन विभाग की महिला कर्मचारी भी हमले में घायल हो गईं। छात्रा को पहले मेडिकल कॉलेज में प्राथमिक उपचार दिया गया, इसके बाद गंभीर हालत में बरेली रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे पैरामेडिकल प्रथम वर्ष का छात्र सागर अपनी सहपाठी कशिश पटेल, निवासी केसरपुर (बरेली), के पास सीटी स्कैन कक्ष में पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों के बीच पहले कुछ बातचीत हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। इसी दौरान आरोपी ने अपने पास मौजूद धारदार चाकू निकालकर छात्रा के गले और शरीर पर कई वार कर दिए। अचानक हुए हमले से छात्रा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी और परिसर में चीख-पुकार मच गई। घटना के दौरान सीटी स्कैन विभाग में तैनात कर्मचारी निधि छात्रा को बचाने के लिए तुरंत आगे बढ़ीं। उन्होंने आरोपी को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ में चोट आ गई। उनकी बहादुरी और तत्परता के कारण मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और अस्पताल कर्मचारियों को आरोपी को काबू करने का अवसर मिल गया। बाद में आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, साक्ष्य जुटाए और कॉलेज के छात्र-छात्राओं सहित अस्पताल कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी। घटना के बाद कुछ समय के लिए अस्पताल की व्यवस्थाएं भी प्रभावित रहीं। सीटी स्कैन कक्ष और इमरजेंसी के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई तथा कई मरीज और तीमारदार भय के कारण अस्पताल से बाहर निकल गए। गंभीर रूप से घायल छात्रा का मेडिकल कॉलेज में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने रक्तस्राव रोकने, रक्त चढ़ाने और अन्य जीवनरक्षक उपचार के प्रयास किए, लेकिन हालत लगातार नाजुक बनी रही। इसके बाद उसे उन्नत चिकित्सा सुविधा के लिए एएलएस एंबुलेंस से बरेली रेफर किया गया। एंबुलेंस के साथ चिकित्सकों की टीम और आवश्यक जीवनरक्षक संसाधन भी भेजे गए। हालांकि बरेली में उपचार के दौरान छात्रा ने दम तोड़ दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में छात्र और छात्रा के बीच पहले से किसी विवाद और प्रेम प्रसंग की चर्चा सामने आई है।

भारत विकास परिषद बांसुरी शाखा की पारिवारिक आम गोष्ठी में रिश्तों की मिठास घुली

एकता सरोवर पार्क में आयोजित भारत विकास परिषद बांसुरी शाखा की पारिवारिक आम गोष्ठी में उपस्थित पदाधिकारी, सदस्य एवं अतिथिगण। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। भारत विकास परिषद की बांसुरी शाखा की ओर से मंगलवार सुबह एकता सरोवर पार्क में पारिवारिक आम गोष्ठी का आयोजन किया गया। स्नेह, अपनत्व और पारिवारिक माहौल में आयोजित इस कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने एक साथ बैठकर आम और मिश्राम्बू का आनंद लिया तथा संगठन की गतिविधियों और सामाजिक दायित्वों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग प्रचारक अमित कुमार, जिला प्रचारक दुष्यंत तथा नगर प्रचारक अनमोल की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने परिषद द्वारा समाज देने के प्रयासों की सराहना की। प्रांतीय सचिव डॉ. अनिल सक्सेना ने कहा कि बांसुरी शाखा द्वारा प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में पारिवारिक आम गोष्ठी आयोजित की जाती है। इस आयोजन का उद्देश्य केवल आम का स्वाद लेना नहीं, बल्कि परिषद परिवार के बीच आत्मीयता, संवाद और संगठनात्मक एकता को मजबूत करना भी है। शाखा अध्यक्ष जगदीश सक्सेना ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और पारिवारिक जुड़ाव से होती है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पेट्रोल में मिलावट के खिलाफ अपना दल कमेरावादी ने जुलूस निकाल कर दिया धरना

जागरण मोर्चा कार्यालय

उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देते अपना दल कमेरावादी के कार्यकर्ता व तहसील परिसर में धरना पर बैठे कार्यकर्ता। -जागरण मोर्चा

बीसलपुर। अपना दल कमेरावादी जिला इकाई के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय आवाहन पर किसानों की समस्याओं और पेट्रोल में इथेनॉल मिलावट के खिलाफ नगर में जुलूस निकालकर तहसील परिसर में धरना दिया व राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

मंगलवार क अपना दल कमेरा बादी पार्टी के कार्यकर्ता कैंप कार्यालय पर एकत्र हुए जिला अध्यक्ष प्रेम सागर पटेल व जिला कोषाध्यक्ष प्रेम सागर पटेल के नेतृत्व में नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में तहसील परिसर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। धरना स्थल पर सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में देश और प्रदेश का किसान उर्वरक (खाद) के भारी संकट से जूझ रहा है जबकि इस समय उसे धान ,गन्ने एवं खरीफ की अन्य फसलों के लिए उर्वरक की तत्काल आवश्यकता है।किसान यदि किसी तरह से फसल तैयार कर भी लेता है तो छुट्टा पशुओं से उसे बचा पाना मुश्किल है।14 दिनों के अंदर गन्ना का भुगतान कराने का वादा करने वाले 14 महीनों में भी किसानों को भुगतान नहीं दिला पा रहे हैं। इसके अलावा पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट के कारण वाहन स्वामियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।एसडीएम नागेंद्र पांडे ने वार्ता कर कार्यकर्ताओं का ज्ञापन लिया। ज्ञापन देने वालों में देव शर्मा, रामचंद्र लाल कोरी, प्रमोद गंगवार, शिव कुमार पटेल,रामबाबू पटेल, हरिओम गंगवार , साधुराम ,अंग्रेज सिंह रामचंद्र लाल गंगवार आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मामूली कहासुनी पर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, छह घायल

पूरनपुर। धान की रोपाई के लिए खेत जा रहे युवक और घर के बाहर खड़े ग्रामीण के बीच कहासुनी हो गई। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते लाठी-डंडे चलने लगे। दोनों पक्षों की ओर से आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में क्रास मुकदमा दर्ज किया है। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव सिमरिया ता.अजीतपुर बिल्हा निवासी राकेश कुमार सोमवार को धान की रोपाई करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान गांव निवासी रामग्रीस अपने घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। दोनो ओर से गाली गलौज शुरू हो गई। देखते देखते ही मामला तूल पकड गया। दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर आमने सामने आ गए।

श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर हिन्दू महासभा सक्रिय

जागरण मोर्चा कार्यालय

श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते अखिल भारत हिन्दू महासभा के पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की मांग को लेकर मंगलवार को अखिल भारत हिन्दू महासभा के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को मांगपत्र सौंपा। संगठन ने प्रशासन से यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने और संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की। युवा जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा और युवा जिला महामंत्री आयुष सक्सेना के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में शिवभक्त और कांवड़ यात्री जिले के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि प्रमुख एवं सहायक कांवड़ मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कराया जाए और जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, वहां तत्काल मरम्मत कराई जाए। संगठन ने कहा कि कई स्थानों पर सड़कें टूटी हुई हैं तथा गड्ढे, कंकड़-पत्थर और निर्माण सामग्री दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। यदि समय रहते इन कमियों को दूर नहीं किया गया तो कांवड़ यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी मार्गों को सुरक्षित और सुगम बनाया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में नगर और कांवड़ मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की भी मांग की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि नालियों की नियमित सफाई, कूड़ा उठान और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके और बरसात के मौसम में गंदगी व जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। विद्युत सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने प्रशासन से मांग की कि कांवड़ मार्गों पर लगे विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर और बिजली के तारों की तकनीकी जांच कराई जाए। खुले विद्युत बिंदुओं को सुरक्षित किया जाए तथा संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा घेराबंदी की व्यवस्था की जाए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। प्रतिनिधिमंडल ने नगर के चूने वाली गली क्षेत्र में स्वच्छता, यातायात और अतिक्रमण से जुड़ी समस्याओं की ओर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

आयोजन ज्ञान और प्रतिभा का महाकुंभ : प्रतियोगिता में युवा सदन ने फहराया विजय पताका

ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल की सामान्य ज्ञान अंतरसदनीय प्रश्नोत्तरी

जागरण मोर्चा कार्यालय

ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सामान्य ज्ञान अंतरसदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान विजेता युवा सदन एवं उपविजेता श्रेष्ठ सदन की टीम को सम्मानित करते विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा छाबड़ा, मुख्य अध्यापिका सोनिया, वरिष्ठ शिक्षक प्रशांत गुप्ता तथा अन्य शिक्षकगण। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। सुरभि कॉलोनी स्थित ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की योग्यता तथा आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सामान्य ज्ञान अंतरसदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026 का भव्य आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर उत्साह, रोमांच और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माहौल से सराबोर रहा। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और निर्णय लेने की दक्षता का विकास करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय के महत्वाकांक्षी सदन, श्रेष्ठ सदन, युवा सदन तथा गौरव सदन के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रश्नोत्तरी के विभिन्न चरणों में सामान्य ज्ञान, विज्ञान, इतिहास, भूगोल, समसामयिक घटनाओं, खेल, साहित्य एवं तार्किक प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का परीक्षण किया गया। प्रतिभागियों ने प्रत्येक प्रश्न का आत्मविश्वास और सूझबूझ के साथ उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठे विद्यार्थियों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कड़े और रोमांचक मुकाबले के बाद युवा सदन ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम में आयुष, शिरीष अग्रवाल, सिद्धि सक्सेना, समन्वय नील एवं समर वर्मा शामिल रहे। वहीं श्रेष्ठ सदन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। उपविजेता टीम में खुशरीत कौर, अल्तमाश, रितिका चौधरी, शिखर रस्तोगी एवं समर्थ यादव शामिल रहे। अन्य सदनों के प्रतिभागियों ने भी शानदार प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को बेहद रोचक और यादगार बनाया।

दो घरों में हुई चोरी की घटना पुलिस ने किया खुलासा

पूरनपुर। हजारा थाना ने दो घरों से हुई चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बीते शुक्रवार की रात को चोरों ने गांव लक्ष्मनपुर के नैमुद्दीन के घर के पीछे का रोशनदान निकालकर प्रवेश किया था। चोर उसके घर के कमरे में रखी अलमारी तोड़कर सोने,चांदी के जेवरात और 95 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए थे। नैमुद्दीन की पत्नी फरजाना बानो पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल हैं। चोरों ने इसके अलावा गांव अशोक नगर के केशवदास के घर में घुसकर सोने, चांदी के जेवरात चोरी कर लिए थे। मामले की तहरीर मिलने पर हजारा पुलिस ने दोनों घटनाओं का केशवदास की ओर से अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस दौरान पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी

सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच बजाज शुगर मिल कॉलोनी में चोरी, दो बंद क्वार्टरों के ताले तोड़े

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जनपद की बरखेड़ा बजाज हिंदुस्थान शुगर मिल की आवासीय कॉलोनी में मंगलवार सुबह चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। अज्ञात चोरों ने मिल परिसर के भीतर स्थित दो बंद क्वार्टरों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। खास बात यह है कि जिस कॉलोनी में सुरक्षा गार्डों की 24 घंटे तैनाती रहती है, वहीं चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घटना के बाद मिल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, चीनी मिल में असिस्टेंट मैनेजर (एचआर) संजीव बाजपेई तथा केन विभाग के कर्मचारी संजीव फरीदी अपने-अपने आवासों में ताला लगाकर शनिवार को बाहर गए हुए थे। संजीव बाजपेई पारिवारिक कार्य से लखनऊ गए थे, जबकि संजीव फरीदी मेरठ गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने दोनों आवासों को निशाना बना लिया। मंगलवार सुबह सामने रहने वाले कर्मचारी अनुज शुक्ला की नजर सबसे पहले संजीव बाजपेई के टूटे ताले पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना मिल प्रबंधन को दी। उधर, संजीव फरीदी के आवास पर खाना बनाने पहुंची महिला ने भी दरवाजे का ताला टूटा देखा तो अधिकारियों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही मिल प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि संजीव बाजपेई के घर की अलमारी और उसका लॉकर तोड़ा गया था। आभूषण रखने वाले बॉक्स खाली पड़े मिले, जबकि कमरों में सामान बिखरा हुआ था। इससे आशंका है कि चोर घर में रखे कीमती सामान और जेवरात समेट ले गए। हालांकि चोरी गए सामान की वास्तविक जानकारी दोनों कर्मचारियों के लौटने के बाद ही सामने आएगी।

एक नजर

शादी का झांसा देकर बनाए संबंध, शादी के बाद मांगा अतिरिक्त दहेज

पूरनपुर। शादी का झांसा देकर युवक ने शारीरिक संबंध बनाए। कुछ दिन बाद युवक मुकर गया। पंचायत में दोनों की शादी कर दी गई। लेकिन कुछ दिन बाद दहेज की मांग शुरू कर दी। पुलिस ने पति सहित सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सेहरामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी के कुछ समय बाद ही दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। एक महिला ने बताया कि वह 2023 में अपनी रिश्तेदारी में गई थी। वहां उसकी मुलाकात एक युवक से हुई। युवक ने उससे शादी करने का झांसा दिया। जिस पर महिला उसके झांसे में आ गई। युवक शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। शादी करने की बात पर युवक मुकर गया। जिस पर पंचायत बुलाई गई। पंचायत में दोनों की शादी करने की सहमति वनी। 2024 में दोनों की शादी हुई।

अमरिया में बालश्रम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पांच बच्चों को कराया गया मुक्त

मैकेनिक शॉप, होटल, ढाबों और दुकानों पर चला संयुक्त अभियान, दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को अमरिया क्षेत्र में बालश्रम उन्मूलन के लिए व्यापक संयुक्त अभियान चलाया गया। श्रम विभाग, जिला प्रोबेशन विभाग, पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन की टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर पांच बाल श्रमिकों को बालश्रम से मुक्त कराया। जिला प्रोबेशन अधिकारी के सहयोग तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान मैकेनिक शॉप, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, कपड़े की दुकानें, किराना स्टोर और स्टील वर्क्स समेत कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पांच बच्चों से श्रम कराए जाने की पुष्टि होने पर उन्हें तत्काल कार्यस्थलों से मुक्त कराया गया। बचाए गए सभी बच्चों को वर्चुअल माध्यम से बाल कल्याण समिति, पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति ने बच्चों के अभिभावकों को भविष्य में किसी भी परिस्थिति में बच्चों से मजदूरी न कराने की सख्त हिदायत देते हुए उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने प्रतिष्ठान संचालकों को भी बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम-2016 के प्रावधानों की जानकारी दी। बताया गया कि खतरनाक कार्यों में बाल श्रमिकों को नियोजित करने वाले नियोक्ताओं के विरुद्ध एक वर्ष तक के कारावास, 50 हजार रुपये तक के जुर्माने अथवा दोनों प्रकार की कार्रवाई का प्रावधान है। इसके अलावा प्रत्येक बाल श्रमिक के लिए 20 हजार रुपये चाइल्ड लेबर वेलफेयर फंड में जमा कराए जाने की व्यवस्था भी है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि पहली चेतावनी के बाद यदि अभिभावक दोबारा बच्चों को मजदूरी में लगाते पाए गए तो उनके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, एसजेपीयू प्रभारी निरीक्षक अर्जुन सिंह, डीसीपीयू परामर्शदाता अभिषेक शुक्ला, एएचटी थाना के कांस्टेबल अमित तथा थाना अमरिया पुलिस की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही।

आयुक्त के निर्देश पर मुख्य वफ्फ निरीक्षक ने किया मुआइना

जागरण मोर्चा कार्यालय

विवादित कब्रिस्तान के निरीक्षण के दौरान मुख्य वफ्फ निरीक्षक। -जागरण मोर्चा

तिलहर शाहजहांपुर। हाईवे के किनारे स्थित वक्फ़ संख्या 522 के कब्रिस्तान की भूमि पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण के मामले को गंभीरता से लेते हुए, सहायक सर्वे वक्फ़ आयुक्त के निर्देश पर मुख्य वक्फ़ निरीक्षक श्रीकांत आजाद ने स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपते हुए एसडीएम से उक्त स्थल की पैमाइश कराए जाने तथा पुलिस को निर्माण कार्य रुकवा कर यथास्थिति कायम रखने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को प्रशासनिक अमले व भारी पुलिस बल की मौजूदगी में छंगेलाल मंदिर व हाइवे के मध्य स्थित कथित तौर पर वक्फ संख्या 522 के खसरा नंबर 139 के रकवा 0.48 (अलल खैर कब्रिस्तान) का गेट जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर उक्त भूखंड की बाउंड्री बाल कर कब्जा कर लिया गया था। जिसकी खबरें प्रमुखता से छपने और सहायक सर्वे वक्फ़ आयुक्त के आधा दर्जन लोगों द्वारा की गई शिकायत के मद्देनजर मंगलवार को उक्त भूखंड का श्रीकांत आजाद ने टीम के साथ नगर के वहीदुल्लागंज ग्राम हिन्दू पट्टी स्थित वक्फ़ अभिलेख दफ़्ता 37 में दर्ज वक्फ़ संख्या 522 (कब्रिस्तान), खसरा संख्या 139, रकबा 0.48 हे० भूमि पर किए गए अवैध कब्जे की शिकायत के मद्देनजर स्थलीय निरीक्षण किया। सहायक सर्वे वक्फ़ आयुक्त ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ़ बोर्ड, लखनऊ के अभिलेखों के अनुसार उक्त भूमि वर्ष 1984 से कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है। एसडीएम से कहा गया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित भूमि की पैमाइश कराकर अवैध कब्जा हटाने तथा निर्माण कार्य तत्काल रुकवाने के लिए कार्रवाई की जाए, ताकि वक्फ़ संपत्ति को उसकी मूल स्थिति में सुरक्षित रखा जा सके।

युवक की हत्या : पोस्टमार्टम के बाद सड़क पर शव रखकर किया चक्का जाम

- बारात से लौट रहे तीन युवकों पर हुआ था हमला
- परिजनों करो आरोपियों ने युवक के पिता की भी की थी हत्या

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। थाना कादर चौक क्षेत्र के एक गांव में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां कार खड़ी करने को लेकर हुए झगड़े में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मामले में 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छह आरोपियों को हिरासत में लिया है। पोस्टमार्टम के बाद वजन सब लेकर गांव पहुंचे तो बीच रास्ते में सड़क पर सब रख कर जमकर हंगामा किया देर शाम तक पुलिस अधिकारी परिजनों को मनाने में लगे हुए हैं लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं है।

जानकारी के अनुसार, कादर चौक निवासी कल्याण सिंह की बेटी की बारात रविवार रात गांव में आई थी। बारात में शामिल होने के बाद हरिओम पुत्र कृपाल सिंह, रामानंद पुत्र राजेश और जोगेंद्र पुत्र गणपत घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के चौराहे पर चंद्रवीर पुत्र देवेंद्र और जितेंद्र पुत्र सुरेश अपनी कार लेकर पहुंचे। चौराहे पर कार खड़ी करने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई।

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने कुल्हाड़ी, लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में हरिओम, रामानंद और जोगेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से हरिओम की हालत गंभीर होने पर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। देर रात इलाज के दौरान हरिओम की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर 12 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने छह आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों ने युवक के पिता की भी हत्या की थी। अगर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आरोपी इसी तरह से एक के बाद एक हत्या करते रहेंगे उधर का अशोक कुमार सिंह ने बताया की देर शाम को परिजनों को मना लिया गया कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है इस घटना में जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाकृद की मांगों पर ना हुई कार्रवाई तो होगा संघर्ष-प्रमोद

तिलहर शाहजहांपुर। भारतीय कृषक दल के राष्ट्रीय महासचिव प्रमोद कुमार यादव ने कहा हैकी 15 सूत्रीय मांग पत्रों पर यदि सरकार ने जल निर्णय न लिया तोभारतीय कृषक दल संघर्ष का मार्ग अपनाएगा और जनता के लिए अपनी सारी ताकत लगा कर जनता को उसका हक दिला कर रहेगा । माननीय राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश द्वारा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को निर्देश के बाद भी तिलहर जनपद शाहजहापुर में जनहित के 15 सूत्री मांगपत्र की अनेक जनहित मांगो पर अभी भी स्थानीय प्रशासन कुछ भ्रष्ट नेताओं की कठपुतली बनकर जनहित की उपेक्षा कर रहा है। तिलहर व शाहजहांपुर प्रशासन स्थानीय बहरा गूंगा अंधा बना रहा तो शीघ्र बड़ा जनसत्याग्रह होगा और भारी जनाक्रोश के लिए शासन प्रशासन जिम्मेदार होगा।

संक्षेप समाचार

मदरसे के निरीक्षण के दौरान मुख्य वफ्फ निरीक्षक। -जागरण मोर्चा

मुख्य वफ्फ निरीक्षक ने किया मदरसे का औचक निरीक्षण, शैक्षिक एवं प्रशासनिक गुणवत्ता को परखा

तिलहर शाहजहाँपुर। जनपद के अनुदानित मदरसा दिनीयात तालीमुल क़ुरआन, तिलहर का मुख्य वक़्फ़ निरीक्षक श्रीकांत आज़ाद ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मदरसे की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के समय सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित मिले। मुख्य वक़्फ़ निरीक्षक ने सभी शिक्षकों से परिचय प्राप्त किया तथा उनकी कार्यप्रणाली एवं दायित्वों की जानकारी ली। उन्होंने मदरसे में साफ़-सफ़ाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया और इसे निरंतर बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्यान्ह भोजन (मिड-डे मील) की व्यवस्था का भी निरीक्षण करते हुए कहा कि भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही तैयार कराया जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही विद्यालय के समस्त अभिलेखों के सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखरखाव, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य वक़्फ़ निरीक्षक ने कहा कि शासन के निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सभी शिक्षकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन तथा नियमित शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए।

व्यापारियों ने रेलवे स्टेशन परिसर में किया वृक्षारोपण

व्यापार मंडल ने किया वृक्षारोपण कार्यक्रम। -जागरण मोर्चा

शाहजहाँपुर। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उ0प्र0 (पंजी0) के आह्वान पर आज जिला अध्यक्ष सौमित्र गुप्ता के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, सर्व प्रथम स्टेशन अधीक्षक ए के गौतम को पौधा सौंपा गया। इस अवसर पर व्यापारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

74वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिताः शाहजहाँपुर और बरेली की टीमें फाइनल में

शाहजहाँपुर। 74वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 (बरेली जोन) के अंतर्गत जी.एफ. कॉलेज ग्राउंड, शाहजहाँपुर में मंगलवार को पुरुष वर्ग के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। रोमांचक मुकाबलों में शाहजहाँपुर और बरेली की टीमों ने जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले सेमीफाइनल में मेजबान शाहजहाँपुर ने रामपुर को 2-0 से हराकर शानदार जीत हासिल की। शाहजहाँपुर की ओर से कांस्टेबल हिमांशु विष्ट और मोनवीर ने एक-एक गोल कर टीम को फाइनल तक पहुंचाया। दूसरे सेमीफाइनल में बरेली ने बदायूं को 2-0 से पराजित किया। बरेली की ओर से कांस्टेबल आकाश और पारस ने एक-एक गोल दागकर टीम को फाइनल का टिकट दिलाया। अब प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 15 जुलाई 2026 को आयोजित होगा। प्रात:काल महिला वर्ग का फाइनल शाहजहाँपुर बनाम बरेली के बीच खेला जाएगा, जबकि सायंकाल पुरुष वर्ग का फाइनल भी शाहजहाँपुर और बरेली के बीच होगा। पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबलों को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। दोनों वर्गों में शाहजहाँपुर और बरेली की टीमें आमने-सामने होने से रोमांचक मुकाबले की उम्मीद जताई जा रही है

रम्पुरिया बाबा के पास सड़क हादसा, युवक गंभीर घायल

पूरनपुर। घुंघचाई। थाना क्षेत्र के सिमरिया ता.अजीतपुर बिल्हा निवासी राम प्रवेश किसी काम से रम्पुरिया बाबा के पास सड़क किनारे पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही एक बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही राम प्रवेश सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। आस पास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने तत्काल घायल को सड़क से हटाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उनके परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उपचार के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे, जंहा हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने वताया कि मामले की तहरीर मिली है। जिसकी जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। बिसौली कोतवाली क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायका पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

मृतका दीपेश।

मायका पक्ष का आरोप है कि विवाहिता की हत्या कर ससुराल वाले घर से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रामपुर जिले के थाना शाहबाद के गांव अनवा निवासी अनोखे लाल ने अपनी बेटी दीपेश (22) की शादी करीब एक साल पहले बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव निजामुद्दीनपुर शाह निवासी बृजेश उर्फ वीरेश के साथ की थी। सोमवार को दीपेश की अचानक तबियत बिगड़ गई। परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, लेकिन अस्पताल पहुंचे से पहले ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद बृजेश ने दीपेश के मायके वालों को मामले की जानकारी दी। दीपेश के चाचा महावीर ने बताया कि पहले दीपेश के बीमार होने की सूचना दी गई, कुछ देर बाद उसकी मौत की सूचना मिली। जब वह लोग दीपेश की ससुराल पहुंचे तो उसका शव घर में पड़ा था और ससुराल वाले घर से फरार थे। मायका पक्ष ने ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। प्रभारी निरीक्षक कमलेश मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इनरव्हील क्लब के नए सत्र का शुभारंभ, सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या आयोजित

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। इनरव्हील क्लब के नवीन सत्र के शुभारंभ अवसर पर मधु आई हॉस्पिटल में सुंदरकांड पाठ एवं श्रीराम भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की और भगवान श्रीराम व हनुमान जी की आराधना की।

सुंदरकांड पाठ और भजन-कीर्तन के पश्चात विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न हुई। सभी श्रद्धालुओं व क्लब सदस्याओं ने सामूहिक रूप से भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर परिवार, समाज एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

नवनियुक्त अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि इनरव्हील क्लब केवल सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, मित्रता और संवेदनशीलता का सशक्त मंच है। वहीं क्लब की सचिव डॉ. सुविधा माहेश्वरी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और आपसी प्रेम व सद्भाव को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर संयोगिता गर्ग, कृष्णा गुप्ता, संगीता रस्तोगी, लता अग्रवाल, ममता अग्रवाल, नमिता गर्ग, अर्चना वार्ष्णेय, प्रतिभा अग्रवाल, मधु शर्मा, अनुपम शर्मा सहित युवाओं और बुजुर्गों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

दुखद | बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव गुधनी पर मंगलवार तड़के हुआ हादसा

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत, बेटा घायल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। ससुराल से दावत खाकर लौट रहे बाइक सवार पिता-पुत्र को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में पिता की मौत हो गई, जबकि पुत्र गंभीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को नजदीकी अस्पताल भिजवाया, जहां से उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज जारी है। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

जुगेंद्र के परिजन। -जागरण मोर्चा

हादसा बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के बिसौली-बिल्सी रोड पर गुधनी गांव के पास मंगलवार तड़के हुआ। मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव मिश्रीपुर मुकईयां निवासी जुगेंद्र (42) पुत्र लाखन अपने बेटे अजीत (18) के साथ अपनी ससुराल छौलायन गांव से दावत खाकर घर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार पिता-पुत्र गांव गुधनी के नजदीक पहुंचे, तभी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने जुगेंद्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि पुत्र अजीत को अलीगढ़ रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। जुगेंद्र की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। कोतवाल मनोज कुमार ने बताया कि हादसे में पिता की मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रुप से घायल है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पत्रकार को जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। पत्रकार विनायक मिश्र को कथित रूप से जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में थाना रोजा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। मामले की जानकारी मिलते ही सेंट्रल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आनंद शर्मा व जिला संयोजक अनिल मिश्रा अपने पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ थाना रोजा पहुंचे तथा पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की। संगठन मंत्री विनायक मिश्र ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। सेंट्रल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के जिला संयोजक अनिल मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों को धमकी देना और उनकी आवाज दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि आरोपियों के विरुद्ध निष्पक्ष, त्वरित और कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जिला अध्यक्ष आनंद शर्मा ने कहा कि पत्रकारों के खिलाफ किसी भी प्रकार की धमकी या अभद्र टिप्पणी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आगे की रणनीति तय करेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भाटिया के शतक और गेंदबाजों के दम पर भारत ने लॉर्ड्स में मचाया तहलका

इंग्लैंड को 270 रन से हराकर भारत ने जीता पहला महिला टेस्ट

लंदन

यास्तिका भाटिया के शानदार शतक, स्मृति मंधाना के दोनों पारियों में अर्धशतक और भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय महिला टीम की यह जीत क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदान लॉर्ड्स पर दर्ज पहली टेस्ट जीत है।

भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए। स्मृति मंधाना (83), हरमनप्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की उपयोगी पारियों की मदद से टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने पांच विकेट लेकर लॉर्ड्स के ऑनर बोर्ड में अपना नाम दर्ज कराया, जबकि भारत को 115 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड की वापसी की सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने 113 रन की यादगार शतकीय पारी खेली। ऋचा घोष ने नाबाद 50 रन जोडक़र भारत को 341/7 पर पारी घोषित करने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने इंग्लैंड के सामने 457 रन का कठिन लक्ष्य रखा। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने पांच विकेट लेकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सकीं। 457 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली पारी के हीरो क्रांति गौड़ ने दूसरी पारी में भी शुरुआती झटके दिए, जबकि स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा और सयाली सतघरे ने लगातार विकेट निकालकर मेजबान टीम पर दबाव बनाए रखा। एमी जोन्स (54) और सोफी एक्लेस्टोन (50) ने कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाज़ों के सामने इंग्लैंड की दूसरी पारी 186 रन पर सिमट गई। मैच के चौथे दिन भारत को जीत के लिए चार विकेट की जरूरत थी। स्नेह राणा ने दिन की शुरुआत में एमी जोन्स को आउट कर इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। एक्लेस्टोन ने अर्धशतक बनाकर संघर्ष जारी रखा, लेकिन राणा ने उन्हें बोल्ड कर इंग्लैंड की अंतिम उम्मीद भी समाप्त कर दी और भारत ने 270 रन की ऐतिहासिक जीत अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर

भारत

285 और 341/7 घोषित

(यास्तिका भाटिया 113, स्मृति मंधाना 70, ऋचा घोष नाबाद 50, सोफी एक्लेस्टोन 5/118)

इंग्लैंड

170 और 186

(एमी जोन्स 54, सोफी एक्लेस्टोन 50, स्नेह राणा 4/42)

भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि

इस जीत के साथ भारत ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया। यास्तिका भाटिया ने शतक और क्रांति गौड़ ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित ऑनर बोर्ड में जगह बनाई। वहीं स्मृति मंधाना ने अपने 300वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को दोनों पारियों में अर्धशतक लगाकर यादगार बना दिया। पुरुष टीम के निराशाजनक इंग्लैंड दौरे के बीच भारतीय महिला टीम की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम ने साबित कर दिया कि वह विदेशी सरजमीं पर भी दुनिया की मजबूत टीमों को हराने का दम रखती है।

फ्रांस और स्पेन के बीच सेमीफाइनल मुकाबले पर दुनिया की निगाहें

फीफा महायुद्धः एम्बाप्पे बनाम यामाल किसके नाम होगा फाइनल का टिकट

डलास

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल फुटबॉल की दो महाशक्तियों फ्रांस और स्पेन के बीच खेला जाएगा। 15 जुलाई को अमेरिका के डलास में होने वाले इस महामुकाबले में दांव सिर्फ फाइनल का टिकट नहीं, बल्कि विश्व फुटबॉल में वर्चस्व की लड़ाई भी होगी। एक तरफ फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर कीलियन एम्बाप्पे हैं, तो दूसरी ओर स्पेन के 19 वर्षीय युवा सनसनी लैमिन यामाल। दोनों खिलाडिय़ों की टक्कर इस मुकाबले का सबसे बड़ा आकर्षण मानी जा रही है।

दोनों टीमों ने दमदार अंदाज में बनाई सेमीफाइनल में जगह

फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया, जबकि स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है और खिताब की सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हैं।

एम्बाप्पे-यामाल: सुपरस्टार वर्सेस नई सनसनी की जंग

फ्रांस की सबसे बड़ी ताकत कीलियन एम्बाप्पे हैं। उनकी रफ्तार, फिनिशिंग और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की क्षमता फ्रांस की सबसे

बड़ी उम्मीद है। एम्बाप्पे ने इस विश्व कप में अब तक 8 गोल दागे हैं और उस्मान डेम्बेले के साथ मिलकर फ्रांस के आक्रमण को बेहद घातक बना दिया है। वहीं, स्पेन के युवा स्टार लैमिन यामाल अपनी तेज रफ्तार, शानदार ड्रिब्लिंग और बेहतरीन क्रिएटिविटी से विपक्षी डिफेंस के लिए लगातार चुनौती बने हुए हैं। कम उम्र में उनका प्रदर्शन उन्हें टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल कर चुका है।

किसका पलड़ा भारी?

फ्रांस के पक्ष में सबसे बड़ा हथियार उसका अनुभव है। 2018 का विश्व चैंपियन और 2022 का उपविजेता फ्रांस दबाव वाले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। तेज काउंटर अटैक, मजबूत ट्रांजिशन और अनुभवी डिफेंस उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। दूसरी ओर, स्पेन अपनी सटीक पासिंग, शानदार बॉल पजेशन और अनुशासित डिफेंस के दम पर पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली रहा है। स्पेन लंबे समय तक गेंद अपने कब्जे में रखकर विरोधी टीम की लय बिगाडऩे में माहिर है। कागजों पर दोनों टीमें लगभग बराबरी की दिखाई देती हैं। फ्रांस के पास अनुभव और आक्रामक ताकत है, जबकि स्पेन की सबसे बड़ी ताकत उसकी सामूहिक खेल शैली और युवा खिलाड़ियों का जोश है।

हेड-टू-हेड में स्पेन आगे

फ्रांस और स्पेन के बीच अब तक 38 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें स्पेन का रिकॉर्ड बेहतर रहा है। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत 2025 यूफा नेशंस लीग के सेमीफाइनल में हुई थी, जहां स्पेन ने रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 5-4 से हराया था। उस मैच में लैमिन यामाल ने दो गोल कर जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कुल मैच	38
स्पेन की जीत	18
फ्रांस की जीत	13
ड्रॉ	7

विश्व कप में 20 साल बाद फिर आमना-सामना

फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में फ्रांस और स्पेन अब तक सिर्फ एक बार भिड़े हैं। 2006 विश्व कप के राउंड ऑफ-16 में फ्रांस ने स्पेन को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। करीब दो दशक बाद दोनों टीमें फिर विश्व कप के मंच पर आमने-सामने होंगी। इस बार स्पेन के पास 2006 की हार का हिसाब बराबर करने का मौका होगा, जबकि फ्रांस लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने का सपना साकार करना चाहेगा।

भारत ने इंग्लैंड को शुरूआती झटकों से बैकफुट पर धकेला, रूट-डॉसन ने संभाली पारी

बर्मिंघम

भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी क्रम को शुरूआती झटके दिए। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट और स्पिन ऑलराउंडर लियाम डॉसन की जिम्मेदार साझेदारी ने इंग्लैंड को पूरी तरह बिखरने से बचा लिया। शुरूआती छह विकेट जल्दी गंवाने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए टीम की पारी को संभाला और स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया।

मुकाबले में इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के इरादे से मैदान पर उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैकब बेथेल ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को शुरूआती सफलता से दूर रखा। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय तेज गेंदबाजों का संयम के साथ सामना किया और टीम को मजबूत शुरूआत दिलाई।

पहले 10 ओवर के बाद इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 51 रन बना लिए थे। उस समय बेन डकेट अच्छी लय में दिखाई दे रहे थे और तेजी से रन बना रहे थे, जबकि जैकब बेथेल दूसरे छोर से उनका साथ निभा रहे थे। भारतीय गेंदबाजों ने नई गेंद से अनुशासित गेंदबाजी की, लेकिन शुरूआती विकेट हासिल करने में सफलता नहीं मिली।

इसके बाद युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने भारत को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने जैकब बेथेल को 14 रन के निजी स्कोर पर आउट कर 61 रन की शुरूआती साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में बराड़ ने शानदार लय कायम रखते हुए बेन डकेट को भी पवेलियन भेज दिया। डकेट ने 45 गेंदों में 43 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन जसप्रीत बुमराह ने उनका बेहतरीन कैच लेकर इंग्लैंड को दूसरा बड़ा झटका दिया। एक ही ओवर में दो विकेट गिरने से इंग्लैंड की मजबूत शुरूआत अचानक दबाव में बदल गई।

इसके बाद भारतीय टीम ने इंग्लैंड पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कप्तान हैरी ब्रूक को केवल एक रन के निजी स्कोर पर आउट कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। बुमराह की सटीक लाइन और लेंथ के सामने ब्रूक ज्यादा देर टिक नहीं सके और इंग्लैंड का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया।

भारतीय गेंदबाजों का दबाव लगातार बढ़ता गया। प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने एक ही ओवर में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर इंग्लैंड की स्थिति और खराब कर दी। उन्होंने सबसे पहले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर को केवल 5 रन पर आउट किया। यह मुकाबला बटलर के करियर का 200वां वनडे मैच था, लेकिन वह इसे यादगार नहीं बना सके। इसके तुरंत बाद प्रसिद्ध ने सैम करन को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। लगातार दो विकेट गिरने से इंग्लैंड की आधी टीम बेहद कम स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने विल जैक्स को 20 रन के निजी स्कोर पर आउट कर इंग्लैंड का छठा विकेट गिराया। उस समय इंग्लैंड का स्कोर 107 रन पर छह विकेट था और ऐसा लग रहा था कि पूरी टीम जल्द ही सस्ते में सिमट जाएगी।

खेल मंत्री सारंग ने घुड़सवारी अकादमी का किया निरीक्षण

खेल सुविधाओं और निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय इंडोर एरीना का लिया जायजा

भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी का निरीक्षण कर प्रशिक्षण, खेल सुविधाओं और निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय इंडोर एरीना का जायजा लिया।

समीक्षा बैठक में उन्होंने खिलाडिय़ों की प्रोफाइल तैयार करने, अकादमी की उपलब्धियों का दस्तावेज बनाने तथा पे एंड प्ले योजना के माध्यम से आम नागरिकों को घुड़सवारी से जोडऩे के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि उत्कृष्ट अधोसंरचना, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और योजनाबद्ध प्रयासों के माध्यम से मध्यप्रदेश को

घुड़सवारी के क्षेत्र में देश की अग्रणी पहचान दिलाई जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे।

18 साल बाद टूटा आईपीएल का सबसे सफल रिश्ता...

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से अपनी 18 साल पुरानी साझेदारी समाप्त कर दी है। इसके साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल और सबसे लंबे समय तक चली कोच-फ्रेंचाइजी साझेदारियों का अंत हो गया।

2008 में खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़े फ्लेमिंग ने 2009 में मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके नेतृत्व में

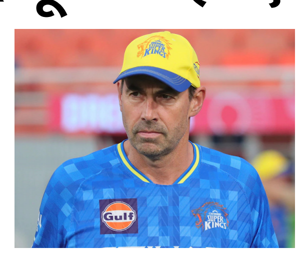

चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 आईपीएल खिताब, 2 चैंपियंस लीग टी20 ट्रॉफियां जीतीं, 12 बार प्लेऑफ में जगह बनाई और 10 आईपीएल फाइनल खेले। इस दौरान सीएसके लीग की सबसे सफल और निरंतर प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल रही। फ्रेंचाइजी की मालिक रूपा गुरुनाथ ने कहा कि फ्लेमिंग लगभग दो दशकों तक टीम की कोचिंग इकाई की धडकन रहे। उन्होंने सीएसके की पहचान, कार्यसंस्कृति और उत्कृष्टता की परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने उनके समर्पण, नेतृत्व और योगदान के लिए आभार जताते हुए कहा कि फ्लेमिंग हमेशा सुपर किंग्स परिवार की विरासत का अभिन्न हिस्सा रहेंगे। विदाई के मौके पर स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि खेल की दुनिया में 18 साल एक पूरा जीवनकाल होते हैं। उन्होंने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया गया समय उनके कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। फ्लेमिंग ने कहा कि टीम के साथ मिली सफलताएं, संघर्ष और यादगार पल हमेशा उनके दिल में रहेंगे तथा वह भविष्य में भी सीएसके का समर्थन करते रहेंगे।

चहल और इशांत बने बिजनेस पार्टनर, लॉन्च किया एनर्जी ड्रिंक

गुरुग्राम। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने खेल के बाद अब बिजनेस की दुनिया में कदम रखा है। दोनों खिलाडियों ने मिलकर एनर्जी ड्रिंक ब्रांड एक्वॉन लॉन्च किया है। इसकी लॉन्चिंग गुरुग्राम के सेक्टर-43 स्थित गोल्फ कोर्स रोड पर क्रिकेटर विराट कोहली के रेस्टोरेंट वन 8 कम्यून में हुई। हरियाणा के जींद जिले के रहने वाले युजवेंद्र चहल और दिल्ली के इशांत शर्मा लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट टीम और आईपीएल में साथ खेल चुके हैं। इस साल चहल पंजाब किंग्स और इशांत शर्मा दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहे। लॉन्चिंग कार्यक्रम में खेल प्रेमियों और कई मेहमानों ने हिस्सा लिया। इस दौरान चहल ने बताया कि एक्वॉन को किसी खास उम्र या वर्ग तक सीमित नहीं रखा गया है।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।